आपकी बात, निर्भीकता के साथ

प्रातःनागपुरी

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 3, अंक : 57 रांची, शुक्रवार, 06 फरवरी, 2026 (फाल्गुन, कृष्ण पक्ष 05, संवत 2082) पृष्ठ- 12, मूल्य- 3 रुपये, email : jharkhandwanitaudyog@gmail.com

स्पीकर ओम बिरला का बड़ा दावा : कांग्रेस सांसद पीएम मोदी पर कर सकते थे हमला

स्पीकर बोले – इसलिए मैंने उन्हें लोकसभा आने से रोका

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में लगातार हो रहे हंगामे के बीच गुरुवार को एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया, जब लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने दावा किया कि उन्होंने स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सदन में आने से रोका था। स्पीकर का कहना था, कि उन्हें आशंका थी कि कांग्रेस के कुछ सांसद प्रधानमंत्री पर शारीरिक हमला कर सकते हैं, जिससे लोकतंत्र की मयार्दा को गंभीर ठेस पहुंचती। स्पीकर बिरला ने कहा कि बुधवार को लोकसभा में हालात बेहद अप्रत्याशित और चिंताजनक हो गए थे। उन्होंने बताया कि यदि प्रधानमंत्री उस दिन सदन में आते और कोई अप्रिय घटना हो जाती, तो यह संसद और लोकतंत्र दोनों के लिए शर्मनाक स्थिति होती। इसी कारण उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वे सदन में न आएं। अंततः प्रधानमंत्री मोदी के जवाबी भाषण के बिना ही राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। स्पीकर बिरला ने यह भी कहा, कि विपक्ष के कुछ सांसदों का आचरण लोकसभा के इतिहास में काले धब्बे के रूप में दर्ज हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के कुछ सांसद किसी गलत हरकत की योजना बना रहे थे। इसी वजह से प्रधानमंत्री के भाषण को टालना पड़ा।

विपक्ष ने आरोपों को खारिज किया

विपक्ष ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने स्पीकर के दावे को गलत बताते हुए कहा कि यह पूरी तरह निराधार है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर तीन महिला सांसद प्रधानमंत्री के पास जाकर खड़ी हो गईं तो क्या इससे उनकी सुरक्षा को खतरा हो गया? प्रियंका गांधी ने मीडिया से सवाल किया कि वे सरकार से यह क्यों नहीं पूछते कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने क्यों नहीं दिया गया और इसके पीछे क्या आधार था।

प्रधानमंत्री के बोले बिना ही लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव ध्वनिमत से पास

नई दिल्ली। लोकसभा में गुरुवार को विपक्ष के जोरदार हंगामें के बीच राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव ध्वनिमत से पास हो गया है। इसके बाद ही लोकसभा की कार्यवाही को 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। गौरतलब है कि धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब बुधवार को लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देना था। पीएम मोदी के जवाब के लिए 4 फरवरी को शाम 5 बजे का समय तय था, लेकिन विपक्ष के जोरदार हंगामे के चलते पीएम मोदी का संबोधन नहीं हो सका था। इसके बाद संभावनाएं जताई गईं थीं कि गुरुवार को पीएम मोदी चर्चा का जवाब दे सकते हैं। बहरहाल इन तमाम कयासों पर विराम लग चुका है और पीएम मोदी के संबोधन के बिना ही विपक्ष द्वारा किए जा रहे जोरदार हंगामे के बीच धन्यवाद प्रस्ताव को लोकसभा में ध्वनिमत से पारित कर दिया गया है। इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने हंगामे के बीच ही धन्यवाद प्रस्ताव को वोटिंग के लिए लिया और ध्वनिमत से सदन ने इसे पारित कर दिया। इससे पहले लोकसभा की कार्यवाही 11 बजे शुरू हुई, लेकिन विपक्ष के जोरदार हंगामें को देखते हुए कार्यवही को 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। इसके बाद 12 बजे सदन आहूत हुआ और हंगामें के बीच ही धन्यवाद प्रस्ताव ध्वनिमत से पास कर सदन की कार्यवाही 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

राज्यसभा में माहौल काफी गरम रहा, विपक्ष ने किया वाकआउट

नई दिल्ली। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के जवाब के दौरान गुरुवार को राज्यसभा में माहौल काफी गरम रहा। दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जैसे ही संबोधन शुरू किया विपक्षी सदस्यों ने जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी। इसी हंगामे के बीच पीएम मोदी ने कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लेकर हल्के-फुल्के अंदाज में चुटकी ली, जिस पर सत्ता पक्ष में ठहाके गूंज उठे। जवाब से असंतुष्ट विपक्षी सांसदों ने सदन से वाकआउट किया, जिस पर पीएम मोदी ने फिर चुटकी ली। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आदरणीय सभापति जी, मेरी एक प्रार्थना है। आदरणीय खड़गे जी की उम्र को देखते हुए मेरा अनुरोध है कि वे बैठकर नारेबाजी करें। खड़े होकर नारे लगाने का काम नौजवानों के लिए छोड़ दें। उन्होंने यह भी कहा कि बैठ कर नारे लगाने से खड़गे जी को कष्ट नहीं होगा और विपक्ष के युवा सदस्य खड़े होकर नारे लगा सकते हैं।

संक्षिप्त

प्रधानमंत्री दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगे मलेशिया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 7-8 फरवरी को मलेशिया की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। यह प्रधानमंत्री की मलेशिया की तीसरी और अगस्त 2024 में भारत-मलेशिया द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिए जाने के बाद पहली यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी अपने समकक्ष अनवर इब्राहिम के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। प्रधानमंत्री भारतीय समुदाय के साथ-साथ उद्योग और व्यापार प्रतिनिधियों से भी बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री की यात्रा के साथ ही 10वां भारत-मलेशिया सीईओ फोरम भी आयोजित किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी का लोकप्रिय कार्यक्रम 'परीक्षा पे चर्चा' आज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'परीक्षा पे चर्चा' का प्रसारण आज सुबह 10 बजे होगा। प्रधानमंत्री 'परीक्षा पे चर्चा' के विशेष धारावाहिक (एपिसोड) में विद्यार्थियों से परीक्षाओं से जुड़े विषय, तनावमुक्त रहने और सीखने पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत पर बात करेंगे। आज के कार्यक्रम के लिए 4.5 करोड़ से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'परीक्षा पे चर्चा' के प्रसारण की पूर्व संध्या पर कहा कि इस वर्ष का परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम कई रोचक विषयों को शामिल करेगा। उन्होंने कहा कि यह मंच उन्हें होनहार विद्यार्थियों से संवाद का मौका देता है।

मुठभेड़ में नक्सली ढेर एके-47 बरामद

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच जारी मुठभेड़ के बीच अबतक 1 नक्सली का शव एवं एके-47 हथियार मौके से बरामद किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, दक्षिण बस्तर के पेद्दागेलूर जंगल क्षेत्र में डीआरजी और सीआरपीएफ कोबरा के जवान मोर्चा संभाले हुए हैं। फिलहाल, इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार मुठभेड़ में मिला एक पुरूष नक्सली का शव डीव्हीसीएम कैडर का नक्सली कमांडर उधम सिंह का बताया जा रहा है।

केंद्रीय बजट में झारखंड की हुई उपेक्षा : हेमंत सोरेन

सीएम बोले - झारखंड के संसाधनों से देश चमका, यहां अंधकार रहा

प्रातः नागपुरी संवाददाता

कोडरमा। राज्य के मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय अध्यक्ष हेमन्त सोरेन ने गुरुवार को कोडरमा के लोकाई में कहा कि इस बार के केंद्रीय बजट में झारखंड की उपेक्षा की गयी है। खनिज मामलों में धनी राज्य झारखंड यदि इन संसाधनों को दूसरे राज्यों में भेजने पर पांबदी लगा दे तो देश की आर्थिक स्थिति कमजोर हो जायेगी। सोरेन ने झामुमो में शामिल हुए लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि कोडरमा जिले में झारखंड मुक्ति मोर्चा अपने राजनीतिक कार्यक्रमों को आगे बढाते हुए एक और कड़ी जोड़ रही है। एक लंबे समय के बाद अलग अपना राज्य बना। 25वां साल का यह झारखंड प्रदेश बिहार के एक कोने में बसता था, नतीजा झारखंड प्रदेश कई मायनो में पिछड़ा रहता था।

आजादी के लिए भारत देश को कितना संघर्ष करना पड़ा, वो आप सबको पता है। कितने लोग जेल गए, ना जाने कितने लोग देश के लिए कुरबान हो गए। ठीक उसी प्रकार जब ये भारत देश आजादी का सपना भी नहीं देखा था उससे कई वर्षों आगे से झारखंड में यहां के आदिवासी मूलवासी अंग्रेजों से लोहा लेते रहे। हजारीबाग जेल से लेकर झारखंड के हर कोने के जेल झारखंड के आंदोलनकारियों से भरा पड़ा था, तब ये राज्य मिला। यह ऐसा राज्य है जिसने सदियों से सिर्फ देने का काम किया। उन्होंने कहा कि कोयला, लोहा, अबरख सारा कुछ हम लोग दिया। हमारे खनिज संपदा से दिल्ली, मुंबई, गुजरात चमकता रहा। हम लोग अंधकार में गरीबी में रहने को मजबूर हुए और योजनाबद्ध तरीके से झारखंड को गरीब राज्य बनाने का काम किया गया। देश के आजाद होने के बाद कारखाने उद्योग लगे लेकिन दुर्भाग्य उसका लाभ हमारे झारखंड के भाइयों को नहीं मिला। झारखंड गरीब है वो इसलिए गरीब है कि और राज्यों को आगे बढ़ाना है। दिल्ली, मुंबई, गुजरात तो आगे बढ़ाना है तो वाहन चलाएगा कौन, सड़क, बिल्डिंग बनाएगा कौन, फैक्ट्री चलेगा तो उसको चलाएगा कौन। उसके लिए तो मजदूर चाहिए इसीलिए झारखंड बिहार को लोगों ने मजदूर बनाके छोड़ दिया। लेकिन अब झारखंड बदल रहा है, झारखंड को वैश्विक मंच पर पहुंचाने का काम किया, विदेश में यहां के नौजवान पढ़ाई कर रहे हैं। सोरेन ने यह भी कहा कि शालिनी गुप्ता के नेतृत्व में मजबूती मिलेगी। अब दो आंख और होगी और हम और अच्छे तरीके से कोडरमा को देख सकेंगे।

शालिनी गुप्ता झामुमो में शामिल मुख्यमंत्री हेमंत ने किया स्वागत

कोडरमा की नेत्री शालिनी गुप्ता ने गुरुवार, 5 फरवरी को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की सदस्यता ग्रहण कर ली। झामुमो के एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पार्टी में उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा का कारवां और मजबूती के साथ बढ़ेगा। शालिनी गुप्ता पिछले डेढ़ दशक से राजनीति में सक्रिय हैं। वर्ष 2010 में वह कोडरमा के खरवार पंचायत समिति सदस्य बनी थी। इसके बाद वह डोमचांच प्रखंड की प्रमुख रहीं। वर्ष 2015 में वह डोमचांच-2 से जिला परिषद सदस्य चुनीं गईं। फिर जिला परिषद अध्यक्ष बनीं। वर्ष 2019 तक वह भाजपा में थी। विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने पर उन्होंने आजसू ज्वाइन किया और विधानसभा चुनाव लड़ा। इसी तरह वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने कोडरमा सीट से चुनाव लड़ा। हालांकि, वह करीब पांच हजार वोटों से हार गयीं।

कैबिनेट : अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेताओं को सरकार देगी पेंशन

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। राज्य मंत्रिपरिषद की गुरुवार को हुई बैठक में कुल 27 प्रस्तावों पर स्वीकृति दी गयी। इनमें से दो प्रस्तावों को कैबिनेट ने स्थगित कर दिया है। इनमें से एक प्रस्ताव 14 वीं जेपीएससी की परीक्षा में बैठनेवाले छात्रों को उम्र सीमा में छूट देने से संबंधित था। गुरुवार को कैबिनेट की बैठक से संबंधित फैसलों की ब्रीफिंग राज्य में हो रहे निकाय चुनाव के कारण लगे आचार संहिता के कारण नहीं की गई। सूत्रों के अनुसार कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग ने उम्र सीमा में छूट के लिए अगस्त 2023 का प्रस्ताव दिया था। लेकिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से इस प्रस्ताव को स्थगित रखने की बात कही गई। सूत्रों के अनुसार कितने वर्षों की उम्र सीमा में छूट दी जाए, इसे लेकर सरकार के शीर्ष स्तर पर अभी सहमति नहीं बनी है। इसीलिए प्रस्ताव को स्थगित कर दिया गया है।

सूत्रों का कहना है कि 11 वीं से 13 वीं जेपीएससी की परीक्षा में उम्र सीमा का कट ऑफ डेट अगस्त 2017 था। छात्र 14 वीं जेपीएससी की परीक्षा में कट ऑफ डेट अगस्त 2018 की मांग कर रहे हैं। इस स्थिति में सरकार के लिए कट ऑफ डेट क्या रखा जाना चाहिए, इस पर फिर से विचार किया जाएगा। एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले में राज्य सरकार ने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतिस्पधाओं में मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को पेंशन देने के फैसले को नये सिरे से रिस्ट्रक्चर किया है। अब अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर की प्रत्येक महत्वपूर्ण खेल प्रतिस्पर्द्धा में मेडल जीतनेवाले खिलाड़ियों को पेंशन मिलेगा। निर्णय के अनुसार राजीव गांधी खेल रत्न अवार्ड, ओलिंपिक में पदक जीनेवाले खिलाड़ियों को सरकार 20 हजार रुपये मासिक पेंशन देगी। इसी तरह वर्ल्ड कप, एशिएन गेम्स, सैफ से लेकर नेशनल गेम्स में पदक विजेताओं को क्रमानुसार 16 हजार से पांच हजार रुपये तक का पेंशन मिलेगा। नेशनल गेम्स के पदक विजेताओं को सबसे कम पांच हजार रुपये पेंशन मिलेगा। जानकारी के अनुसार कार्य विभागों मसलन पेयजल स्वच्छता, जल संसाधन सहित अन्य विभागों को एकाउंटिंग और वर्क्स मैनेजमेंट में सेवा प्रदाता के रूप में सहायता देनेवाली सी-डैक कंपनी की सेवा विस्तार दी गयी है।

बीजापुर में 54 लाख के इनामी 12 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में गुरूवार को 54 लाख के इनामी 12 नक्सलियों ने पुलिस के आलाधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में 08 महिला और 4 पुरुष कैडर के नक्सली शामिल हैं। इन्होंने 3 आटोमैटिक हथियार, कारतूस और विस्फोटक पुलिस को सौंपें। बीजापुर में सुरक्षाबलों के संयुक्त प्रयास से आज साउथ सब जोनल ब्यूरो से संबंधित कुल 54 लाख रुपए की इनामी 8 महिला और 4 पुरुष कैडर के 12 नक्सलियों, जिसमें डीवीसीएम-1 सदस्य, बटालियन नम्बर 1, कंपनी नम्बर दो-2, पीपीसीएम-1, एसीएम -2, पार्टी सदस्य-2, पीएलजीए सदस्य-4 ने 3 आटोमैटिक हथियार, कारतूस व विस्फोटक के साथ बस्तर आईजी सुंदरराज पट्टलिंगम, बीजापुर एसपी डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव, उप पुलिस महानिरीक्षक केरिपु ऑप्स बीजापुर सेक्टर बीएस.नेगी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

देश की पहली सहकारिता आधारित टैक्सी सेवा भारत टैक्सी का शुभारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को विज्ञान भवन से देश की पहली सहकारिता आधारित टैक्सी सेवा भारत टैक्सी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी को आगामी तीन वर्षों के भीतर पूरे देश में शुरू किया जाएगा और यह टैक्सी चालकों के आर्थिक सशक्तीकरण का एक बड़ा माध्यम बनेगी।

अमित शाह ने कहा कि फिलहाल भारत टैक्सी की शुरूआत गुजरात के कुछ शहरों के साथ दिल्ली और एनसीआर में की जा रही है लेकिन अगले तीन साल से भी कम समय में यह देश के हर राज्य और प्रमुख

शहरों में उपलब्ध होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कश्मीर से कन्याकुमारी और द्वारका से कामाख्या तक भारत टैक्सी टैक्सी चालकों के कल्याण का एक सशक्त मॉडल बनेगी। टैक्सी चालकों को सारथी की संज्ञा देते हुए शाह ने कहा कि अभी तक उनकी टैक्सी का पहिया किसी और की कमाई करता था, लेकिन भारत टैक्सी के माध्यम से अब वही पहिया उनकी अपनी कमाई और समृद्धि के लिए घूमेगा। उन्होंने कहा कि सहकार टैक्सी जो भी मुनाफा कमाएगी, उसमें से तीन वर्ष बाद केवल 20 प्रतिशत राशि सहकार टैक्सी के पास रहेगी, जबकि शेष 80 प्रतिशत राशि प्रति किलोमीटर की औसत के आधार पर सीधे सारथियों के खातों में स्थानांतरित की जाएगी।

सहकार टैक्सी के मालिक भी स्वयं सारथी ही होंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत टैक्सी देश की माताओं और बहनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने सारथी दीदी की अवधारणा का उल्लेख करते हुए बताया कि ऐप पर एक अलग विंडो के माध्यम से महिला यात्रियों के लिए महिला चालक उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे उनकी यात्रा और अधिक सुरक्षित हो सकेगी।

रांची के जाने-माने बिल्डर अनुराग सरावगी ने बिल्डिंग से कूदकर दी जान

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के मेन रोड इलाके से दुखद खबर सामने आई है। शहर के जाने-माने बिल्डर अनुराग सरावगी ने हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित ब्लेयर अपार्टमेंट से कूद कर अपनी जान दे दी। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। घटना गुरुवार की देर रात की है। बताया जा रहा है कि बिल्डर अनुराग सरावगी ने अपार्टमेंट की छठी मंजिल से छलांग लगा दी। उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही हिंदपीढ़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। परिवार के सदस्यों से भी पूछताछ की है।

झारखंड को फाइलेरिया मुक्त बनाने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग के बढ़ते कदम

स्वास्थ्य मंत्री ने किया फाइलेरिया उन्मूलन अभियान का शुभारंभ

11 से 26 फरवरी तक घर-घर जाकर खिलायी जाएगी फाइलेरिया की दवा

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने गुरुवार को आईपीएच सभागार से फाइलेरिया रोधी दवा खाकर फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत मास ड्रग अभियान की शुरूआत की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि कोई भी अभियान छोटा नहीं होता है। अभियान, कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को संदेश दिया जाता है कि यह अभियान आपके स्वास्थ्य के लिए ही है, आपको जागरूक करने के लिए है। बिना आपके सहयोग से हम कार्यक्रम को सफल नहीं बना सकते हैं, इसलिए आप दवा जरूर खायें। इसमें कोई नुकसान नहीं है बल्कि, यदि आपके अंदर फाइलेरिया के जीवाणु हैं, तो वो मर जायेंगे। डॉ इरफान अंसारी आईपीएच सभागार नामकुम में आयोजित राज्य स्तरीय अंतर विभागीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर डॉ. इरफान अंसारी ने 14 जिलों के लिए प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

फाइलेरिया उन्मूलन में सभी अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें

डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि झारखंड को 2029 तक फाइलेरिया मुक्त राज्य बनाने का हमारा लक्ष्य है और इस दिशा में हम आगे बढ़ चुके हैं। खूंटी जिला को हमने फाइलेरिया मुक्त बनाने में सफलता पाई है। अगस्त 2025 में राज्य के 9 जिलों में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम चलाया गया था और अब 2026 में 10 फरवरी से 26 फरवरी तक यह अभियान राज्य के 14 जिलों (रांची, गुमला, गिरिडीह, बोकारो, साहिबगंज, पाकुड़, देवघर, पूर्वी सिंहभूम, कोडरमा, रामगढ़, सिमडेगा, धनबाद और लोहरदगा) में चलाया जाएगा। जहां 10 फरवरी को बूथ में और फिर 11 फरवरी से 26 फरवरी तक घर-घर जाकर लोगों को फाइलेरिया की दवा खिलाई जाएगी। डॉ इरफान अंसारी ने जन वितरण प्रणाली की दुकानों से भी फाइलेरिया दवा देने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी को ईमानदारी से अपनी भूमिका निभानी होगी।

यूपीएससी सेवा में रहते हुए नहीं दे सकेंगे अब बार-बार परीक्षा, रैंक सुधारने का सिर्फ एक अवसर मिलेगा

सिविल सेवा परीक्षा- 2026 के आवेदन की अंतिम तिथि 24 फरवरी

एजेंसी

नई दिल्ली। संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा-2026 का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इस बार कुल 933 पदों के लिए भर्ती की जाएगी। आवेदन की अंतिम तिथि 24 फरवरी तय की गई है। नोटिफिकेशन के साथ ही आयोग ने परीक्षा प्रक्रिया और सेवा नियमों में कई अहम बदलाव किए हैं, जिनका असर लाखों अभ्यर्थियों पर पड़ेगा। यूपीएससी ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा केंद्रों पर अब फेस ऑथेंटिकेशन के बाद ही प्रवेश मिलेगा। इसके साथ ही सबसे बड़ा बदलाव चयन के बाद दोबारा परीक्षा देने से जुड़े नियमों में किया गया है। अब सेवा में रहते हुए बार-बार सिविल सेवा परीक्षा देने की सुविधा पहले जैसी नहीं रहेगी। यह नए नियम 2026 से लागू होंगे।

आयोग के अनुसार, आईएएस और आईएफएस से जुड़े पुराने नियमों में कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन अन्य सेवाओं, खासकर ग्रुप-ए और आईपीएस के लिए रैंक सुधारने का मौका सीमित कर दिया गया है। नए प्रावधानों के तहत चयनित अधिकारी को सिर्फ एक बार परफॉर्मेंस बेहतर करने का अवसर मिलेगा। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी अभ्यर्थी का 2026 में आईपीएस में चयन होता है, तो वह 2027 में रैंक सुधारने के लिए दोबारा परीक्षा दे सकता है। हालांकि इसके बाद अगर वह फिर से परीक्षा देना चाहता है, तो उसे सेवा से इस्तीफा देना अनिवार्य होगा। यानी सेवा में रहते हुए बार-बार परीक्षा देने का रास्ता पूरी तरह बंद कर दिया गया है।

सुप्रिया-अभिषेक की शादी में पहुंचे केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, दिए आशीर्वाद

दिल्ली पहुंचे रांची के समाजसेवी रतन लाल अग्रवाल, वर-वधू पर बरसाए स्नेह

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। सुरज चौरसिया की बहन सुप्रिया और अभिषेक 4 फरवरी 2026 को विवाह बंधन में बंध गए। अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ पत्नी के साथ दिल्ली में आयोजित इस शादी समारोह में शामिल हुए और वर-वधू को आशीर्वाद दिया। इस आयोजन में झारखंड की राजधानी रांची से शहर के समाजसेवी रतन लाल अग्रवाल भी उपस्थित हुए और वर-वधू पर स्नेह बरसाया। बताते चलें कि सुरज चौरसिया केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के दिल्ली स्थित आवास सह कार्यालय में पदस्थापित हैं। इनकी बहन सुप्रिया की शादी थी। मंत्री जी को तो पहुंचना ही था।

मंत्री संजय सेठ के लिए अमीर-गरीब, प्रभावशाली-सामान्य के बीच कोई भेद नहीं है। यही वजह है कि उनके घर और आयोजनों में आम आदमी उतनी ही सहजता से पहुंचता है, जितना कोई बड़ा नेता या अधिकारी। शादी समारोह के इस मौके पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के अलावे रतन लाल अग्रवाल, रक्षा मंत्रालय के केपी बालियान, जितेंद्र कुमार एवं रांची से निकेश गुप्ता समेत कार्यालय के सभी स्टाफ शामिल हुए।

गृहस्थ बसाने से लेकर गृहस्थ चलाने का करेंगे इंतजाम : मनीष जायसवाल

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल के नेतृत्व में रामगढ़ सिद्धू-कान्हु मैदान में 08 फरवरी को 101 जरूरतमंद जोड़ों का ग्रैंड सामूहिक कन्यादान समारोह आयोजित किया जा रहा है। वैवाहिक को यादगार बनाने के लिए ख्याति प्राप्त गायक, अभिनेता एवं सांसद मनोज तिवारी मृदुल अपने सुरों का जादू बिखेरेंगे। वहीं विवाह की रस्में किसी राजसी शादी से कम नहीं होंगी। देश दुनिया में प्रसिद्ध कोलकाता के राघव पंडित और उनकी टीम के म्यूजिकल फेरे इस उत्सव का मुख्य आकर्षण होंगे, जहाँ मंत्रोच्चार और संगीत के अनूठे संगम के बीच 101 जोड़े सात फेरे लेकर दांपत्य जीवन में प्रवेश करेंगे। सांसद श्री जायसवाल का विजन केवल विवाह संपन्न कराना नहीं बल्कि इन नव दम्पत्तियों के भविष्य को सुरक्षित करना भी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह आयोजन केवल घर बसाने तक सीमित नहीं है, बल्कि गृहस्थ चलाने? का भी पुख्ता इंतजाम है। विदाई के समय प्रत्येक जोड़े को दैनिक उपयोग की सामग्रियों के साथ-साथ स्वरोजगार हेतु एक टोटो' (ई-रिक्शा) भेंट किया जाएगा।

संक्षिप्त

नीरजा सहाय डीएवी में हुई साइकिल दौड़ प्रतियोगिता

पिठोरिया। कांके स्थित नीरजा सहाय डीएवी में कक्षा एलकेजी से दूसरी तक के छात्र-छात्राओं के बीच एक साइकिल दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें नन्हें-मुन्नों का उत्साह दर्शनीय रहा। मौके पर उनके अभिभावकों की उपस्थिति दर्ज.की गयी। कार्यक्रम की शुरूआत में प्राचार्या किरण यादव ने नन्हें-मुन्नों को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की शिक्षिका श्वेता सुमन ने किया। कमेंट्री श्रीमती निवेदिता सिंह ने की। समस्त शिक्षिकाओं की एकजुटता एवं लगन ने कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित की।

विधायक की उपस्थिति में बुजुर्ग महिलाओं ने किया कई विकास योजनाओं का शिलान्यास

सिल्ली। प्रखंड अंतर्गत गोड़ाडीह पंचायत के ब्राह्मनी उपर टोला में गुरुवार को स्थानीय विधायक अमित महतो की गरिमामयी उपस्थिति में आंगनबाड़ी केंद्र का शिलान्यास मो0 सिमती देवी के कर कमलों से किया गया. इस दौरान विधायक ने कहा भवन बनने के बाद आंगनबाड़ी केंद्र के संचालन में सेविका व नौनिहालों को काफी सहूलियत होगी. इसमें सारे सामान को सेविका केंद्र में रख पाएंगी. उन्होंने संवेदक को गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य करने की नसीहत दी.मौके पर झामुमो नेता मोहर्रम मोमिन भोंदू नायक जेरका मांझी ग्रामीण प्रधान सुरेन्द्र मुंडा समेत काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड ने नेत्र जांच शिविर का किया आयोजन

रामगढ़। बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड द्वारा रांची रोड, सेवटा एवं महतो टोला क्षेत्रों में आयोजित पूर्व नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर में जिन मरीजों की दृष्टि कमजोर पाई गई थी, उनके बीच पावर चश्मों का वितरण किया गया। इस अवसर पर सेवटा क्षेत्र में 65, रांची रोड में 45 और महतो टोला में 48 लाभार्थियों को पावर चश्मे प्रदान किए गए। यह पहल बीएफसीएल की सामाजिक उत्तरदायित्व प्रतिबद्धता के तहत की गई।

सूरज सिंह मेमोरियल कॉलेज के विद्यार्थियों ने रामकृष्ण मिशन आश्रम का किया शैक्षिक भ्रमण

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। सूरज सिंह मेमोरियल कॉलेज, रांची द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण शैक्षणिक, नैतिक एवं व्यावहारिक विकास के उद्देश्य से एक प्रेरणादायी एवं मूल्यपरक शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस क्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने वरीय प्राध्यापकों के नेतृत्व में रामकृष्ण मिशन आश्रम, मोराबादी का शैक्षिक भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने रामकृष्ण मिशन आश्रम द्वारा संचालित विभिन्न शैक्षणिक, सामाजिक एवं स्वरोजगार आधारित गतिविधियों का गहन अध्ययन किया। आश्रम परिसर में संचालित बागवानी, पशुपालन, मधुपालन, मुगीर्पालन, मशरूम उत्पादन सहित आत्मनिर्भरता से जुड़े विविध कार्यक्रमों की जानकारी विद्यार्थियों को विस्तारपूर्वक दी गई।

आश्रम के प्रशिक्षकों द्वारा इन गतिविधियों की कार्यप्रणाली, उद्देश्य एवं सामाजिक उपयोगिता को सरल एवं प्रभावी ढंग से समझाया गया, जिससे विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान एवं सेवा-भाव का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ।

इस शैक्षिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय आध्यात्मिक परंपरा, नैतिक मूल्यों, सेवा-भाव, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा शिक्षा के व्यापक सामाजिक उद्देश्य से परिचित कराना था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को रामकृष्ण मिशन की स्थापना, उसके मूल आदर्श, स्वामी विवेकानंद के प्रेरणादायी विचार, शिक्षाझ्सेवाझ्संस्कृति के समन्वित दर्शन तथा आश्रम द्वारा संचालित मानव-कल्याणकारी गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई। आश्रम का शांत, अनुशासित एवं प्रेरक वातावरण विद्यार्थियों को विशेष रूप से प्रभावित करता दिखा। भ्रमण से पूर्व आयोजित संक्षिप्त संबोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी. पी. वर्मा ने कहा कि रामकृष्ण मिशन आश्रम जैसे संस्थानों का भ्रमण विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के साथ-साथ उनके नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करता है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि चरित्र निर्माण एवं समाज सेवा की भावना का विकास भी है, जिसे रामकृष्ण मिशन अपने कार्यों के माध्यम से साकार कर रहा है। इस शैक्षिक भ्रमण दल का नेतृत्व डॉ. बी. पी. अखौरी, डॉ. मंजू सिंकू, डॉ. गायत्री सिन्हा एवं डॉ. पारमीता दास गुप्ता ने किया। सभी प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों को अनुशासन, सेवा-भाव एवं जीवन मूल्यों के महत्व पर मार्गदर्शन प्रदान किया तथा इस प्रकार के शैक्षिक भ्रमणों को व्यक्तित्व निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक बताया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विद्यार्थियों ने इस भ्रमण को अत्यंत प्रेरणादायक, ज्ञानवर्धक एवं जीवन-दृष्टि को सकारात्मक दिशा देने वाला अनुभव बताया। इसी क्रम में दिनांक 21 जनवरी 2026 को महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा तुपुदाना स्थित पारले-जी बिस्कुट कारखाना का भी शैक्षिक भ्रमण किया गया। इस औद्योगिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को बिस्कुट निर्माण की संपूर्ण उत्पादन प्रक्रिया, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग, विपणन व्यवस्था एवं औद्योगिक अनुशासन की जानकारी दी गई। इस भ्रमण के माध्यम से शिक्षा और उद्योग के बीच समन्वय स्थापित करने का सार्थक प्रयास किया गया।

केन्द्र सरकार की वीजी रामजी योजना के खिलाफ इटकी में आगामी अप्रैल माह में प्रदेश युवा कांग्रेस का महासम्मेलन

इटकी । केन्द्र सरकार की वीजी रामजी योजना के खिलाफ इटकी कुन्दी मैदान में आगामी अप्रैल माह में प्रदेश युवा कांग्रेस की अगुवाई में महा सम्मेलन आयोजन किया जायेगा। सम्मेलन में युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी मनीष शर्मा, राष्ट्रीय युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानू चिब और प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष कुमार गौरव सहित पार्टी के कई दिग्गज नेता शामिल होगे। उक्त जानकारी देते हुए प्रदेश युवा कांग्रेस के महामंत्री आरिफ रजा ने कहा कि प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रथम कार्यकारणी बैठक के लिए रांची पहुंचे राष्ट्रीय कांग्रेस प्रभारी मनीष शर्मा ने एक शिष्टाचार भेंट में सम्मेलन का समय निर्धारित किया है। साथ ही झारखंड में युवा कांग्रेस को और मजबुती के लिए जमीनीस्तर से कार्य करने निर्देश जारी किया है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार अगर युवाओं के प्रति नही सोचती है तो यूथ कांग्रेस आदोलन कर आवाज उठा सकती है। वही धर्म विशेष की राजनीति से दूर रहें, मंत्री और विधायक ऐसी राजनीति करते है तो उनके विरुद्ध आवाज उठायें। राज्य में युवा वर्गो को डट कर खड़ा रहने पर बल देते हुए जाती समाज के विकास के लिए कार्य करने का निर्देश दिया है। मौके पर प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष कुमार गौरव, जिला अध्यक्ष गौरव सिंह, प्रदेश महा सचिव पहद खान, झारखण्ड कांग्रेस पार्टी प्रभारी नौनित कौर, कांग्रेस नेता सौरभ अग्रवाल सहित अन्य पार्टी के नेता मौजूद थे।

विश्व कैंसर दिवस पर सदर अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

रामगढ़। विश्व कैंसर दिवस पर गुरुवार को सदर अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिविल सर्जन डॉ नवल कुमार ने की। इस दौरान जिला कुष्ठ निवारण सह नोडल पदाधिकारी एनसीडी डॉ तुलिका रानी एवं जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ स्वराज उपस्थित हुए। कार्यक्रम के दौरान एनसीडी (गैर-संचारी रोग) के अंतर्गत मधुमेह (मधुमेह), उच्च रक्तचाप (उच्च रक्तचाप), हृदय रोग (सीवीडी) सहित सामान्य कैंसर ओरल, स्तन (स्तन) एवं सर्वाइकल (गर्दन) कैंसर के बारे में आमजनों को विस्तृत जानकारी दी गई। उद्घाटन समारोह में उपाधीक्षक, चिकित्सक पदाधिकारी एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे। विशेष कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर जिले के सभी ऑपरेशनल आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के साथ-साथ विभिन्न स्तरों पर (डीएस एवं सीएचसी) एक सप्ताह तक विशेष कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें स्तन, सर्वाइकल एवं ओरल कैंसर की जांच की जाएगी। साथ ही जिले के स्वास्थ्यकर्मियों की भी स्क्रीनिंग की जाएगी। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम सहायक आमोद कुमार सहित सभी संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

स्क्रूटनी के बाद 9 अध्यक्ष और 228 वार्ड पार्षद चुनाव मैदान में

रामगढ़। रामगढ़ नगर परिषद चुनाव को लेकर गुरुवार को स्क्रूटनी की गई। स्क्रूटनी के दौरान 10 अभ्यर्थियों ने अध्यक्ष पद को लेकर नामांकन किया था। जिसमें एक अभ्यर्थी का उम्र कम होने के कारण नामांकन रद्द किया गया। जबकि, वार्ड पार्षद के लिए 231 अभ्यर्थी ने नामांकन किया था। स्क्रूटनी के उपरांत वार्ड नंबर 16 से रूबी कुमारी और नीतू कुमारी का मतदाता सूची में नाम नहीं होने के कारण रद्द किया गया। इसके अलावा वार्ड नंबर 32 से रीना देवी का जाति प्रमाण पत्र नहीं होने के कारण नामांकन रद्द किया गया। इसके साथ ही अध्यक्ष पद के लिए 9 और वार्ड पार्षद के लिए 228 उम्मीदवार का नाम स्क्रूटनी में सही पाया गया।

पिठौरिया थाना क्षेत्र में चोरी की बड़ी वारदात, चोरों ने की लाखों की चोरी

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पिठोरिया। रांची जिले के पिठौरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत एकता स्टेट डेवलपमेंट सोसाइटी में चोरी की एक बड़ी घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार सोसाइटी निवासी देवप्रकाश प्रसाद के घर में 2 फरवरी, 2026 की रात्रि अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। बताया जाता है कि घटना के समय घर में कोई मौजूद नहीं था। अंधेरे का फायदा उठाते हुए चोरों ने मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ा। घर के अंदर रखे कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। चोरी की जानकारी गृहस्वामी को 3 फरवरी, 2026 को संध्या लगभग 5:30 बजे पड़ोस के लोगों द्वारा दी गई, जब उन्होंने घर का ताला टूटा हुआ देखा। सूचना मिलते ही पीड़ित परिवार के होश उड़ गए। घर के अंदर प्रवेश करने पर अलमारी एवं संदूक खुले हुए पाए गए और सामान बिखरा हुआ था। चोरी गए सामानों में सोनाः मांग टीका, 1 पीस, कान की बाली 2 पीस, नाक की नथिया झ 1 पीस चांदी पायल 12 जोड़ा, बच्ची की पायल, 4 जोड़ा अन्य सामानः साड़ी, लगभग 80 पीस,कोट, पैंट, शर्ट सहित अन्य कपड़े शामिल है। इस संबंध में पिठोरिया थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस द्वारा मामले की छानबीन शुरू कर दी गई है और आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ की जा रही है। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर दहशत का माहौल है।

विश्व कैंसर पर सदर अस्पताल रामगढ़ में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर गुरुवार को सदर अस्पताल रामगढ़ के परिसर में दीप प्रज्वलन कर जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता सिविल सर्जन रामगढ़ डॉ. नवल कुमार ने किया । इस अवसर पर जिला कुष्ठ निवारण सह नोडल पदाधिकारी एनसीडी डॉ. तुलिका रानी एवं जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. स्वराज उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान एनसीडी के अंतर्गत मधुमेह उच्च रक्तचाप, हृदय रोग सहित सामान्य कैंसर ओरल, स्तन एवं सर्वाइकल कैंसर के बारे में आमजनों को विस्तृत जानकारी दी गई। उद्घाटन समारोह में उपाधीक्षक सदर अस्पताल रामगढ़ चिकित्सक पदाधिकारी एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर जिले के सभी ऑपरेशनल आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के साथ साथ विभिन्न स्तरों पर एवं एक सप्ताह तक विशेष कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें स्तन, सर्वाइकल एवं ओरल कैंसर की जांच की जाएगी।

शरणागति से ही प्राप्त होती है भगवत कृपा : डॉ. स्वामी युगल शरण जी

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। छावनी फुटबॉल मैदान में ब्रज गोपिका सेवा मिशन द्वारा आयोजित 21 दिवसीय प्रवचन श्रृंखला के छठवें दिन डॉ. स्वामी युगल शरण जी ने शरणागति विषय पर गहन एवं भावपूर्ण प्रवचन दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि भगवान अकारण करुण हैं, किंतु उनकी कृपा की एक ही शर्त है भगवान की पूर्ण शरण में जाना। हम अनादिकाल से संसार के संबंधों की शरण तो लेते रहे, परंतु भगवान की शरण नहीं गए, इसी कारण कृपा से वंचित रहे। स्वामी जी ने शरणागति का अर्थ बताते हुए कहा कि शरीर, इन्द्रियाँ, मन और बुद्धि का पूर्ण समर्पण ही वास्तविक शरणागति है। शरणागति बाह्य आडंबर नहीं, बल्कि मन से होनी चाहिए। उन्होंने

उपनिषद्, गीता, रामचरितमानस और बाइबिल के माध्यम से शरणागति के सिद्धांत को स्पष्ट किया। प्रवचन में जगद्गुरु श्री रामानुजाचार्य द्वारा बताए गए शरणागति के बाधक तत्वों तीन कपूयाचरण (जिम्ह भाव, अनृत भाव, माया भाव) एवं चार तुष्टि (भगवत दोष, शाब्दिक शरण, काल तुष्टि एवं भाग्य तुष्टि) पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। साथ ही कर्म के तीन प्रकार संचित, प्रारब्ध और क्रियमाण कर्म को समझाते हुए बताया गया कि 97% कर्म हमारे हाथ में हैं। स्वामी जी ने बताया कि मूढ़, नराधम, माया-परितज्ञान और आसुरी प्रवृत्ति वाले लोग शरणागति नहीं करते। भगवत प्राप्ति का क्रम बताते हुए उन्होंने कहा कि शरणागति से कृपा, कृपा से ज्ञान, ज्ञान से विश्वास, विश्वास से प्रेम और प्रेम से भगवान की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि शरणागत जीव की चिंता स्वयं भगवान करते हैं और उसका योगक्षेम वहन करते हैं। जब सभी सांसारिक आश्रय छूट जाते हैं और जीव पूर्ण समर्पण की अवस्था में पहुँचता है, वही वास्तविक शरणागति है।

विश्व कैंसर दिवस पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर राधा गोविंद विश्वविद्यालय रामगढ़ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा एक दिवसीय कैंसर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजन में मनोविज्ञान विभाग के स्नातक एवं स्नाकोत्तर के छात्र छात्राएं शामिल हुए कार्यक्रम का उद्देश्य कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इसके मनोवैज्ञानिक सामाजिक एवं भावनात्मक पहलुओं पर प्रकाश डालना था। कार्यशाला के दौरान विश्व कैंसर दिवस 2026 की थीम यूनाइटेड बाय यूनिक पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि कैंसर केवल एक शारीरिक बीमारी नहीं है, बल्कि यह रोगी और उसके परिवार के मानसिक स्वास्थ्य को भी गंभीर रूप से प्रभावित करता है। इस अवसर पर छात्र छात्राओं को कैंसर की रोकथाम, समय पर जांच, उपचार के साथ-साथ रोगियों को मनोसामाजिक सहयोग प्रदान करने के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी एन साह सचिव प्रियंका कुमारी, कुलपति प्रो (डॉ.) रश्मि, कुलसचिव प्रो (डॉ.) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो (डॉ.) अशोक कुमार, प्रबंधन समिति सदस्य अजय कुमार, मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. भारती कुमारी, व्याख्याता विक्रम कुमार एवं मौसमी पॉल सहित अन्य शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कुलाधिपति बी एन साह ने कहा कि विश्व कैंसर दिवस यह संदेश देता है कि कैंसर के विरुद्ध लड़ाई केवल दवाओं से नहीं, बल्कि संवेदनशील देखभाल, सही जानकारी और मजबूत मानसिक मनोबल से भी जीती जाती है। वहीं सचिव प्रियंका कुमारी ने कहा कि कैंसर किसी व्यक्ति की गलती या कमजोरी नहीं है। समाज को कैंसर रोगियों के प्रति सहानुभूति और सहयोग का भाव रखना चाहिए, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ इस बीमारी का सामना कर सकें।

कार्यक्रम के अंत में मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. भारती कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

गोला के रजवार टोला में 24 घंटे के भीतर जलापूर्ति बहाल नहीं हुई तो उग्र आंदोलन चेतावनी

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। गोला प्रखंड अंतर्गत गोला पंचायत के रजवार टोला (नायक कालीनाथ चौक, बीएस रोड, बनया टोला) में पेयजल संकट को लेकर गुरुवार को ग्रामीणों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीणों ने बताया कि विगत 8 दिनों से क्षेत्र में पानी की भारी किल्लत बनी हुई है, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि बार बार संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों को अवगत कराने के बावजूद अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। पानी के अभाव में

महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि 24 घंटे के भीतर पेयजल आपूर्ति बहाल नहीं की गई, तो ग्रामीण उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से अविलंब पेयजल संकट का समाधान करने की मांग की है। बैठक में राजू बक्सी, विशु रजवार, परमेश्वर कुशवाहा, सनेल नायक, बजरंग रवानी, हरिनारायण कुशवाहा, भानू रजवार, मटूधारी साव नरेश रजवार रोहित साव बैजा महतो प्रतिमा देवी बबीता देवी रीमा देवी संगोति देवी अंजु देवी गीता देवी सोनिया देवी अंजली देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

पैरा थ्रो बॉल नेशनल फेडरेशन कप में झारखंड की बालिका टीम ने जीता स्वर्ण पदक

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड की बालिका दिव्यांग पैरा थ्रो बॉल टीम ने एक बार फिर संघर्ष, अनुशासन और उत्कृष्ट खेल का परिचय देते हुए पैरा थ्रो बॉल नेशनल फेडरेशन कप 2026 में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता का आयोजन 3 फरवरी से 5 फरवरी 2026 तक किया गया। फाइनल मुकाबले में झारखंड की बालिका टीम ने राजस्थान की टीम को 21-17 से पराजित कर खिताब पर कब्जा जमाया। पूरे टूनार्मेंट के दौरान खिलाड़ियों का प्रदर्शन सराहनीय रहा और टीम भावना ने जीत में अहम भूमिका निभाई। वहीं, पुरुष वर्ग की झारखंड टीम ने सेमीफाइनल तक शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा और टीम को चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा।

टीम झारखंड के खिलाड़ी : पुरुष वर्ग : सनोज महतो (कप्तान), मुकेश कंचन, पवन लकड़ा, चंदन लोहरा, मुकेश कुमार, अंगद कुमार, प्रमोद कुमार, राजेश कुमार मेहता।

महिला वर्ग : महिमा उरांव (कप्तान), अनीता तिर्की, प्रतिमा तिर्की, पुष्पा मिंज, संजुक्ता एक्का, असुंता टोप्पो, सरिता भूट कुमारी, सुनीता कुमारी, शकुंतला कुमारी, जयश्री कुमारी, पूनम कुमारी, तारामणि लकड़ा इस अवसर पर पतरस तिर्की ने टीम की जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि झारखंड के इन प्रतिभाशाली दिव्यांग खिलाड़ियों को आर्थिक सहयोग दिया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया कि खिलाड़ियों को नियमित आर्थिक सहायता प्रदान की जाए, ताकि वे राष्ट्रीय स्तर पर आगे भी बेहतरीन प्रदर्शन कर सकें।

राज्यपाल योगदा आश्रम पहुंचे, स्मृति मंदिर में जाकर की ध्यान-साधना

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार गुरुवार रात योगदा सत्संग आश्रम पहुंचे। इस दौरान राज्यपाल ने आश्रम परिसर का अवलोकन किया। इस क्रम में वे उस कक्ष में भी गए, जहां स्वामी परमहंस योगानंद निवास किया करते थे। उन्होंने स्मृति मंदिर में भी जाकर ध्यान-साधना की तथा आध्यात्मिक शांति का अनुभव किया। राज्यपाल को वरिष्ठ स्वामी ईश्वरानन्द गिरी ने आश्रम की आध्यात्मिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। स्वामी ने आश्रम की गुरु-शिष्य परम्परा तथा योगदा सत्संग परंपरा के माध्यम से आत्म-विकास, चरित्र निर्माण एवं मानव कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। इस अवसर पर राज्यपाल को स्वामी ईश्वरानन्द गिरी जी ने योगी कथामृत, ईश्वर-अर्जुन संवाद (श्रीमद्भगवद्गीता), आत्म-साक्षात्कार की यात्रा सहित अन्य महत्वपूर्ण आध्यात्मिक ग्रंथ एवं सोसाइटी द्वारा प्रकाशित कैलेंडर भेंट की। राज्यपाल ने कहा कि लम्बे समय से आश्रम आना चाहते थे, जो आज पूर्ण हुआ है। उन्होंने योगदा सत्संग आश्रम की ओर से समाज को आध्यात्मिक दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

संक्षिप्त

नाबालिग की हत्या का मुख्य आरोपित गिरफ्तार

रांची। पुलिस ने नाबालिग जसीम मंसूरी की हत्या के मुख्य आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन के निर्देश पर सिटी एसपी पारस राणा के नेतृत्व में गठित टीम ने मुख्य आरोपित शाहिद अंसारी को गिरफ्तार किया। अवैध संबंध का विरोध करने पर नाबालिग जसीम मंसूरी की हत्या कर दी गयी थी। उल्लेखनीय है कि पुंदाग ओपी क्षेत्र के लाजपत नगर इलाके में बन रहे चार मंजिला अपार्टमेंट से बुधवार को नाबालिग का शव बरामद किया गया था। मृतक जसीम मंसूरी रांची के पंडरा थाना क्षेत्र के मुस्लिम मोहल्ले का रहने वाला था। परिजनों के अनुसार वह दो फरवरी से लापता था। परिजनों ने पुंदाग ओपी में उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी।

नगरपालिका (आम) निर्वाचन को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नियंत्रण कक्ष का गठन

रांची। नगरपालिका (आम) निर्वाचन निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने के उद्देश्य से राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा आयोग कार्यालय में नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) का गठन किया गया है।राज्य निर्वाचन आयोग के नियंत्रण कक्ष हेतु दूरभाष संख्या 8987791131 एवं 8987791132 आवंटित की गई है। नियंत्रण कक्ष निर्वाचन अवधि के दौरान सक्रिय रहेगा और प्राप्त शिकायतों/सूचनाओं पर यथाशीघ्र आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

तेज रफ़्तार कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर, एक की मौत

रांची। रातू थाना क्षेत्र के मुर्गू गांव के पास गुरुवार शाम करीब साढ़े पांच बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ़्तार कार ने बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार कार और बाइक दोनों रांची से मांडर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ़्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार एक युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को अस्पताल भेजा गया। खबर लिखे जाने तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची थी।

रक्षा राज्य मंत्री ने रोशनी खलखो के लिए बार मांगा बार एसोसिएशन से समर्थन

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। रांची नगर निगम के भाजपा समर्थित महापौर प्रत्याशी रौशनी खलखो ने केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री एवं रांची के सांसद संजय सेठ के साथ रांची सिविल कोर्ट अंतर्गत रांची जिला बार एसोशिएशन के विद्वान अधिवक्ताओं से भेंट कर अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की।

इस अवसर पर रांची जिला बार एसोशिएशन के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता शंभू प्रसाद अग्रवाल जी, भाजपा, रांची महानगर जिला अध्यक्ष वरुण साहू, वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद सिंह, जितेंद्र वर्मा, प्रदीप चौरसिया, पवन खत्री, बलराम सिंह, जगदीश चंद्र पांडेय, शिवशंकर साहू, नंद किशोर महतो, कुमार विमल, मुकेश अग्रवाल, अनामिका शर्मा, दर्पणा तमांग, गौरी शंकर झा, नेहा शर्मा, जितेंद्र शाहा, अनिल पांडेय, रास बिहारी गुप्ता, पप्पू गुप्ता, पवन मंडल, तुषार अग्रवाल, प्रेम गुप्ता, संजय तिवारी सहित सैकड़ों अधिवक्ता उपस्थित रहे। सभी अधिवक्ताओं ने महापौर प्रत्याशी रौशनी खलखो जी को आशीर्वाद देते हुए समर्थन व्यक्त किया।

इस संवाद कार्यक्रम में रांची के विकास, सशक्त नगर प्रशासन, पारदर्शिता, कानून व्यवस्था एवं अधिवक्ता समाज की भूमिका पर विस्तार से चर्चा हुई।इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री श्री संजय सेठ जी ने कहा कि रौशनी खलखो एक जमीनी, संघर्षशील और कर्मठ कार्यकर्ता हैं। रांची के सर्वांगीण विकास, सुशासन और ईमानदार नगर प्रशासन के लिए उनका नेतृत्व अत्यंत आवश्यक है। अधिवक्ता समाज का मार्गदर्शन और समर्थन शहर को नई दिशा देने में निर्णायक भूमिका निभाएगा। इस मौके पर महापौर प्रत्याशी श्रीमती रौशनी खलखो जी ने कहा कि अधिवक्ता समाज न्याय, संविधान और लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ है। रांची जिला बार एसोशिएशन के विद्वान अधिवक्ताओं से मिला स्नेह और आशीर्वाद मेरे लिए ऊर्जा का स्रोत है। मैं आश्वस्त करती हूं कि नगर निगम में पारदर्शी, संवेदनशील और जवाबदेह प्रशासन देना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। रांची जिला बार एसोशिएशन के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता शंभू प्रसाद अग्रवाल जी ने कहा कि नगर के विकास और बेहतर नागरिक सुविधाओं के लिए सशक्त नेतृत्व आवश्यक है। रौशनी खलखो के विचार और संकल्प सकारात्मक हैं। अधिवक्ता समाज लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी भूमिका निभाते हुए शहर के हित में उचित निर्णय लेगा।भाजपा, रांची महानगर अध्यक्ष वरुण साहू ने कहा कि रौशनी खलखो को बुद्धिजीवी समाज का भरपूर समर्थन मिल रहा है। इस चुनाव में रोशनी खलखो को अपार समर्थन मिलेगा। कार्यक्रम में उपस्थित अधिवक्ताओं ने एक स्वर में रांची के उज्ज्वल भविष्य, सुशासन और विकास के लिए सकारात्मक पहल का समर्थन करने का संकल्प व्यक्त किया।

हज यात्रियों का वैक्सिनेशन और मेडिकल जांच कराएगी सरकार : इरफान अंसारी

रांची। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री एवं झारखंड हज कमेटी के अध्यक्ष डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि हज यात्रियों की सभी मेडिकल जांच और वैक्सीनेशन का खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। उन्होंने कहा कि इस दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हाजियों को पूरी सुविधाएं दी जाएंगी। मंत्री बुधवार को हज 2026 की तैयारियों को लेकर राज्य के सभी जिलों के सिविल सर्जनों के साथ आयोजित बैठक में बोल रहे थे। बैठक में हज यात्रियों की मेडिकल स्क्रीनिंग और वैक्सीनेशन प्रक्रिया को समयबद्ध और व्यवस्थित ढंग से पूरा करने पर बल दिया गया। डॉ अंसारी ने कहा कि सरकार हज पर जाने वाले सभी हाजियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि हज 2026 के तहत झारखंड से लगभग 1670 हज यात्रियों का जाना प्रस्तावित है। सरकार की ओर से निर्देश दिया गया कि 07 फरवरी तक सभी हाजियों की मेडिकल स्क्रीनिंग अनिवार्य रूप से पूरी कर ली जाए, ताकि 08 फरवरी 2026 से वैक्सीनेशन प्रक्रिया शुरू की जा सके। उन्होंने कहा कि मेडिकल स्क्रीनिंग के बाद ही वैक्सीनेशन और वीजा प्रक्रिया संभव होगी, इसलिए सभी जिलों में बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने की जरूरत है। वहीं अंसारी ने रांची से इमिग्रेशन प्वाइंट हटाने पर चिंता जताते हुए बताया कि इस मुद्दे पर हज कमेटी ऑफ इंडिया से बातचीत चल रही है। बैठक में सदर अस्पताल रांची के सिविल सर्जन डॉ प्रभात रंजन सहित राज्यभर के सिविल सर्जन और अन्य अधिकारी पदाधिकारी मौजूद थे।

रांची में टैक्स कम दिखाने का खेल उजागर

रांची। रांची नगर निगम की राजस्व टीम ने शहर के अलग-अलग इलाकों में नापी की और कई बड़े नामों की असलियत सामने आ गई। जांच में पता चला कि होटल, मॉल और कॉम्प्लेक्स अपने भवन का पूरा एरिया नहीं दिखा रहे थे और कम टैक्स भर रहे थे।निगम की टीम ने जब मौके पर जाकर माप किया तो घोषित एरिया और असली एरिया में जमीन-आसमान का फर्क निकला। वार्ड 05, 14, 32, 35 और 45 में जांच के दौरान सबसे ज्यादा गड़बड़ी सामने आई। कुछ मामलों में पूरा कॉम्प्लेक्स व्यवसायिक होने के बावजूद आवासीय टैक्स दिया जा रहा था। नगर निगम ने टैक्स वसूली एजेंसी ट/र रढर को निर्देश दिया है कि सभी गलत एंट्री को ऑनलाइन ठीक किया जाए और बकाया टैक्स की वसूली की जाए। नगर निगम ने आम लोगों से कहा है कि - अपने भवन का सही एरिया दर्ज कराएं। आवासीय या व्यवसायिक उपयोग की सही जानकारी दें। सड़क की चौड़ाई और रेन वाटर हार्वेस्टिंग की सही जानकारी अपडेट करें। अगर ऐसा नहीं किया गया तो नियम के तहत 100 प्रतिशत जुमार्ना लगाकर टैक्स वसूला जाएगा।

प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व भगवान की प्रतिमाओं का कराया गया नगर परिक्रमा

रांची। धुर्वा के होटवासी में नवनिर्मित चार मंदिरों में भगवान की प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के चौथे दिन गुरुवार को गाजे-बाजे के साथ नगर प्ररिक्रमा कराया गया। मौके पर भक्तों के बीच खीर प्रसाद का वितरण करने के बाद जागरण कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ। इस दौरान मुहल्ले की काफी संख्या में स्त्री-पुरूष भगवान के नगर परिक्रमा में शामिल हुए।

खुले वाहन से सभी देवी-देवताओं के छोटे प्रारूप को पहले टुंडुल की दो मंदिरों में ले जाया गया। इसके बाद 32 एकड़ स्थित मंदिर ले जाया गया। उसके बाद महुआटोली होते हुए होटवासी गांव स्थित दो मंदिरों में सभी प्रतिमा को ले जाकर पूजा अर्चना की गयी। इसके बाद नवनिर्मित मंदिरों में पूजा-अर्चना की गयी। वाराणसी से पंडित ललन प्रसाद तिवारी के नेतृत्व में पहुंचे पुरोहितों ने बताया कि कार्यक्रम में सबसे पहले अन्नाधिवास से भगवान को जगाकर बाहर निकाला गया। उसके बाद सभी का देव स्नान कराया गया। देर शाम सभी प्रतिमाओं का शैयाधिवास कराया गया। शुक्रवार को प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान पूरा होने के बाद हवन और आरती एवं प्रसाद भोग का वितरण किया जायेगा। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को भी जागरण का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

झारखंड मॉडल विद्यालयों में कक्षा छह में नामांकन की अधिसूचना जारी

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए झारखंड मॉडल विद्यालयों में कक्षा 6 में नामांकन हेतु प्रवेश परीक्षा से संबंधित अधिसूचना खअउ द्वारा जारी कर दी गई है। यह परीक्षा झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची के अंतर्गत संचालित विद्यालयों के लिए आयोजित की जाएगी। प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी। इच्छुक अभ्यर्थी 30 जनवरी 2026 से 21 फरवरी 2026 तक खअउ की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन पत्र का अनुमोदन संबंधित जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा किया जाएगा, जिसकी अंतिम तिथि 23 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है। प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी की आयु 01 अप्रैल 2026 को न्यूनतम 10 वर्ष एवं अधिकतम 12 वर्ष होनी चाहिए। साथ ही अभ्यर्थी का संबंधित जिले का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है। प्रवेश परीक्षा पूर्णतः निःशुल्क होगी और इसके लिए किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा।

पछुआ हवाओं के कारण नियंत्रण में तापमान, अनचाहे गर्मी से राहत

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में पछुआ हवाओं के कारण तापमान नियंत्रण में है। तापमान नहीं बढ़ने से लोगों को दिन में लगनेवाली अनचाही गर्मी से राहत मिल रही है। बावजूद इसके अभी भी दिन में गर्म कपड़े पहनने से भारी गर्मी का एहसास हो रहा है। हालांकि इन दिनों सुबह और रात में भारी कनकनी महसूस हो रही है। मौसम विभाग में आने वाले दो-तीन दिनों में तापमान में दो से तीन डिग्री की गिरावट होने की संभावना व्यक्त की है। विभाग ने

शुक्रवार से राज्य भर में सुबह में हल्के दर्जे का कुहासा और बाद में मौसम साफ रहने की संभावना व्यक्त की है। गुरुवार को राज्य में सबसे अधिक तापमान 31.8 डिग्री चाईबासा में और सबसे कम तापमान 9.7 डिग्री गुमला में रिकॉर्ड किया गया। गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मानसिक बादल छाए रहे और मध्यम दर्जे की ठंडी हवाएं चली। हवा चलने से दोपहर में भी अपेक्षित गर्मी महसूस नहीं हुई। वहीं, गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान 26.6 डिग्री और न्यूनतम 13.4 डिग्री, जमशेदपुर 30.1 डिग्री और 15.7 डिग्री, डालटेनगंज में अधिकतम 27.1 डिग्री और 11.1 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 29.1 डिग्री और न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

महाशिवरात्रि पर हेसल में निकलेगी दिव्य शिव बारात सह शोभायात्रा

15 फरवरी को हेसल में उमड़ेगा आस्था का सैलाब, निकलेगी भव्य शिव बारात

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। श्री सर्वेश्वर महादेव शिव बारात आयोजन समिति, हेसल (देवी मंडप रोड, रांची-5) के तत्वावधान में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर 15 फरवरी 2026 को शिव बारात सह जीवंत शोभा यात्रा महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर आकर्षक झांकियों के साथ भगवान शिव की भव्य बारात निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजन की भव्य सफलता सुनिश्चित करने को लेकर आज श्री सर्वेश्वर महादेव मंदिर, हेसल परिसर में एक

महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें समिति का गठन करते हुए पदाधिकारियों का चयन किया गया। बैठक में मृत्युंजय सिंह को मुख्य संरक्षक तथा राजीव प्रवीण सिंह को विशिष्ट वरीय संरक्षक बनाया गया। संरक्षक मंडल में गुरुवचन शर्मा, अनिल गुप्ता, बबलू सिन्हा (पाजेब), राज श्रीवास्तव, लाल अजय शहदेव, सरस सिन्हा, मनोज राय एवं सुधीर सिन्हा को शामिल किया गया। दिनेश प्रसाद गुप्ता को मुख्य आयोजन प्रभारी एवं नीरज कुमार को कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। उपाध्यक्ष के रूप में बबलू सिंह, अविनाश मिश्रा, जितेंद्र प्रसाद एवं मुन्ना मुंडा को मनोनीत किया गया। मुकेश झा को कोषाध्यक्ष, सुनील सिंह (मंटू जी) को महासचिव तथा अशोक श्रीवास्तव को महामंत्री बनाया गया है। सचिव मंडल में भगवान सिंह, किशोर महापात्र, अशोक वर्मा एवं पप्पू नायक को शामिल किया गया, जबकि सहसचिव के रूप में मंटू नायक, सदानंद मोहन, डब्लू सिंह, संतोष सहाय (गुड्डू), परिमल पासवान, सरदार जोगेंद्र सिंह एवं रत्नेन्द्र को जिम्मेदारी दी गई। समिति के मीडिया सचिव का दायित्व शिव किशोर शर्मा को सौंपा गया। आयोजन में महिलाओं की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु महिला समिति का भी गठन किया गया।

महाशिवरात्रि पर पहाड़ी मंदिर में होगी सादे लिबास में पुलिस बल की तैनाती

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर आगामी 15 फरवरी 2026 को रांची पहाड़ी मंदिर में आयोजित अनुष्ठान को लेकर विधि-व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर समाहरणालय सभागार में गुरूवार को बैठक हुई। उपायुक्त सह रांची पहाड़ी मंदिर विकास समिति अध्यक्ष मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पर्व के शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। पूरे मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था के कडे इंतजाम किए गए।

इस दौरान निर्णय लिया गया कि सरकारी पूजा के बाद आम श्रद्धालुओं के लिए मंदिर खोला जाएगा और जलाभिषेक अर्घा प्रणाली से कराया जाएगा। महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सादे लिबास में पुलिस बल की तैनाती, अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे, निरंतर पेट्रोलिंग और

असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिया गया। वहीं इस दौरान उपायुक्त ने छेड़छाड़, पॉकेटमारी और चोरी की घटनाओं पर पूर्ण रोक लगाने का निर्देश दिया।

कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए साउंड सिस्टम, खोया-पाया केंद्र, चिकित्सा दल, अग्निशमन और यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा मंदिर परिसर की पुष्प सजावट, बैरिकेडिंग और अतिरिक्त मजदूरों की तैनाती होगी। उपायुक्त ने श्रद्धालुओं से प्लास्टिक का उपयोग न करने और पर्यावरण अनुकूल सामग्री अपनाने की अपील की। बैठक में एसएसपी रांची, अनुमंडल पदाधिकारी सदर, अपर जिला दंडाधिकारी विधि-व्यवस्था सहित समिति के पदाधिकारी मौजूद थे।

रांची के मुहल्लों के सड़क निर्माण पर हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। राज्य में सड़क, पुल-पुलिया और नागरिक सुविधाओं के विकास को लेकर कोर्ट के स्वतः संज्ञान पर सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई। मामले में हस्तक्षेपकर्ता की ओर से अधिवक्ता शुभम कटारुका ने कोर्ट को बताया कि अरगोड़ा से नयासराय रोड के पास स्थित छह मुहल्ले राजेंद्र नगर, सिद्धि विनायक नगर, महुआ टोली, बेथलेहम नगर, धर्म कॉलोनी, लक्ष्मी नगर सहित अन्य मुहल्लों के करीब 50 हजार लोग बिना सड़क-नाली के रह रहे हैं। यहां की सड़क कच्ची है, मुख्य सड़क जाने वाली सड़क भी कच्ची है, जिससे बरसात में गड्ढे में वाहन फंस जाते हैं। इन सड़कों को दुरुस्त कराया जाए। इस पर हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस

सोनक की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने राज्य सरकार से इन सड़कों की मरम्मती के संबंध में पूछा। सरकार की ओर से बताया गया कि इन सड़कों को बनाने की जिम्मेदारी ग्रामीण विकास विभाग एवं सड़क निर्माण विभाग को है। सरकार ने दो सप्ताह का समय मांगा। कोर्ट ने मामले में सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए अगली सुनवाई 26 फरवरी निर्धारित की है।

उपायुक्त ने शिक्षा विभाग के कार्यों की व्यापक समीक्षा की

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

गढ़वा। समाहरणालय सभागार में गुरुवार को शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त दिनेश यादव ने की। बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा जिले की समग्र शैक्षणिक प्रगति, कंपोजिट जिला रैंकिंग, छात्र एवं शिक्षक उपस्थिति, आधार एवं अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट, आधारभूत संरचना विकास, निपुण भारत मिशन, पीएम-श्री विद्यालयों का क्रियान्वयन, पलाश कार्यक्रम, पीएम-पोषण (मिड-डे मील) योजना, आईसीटी एवं स्मार्ट क्लास की स्थिति सहित अनेक महत्वपूर्ण बिंदुओं की क्रमवार समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि शिक्षा विभाग की सभी योजनाओं का प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। छात्र एवं शिक्षक उपस्थिति में सुधार, शैक्षणिक गुणवत्ता में निरंतर वृद्धि तथा लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष बल दिया गया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिला प्रशासन का लक्ष्य हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाना है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। बैठक में उप विकास आयुक्त पशुपतिनाथ मिश्रा, जिला शिक्षा पदाधिकारी कैसर रजा, जिला शिक्षा अधीक्षक अनुराग मिंज, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी विजय पाण्डेय, झारखण्ड एजुकेशन प्रोजेक्ट के सहायक पंकज पाण्डेय, रूम टू रीड इंडिया के जिला प्रतिनिधि लखविन्द्र कुमार सहित शिक्षा विभाग से जुड़े अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

जस्टिस ऑन व्हील्स पहुंची चक्रधरपुर लोगों को दी गई विधिक जानकारी

मोबाइल वाहन के जरिए लोगों के बीच पहुंच रही सुलभ न्यायिक सेवाओं की जानकारी

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चाईबासा। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निदेर्शानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा मौहम्मद शाकिर के मार्गदर्शन में चक्रधरपुर प्रखंड कार्यालय परिसर और टोकलो में जस्टिस ऑन व्हील्स कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसके तहत मोबाइल वाहन के द्वारा सी के पी प्रखंड परिसर और गोपीनाथपुर पंचायत, लावजोड़ा चौक से होते हुए टोकलो ग्राम चौक तथा माहौलडिया पंचायत केरा में आम नागरिकों को कानूनी जागरूकता प्रदान की गई, प्राधिकार के द्वारा आम जनमानस के बीच निशुल्क विधिक सेवाओ की जानकारी प्रदान कर जनता एवं पीड़ितों से संबंधित समस्या का आवेदन भी लिया गया और उनके मध्य आवश्यक कानूनी जानकारियों से संबंधित पंपलेट का वितरण भी किया गया। इस कार्यक्रम में अधिकार मित्र श्वेता रवानी, राजशेखर रवानी, रीना प्रधान, मनोज खण्डाइत, राजमनी गागराई, मंजू जामुदा, अनीता गिलुआ, मदन सिंह मुंडा मदन नायक राहुल प्रधान परमेश्वर प्रधान आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त

टुंडी में हाथियों ने आवास और फसलों को पहुंचाई क्षति

धनबाद। टुंडी प्रखंड क्षेत्र की कोलहर पंचायत अंतर्गत पहाड़ी के तट पर बसे छोटानागपुर गांव में अहले सुबह लगभग 3 बजे जंगली हाथियों के दल से बिछड़े 3 बड़े हाथी व 1 छोटे हाथी ने विनोद मरांडी के खेतों में लगें आलू,टमाटर व सरसों के फसलों को पूरी तरह पैरों से रौंदकर आगे बढ़ते हुए आवास को भी क्षतिग्रस्त किया। आवास की छप्पर और दीवार को ढाह दिया।

चाईबासा नगर पर्षद के प्रत्याशियों के दिल की धड़कनें हुई तेज

चाईबासा। चाईबासा नगर निकाय चुनाव अध्यक्ष पद हेतु अनुमंडल कार्यालय के सभागार में ऑब्जर्वर एजाज अनवर एवं निवार्ची पदाधिकारी सह एसडीओ संदीप अनुराग टोपनो की मौजूदगी में 11 प्रत्याशियों की स्कूटनी प्रक्रिया के दौरान आवश्यक कागजात की जांच गहनता से की गई. स्कूटनी प्रक्रिया के समय अनुमंडल कार्यालय के बाहर सभी प्रत्याशियों में गहमागहमी देखी गई. अब नाम वापसी 6 फरवरी को होगी। ऑब्जर्वर और निवार्ची पदाधिकारी द्वारा स्कूटनी प्रक्रिया कार्यक्रम अनूप सुल्तानिया, देवी शंकर दत्ताँ उर्फ काबू दत्ता, रमेश खिरवाल उर्फ लड्डू, सुनील साव, नितिन प्रकाश,, फैयाज खान, मुकेश सिंह, नितेश दोदराजका, राधामोहन बनर्जी, मो सलीम, रूही खातून सभी प्रत्याशियों का नामांकन पत्र जांच में सही पाया गया। चाईबासा नगर परिषद क्षेत्र में किसी भी प्रत्याशियों का नामांकन पर्चा रद्द नहीं किया गया है।

अवैध हथियार और उग्रवादी गतिविधि मामले में गंगाधर केराई को छह वर्ष की सजा

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के जेटेया थाना कांड संख्या 12/2014 से जुड़े अवैध हथियार और उग्रवादी गतिविधि के मामले में गुरुवार को अपर सत्र न्यायाधीश तृतीय, पश्चिमी सिंहभूम, (चाईबासा) की न्यायालय ने आरोपित गंगाधर केराई को दोषी करार देते हुए छह वर्ष की सजा सुनाई है। यह मामला एक सितंबर 2014 को दर्ज किया गया था, जिसमें आरोपित के खिलाफ आर्म्स एक्ट, सीएलए एक्ट और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए थे। गंगाधर केराई पर अवैध हथियार और गोली-बारूद रखने के साथ-साथ प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन से जुड़े होने का गंभीर आरोप था।

साइबर ठगों ने डीसी के नाम से बनाया फर्जी फेसबुक अकाउंट

जिला प्रशासन की अपील - आम जन किसी भी स्थिति में नहीं करें विश्वास

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। साइबर ठगों द्वारा एक बार फिर उपायुक्त अजय नाथ झा के नाम से फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाकर भ्रामक एवं संदिग्ध पोस्ट किए जाने का मामला सामने आया है। इसे लेकर जिला प्रशासन ने आमजनों को सतर्क रहने की अपील की है। मामले की जानकारी मिलने पर जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह मामला साइबर फ्रॉड से संबंधित है। उपायुक्त के नाम से बने किसी भी फर्जी फेसबुक आइडी, अनाधिकृत सोशल मीडिया अकाउंट या अज्ञात फोन नंबर से यदि पैसे मांगे जाएं या किसी प्रकार का प्रलोभन दिया जाए, तो उस पर किसी भी स्थिति में विश्वास नहीं करें। प्रशासन ने बताया है कि उपायुक्त अजय नाथ झा का आधिकारिक संपर्क नंबर 9470526005 है। इसी नंबर पर आवश्यकतानुसार संपर्क किया जा सकता है। प्रशासन ने आमजनों से अपील की कि ऐसे फर्जी अकाउंट को तुरंत ब्लॉक करें। यदि किसी संदिग्ध मैसेज, पोस्ट या लिंक की प्राप्ति होती है, तो उसे न खोलें और न ही साझा करें। इस पूरे मामले की जानकारी साइबर थाना बोकारो को दे दी गई है। मामला संज्ञान में आते ही पुलिस द्वारा जांच शुरू कर दी गई है। साइबर ठगों की पहचान कर उनके खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने यह भी बताया है कि यदि किसी व्यक्ति की निजी जानकारी का दुरुपयोग हुआ हो या किसी प्रकार की आर्थिक क्षति हुई हो, तो वे राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। अपने नजदीकी थाना में संपर्क कर सकते हैं।

आरआईटी थाना क्षेत्र में फरार आरोपियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई

सरायकेला/आदित्यपुर। आर.आई.टी. थाना क्षेत्र में फरार आरोपियों के विरुद्ध न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने इश्तहार की कार्रवाई की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार माननीय न्यायालय द्वारा दो अभियुक्तों के खिलाफ इश्तहार वारंट निर्गत किया गया था। इश्तहार वारंटी में पहला नाम अभिषेक कुमार पाण्डेय, पिता स्व. बृज बिहारी पांडेय, निवासी रोड संख्या 06, क्वार्टर संख्या, 254/2/1 शामिल है। वहीं दूसरा अभियुक्त सुभाष मोहंती उर्फ एस. मोहंती, पिता स्व. मोहन मोहंती, निवासी भारती इंटरप्राइजेज, प्रथम फेज, इंडस्ट्रियल एरिया, आदित्यपुर 2 है। दोनों अभियुक्त आर.आई.टी. थाना क्षेत्र से संबंधित हैं। न्यायालय के आदेश के आलोक में आर.आई.टी. थाना के पुलिस अवर निरीक्षक अनिरुद्ध कुमार सिंह द्वारा स्थानीय लोगों को सूचित करते हुए दोनों अभियुक्तों के आवास पर बारी-बारी से इश्तहार वारंट चिपकाया गया। इस दौरान पुलिस ने स्पष्ट रूप से बताया कि संबंधित अभियुक्त शीघ्र माननीय न्यायालय में आत्मसमर्पण कर विधिसम्मत जमानत प्राप्त करें, अन्यथा उनके विरुद्ध कुर्कीझजप्ती की कार्रवाई की जाएगी। इश्तहार की तामिला की कार्रवाई में हवलदार विजय उरांव एवं आरक्षी प्रेम प्रकाश गुप्ता शामिल थे।

वार्ड 11 से 18 तक नामांकन जांच पूरी, पांच खारिज, 41 वैध

आदित्यपुर। आदित्यपुर नगर निगम चुनाव के तहत वार्ड संख्या 11 से 18 के प्रत्याशियों के नामांकन पत्रों की जांच गुरुवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। जांच के दौरान कुल 46 नामांकन पत्रों की समीक्षा की गई, जिनमें से 5 नामांकन तकनीकी खामियों के कारण निरस्त कर दिए गए, जबकि 41 नामांकन पत्रों को वैध घोषित किया गया। निर्वाचन पदाधिकारी-सह-गम्हरिया अंचल अधिकारी प्रवीण कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि जांच प्रक्रिया के दौरान कई नामांकन पत्रों में निर्धारित मानकों के अनुरूप त्रुटियां पाई गईं, जिसके कारण संबंधित प्रत्याशियों का नामांकन रद्द करना पड़ा। उन्होंने कहा कि आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी नामांकन पत्रों की गहनता से जांच की गई। उन्होंने बताया कि नामांकन वापसी की प्रक्रिया शुक्रवार दोपहर 3 बजे तक चलेगी। जो प्रत्याशी स्वेच्छा से चुनाव मैदान से हटना चाहते हैं, वे निर्धारित समय सीमा के भीतर ह्यफॉर्म-1 भरकर अपना नाम वापस ले सकते हैं। नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शेष बचे प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे। इसके साथ ही प्रत्याशी अपने-अपने आवंटित चुनाव चिह्न के साथ विधिवत रूप से चुनाव प्रचार प्रारंभ कर सकेंगे। निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि पूरी चुनावी प्रक्रिया पारदर्शिता के साथ आयोग के निदेर्शों के तहत संपन्न कराई जा रही है।

आईकुटी गांव में अंधाधुंध पेड़ कटाई से ग्रामीण आहत

सरना स्थल देशाउली पर कटाई को लेकर जनजातीय समाज में आक्रोश

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

गुवा। नोवामुंडी प्रखंड अंतर्गत आईकुटी गांव में बाहरी लोगों द्वारा सरना स्थल देशाउली पर बिना किसी पूर्व सूचना एवं स्थानीय ग्रामीणों या संबंधित विभागों की अनुमति के मशीनों से अंधाधुंध पेड़ों की कटाई किए जाने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कटे हुए पेड़ों को ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से बाहर ले जाकर ट्रकों पर लोड कर अन्य स्थानों पर भेज दिया गया। इस संबंध में भाजपा जिला उपाध्यक्ष सह अनुसूचित जनजाति मोर्चा, चाईबासा प्रक्षेत्र के हरिचरण सांडिल ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि सरना स्थल पर इस प्रकार की पेड़ कटाई जनजातीय समाज की रूढ़ी-परंपरा एवं धार्मिक मान्यताओं के प्रतिकूल है। उन्होंने कहा कि सरना स्थल आदिवासी समाज के लिए आस्था, श्रद्धा और विश्वास का केंद्र होता है, जहां किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप सामाजिक व्यवस्था पर सीधा आघात है। उन्होंने प्रशासन से मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। वहीं ग्रामीणों ने भी सरना स्थल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग उठाई है।

मटकुरिया चैंबर ऑफ कॉमर्स का मिलन समारोह संपन्न

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

धनबाद। मटकुरिया चेंबर ऑफ कॉमर्स ने गुरुवार को मिलन समारोह का आयोजन सनराइज कॉम्पलेक्स में किया गया। इसमें चेंबर के अध्यक्ष दिनेश हेलीवाल व अन्य पदधारियों को सम्मानित किया गया। अध्यक्ष दिनेश हेलीवाल ने कहा कि इस आयोजन से आपसी एकता व मेलजोल बढ़ती है। मिलन समारोह में व्यापार से संबंधित चर्चा हुई। इसमें कस्टमर का रुझान बैंकमोड़, मटकुरिया साइड भी बढ़ने पर बातचीत हुई। इससे धनबाद की सबसे बड़ी समस्या ट्रैफिक जाम से निजात मिलने से व्यापारियों का व्यवसाय और अच्छा होगा। मिलन समारोह में दिनेश हेलीवाल अध्यक्ष, हरीश गंगवानी, दिलीप सुबूकी, सुशील सांवरिया, सुशील पटवारी, राहुल अग्रवाल, सुभाष लिखाणिया, प्रभात सुरोलिया, प्रमोद गोयल, सुरेंद्र अरोड़ा, आशीष केजरीवाल, महेंद्र अग्रवाल, विजय बरनवाल, संदीप मुखर्जी, मनोज गोयल, प्रकाश चौधरी, रामावतार राजगढ़िया, सोनू पंकज केडिया, आर बी गोयल, सुरेश अग्रवाल,कृष्ण अग्रवाल, राजेश गुप्ता,सीताराम हेलीवाल, सचिन हेलीवाल और शहर के काफी गणमान्य लोग उपस्थित थे।

प्रसूता की मौत मामले में एसडीएम ने सदर व मिलाप अस्पताल में की औचक जांच

मामला प्रथम दृष्टया संदिग्ध मिला गहराई से होगी जांच : संजय कुमार

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

गढ़वा। इसी हफ्ते एक प्रसूता की मौत हो गई थी। इस मामले में सदर एसडीएम संजय कुमार ने गुरुवार को सदर अस्पताल एवं मिलाप अस्पताल की औचक जांच की। प्रारंभिक जांच में दस्तावेजों से छेड़छाड़, तथ्य छुपाने, जानकारी देने में गुमराह करने से पूरा मामला संदिग्ध प्रतीत हुआ। उपायुक्त दिनेश कुमार के निर्देश पर की गई इस प्राथमिक जांच के संबंध में एसडीएम संजय कुमार ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए चिकित्सकीय एवं तकनीकी कर्मियों का एक विशेष दल गठित किया जा रहा है। इसके अलावा मामले से संबंधित सभी पक्षकारों के बयान दर्ज कर निष्कर्ष पूर्ण जांच कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। जांच के दौरान सदर अस्पताल में अस्पताल प्रबंधक विकास केसरी, चिकित्सक डॉ. पूजा कुमारी, डॉ. नौशाद आलम और अस्पताल के दो आरोपी कर्मी उपस्थित थे। वहीं, मिलाप अस्पताल में दस्तावेजी जांच के दौरान अस्पताल के मालिक यूसुफ अंसारी, चिकित्सक डॉ. असजद अंसारी एवं लैब टेक्नीशियन मुनीफ अंसारी सहित अन्य कर्मी मौजूद थे। एसडीएम ने बताया कि सदर अस्पताल एवं यहां के निजी अस्पतालों के बीच कथित अनैतिक गठजोड़ को लेकर दो परिवाद पत्रों के माध्यम से गंभीर आरोप प्राप्त हुए हैं। दोनों परिवाद पत्र खरौंधी की 26 वर्षीय गर्भवती महिला पुष्पा देवी की मौत से जुड़ी घटना से संबंधित हैं। एसडीएम ने कहा कि शीघ्र ही पूरे मामले की विस्तृत जांच पूरी कर दोषियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी।

बलदेव साहू क्रिकेट टूर्नामेंट में अंतरराष्ट्रीय एंकर तान्या पुरोहित करेंगी कार्यक्रम का संचालन

प्रातः नागपुरी संवाददाता

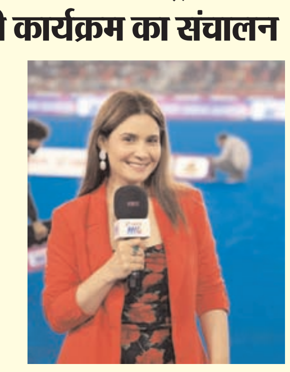

लोहरदगा। बलदेव साहू क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होने जा रहे बहुप्रतीक्षित बलदेव साहू क्रिकेट टूनार्मेंट में इस बार दर्शकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की एंकरिंग का खास अनुभव मिलेगा। प्रसिद्ध एंकर तान्या पुरोहित पूरे आयोजन का संचालन करेंगी, जिससे कार्यक्रम की भव्यता और आकर्षण और बढ़ने की उम्मीद है। इस आयोजन के मुख्य संयोजक लोहरदगा जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरज प्रसाद साहू के नेतृत्व में टूर्नामेंट को भव्य रूप देने की तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन समिति के अनुसार, तान्या पुरोहित अपने ऊर्जावान अंदाज और पेशेवर प्रस्तुति के लिए जानी जाती हैं और उद्घाटन समारोह सहित विभिन्न विशेष कार्यक्रमों में उनकी एंकरिंग दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगी। आयोजकों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अनुभव रखने वाली तान्या पुरोहित की मौजूदगी से टूर्नामेंट को नई पहचान मिलेगी और खेल के साथ मनोरंजन का बेहतरीन संगम देखने को मिलेगा।

जिले के सुदूरवर्ती गांवों को सौर ऊर्जा से मिलेगी रोशनी

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

लोहरदगा। जिले के सुदूरवर्ती एवं दुर्गम क्षेत्रों तक बिजली पहुंचाने की दिशा में पहल करते हुए मिशन चौक के समीप प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत सौर ऊर्जा सेवा केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस सेवा केंद्र का उद्घाटन विद्युत कार्यकारी अभियंता साबीर अंसारी ने किया। यह सौर ऊर्जा सेवा केंद्र स्टोविजन करियर सोल्युशन प्रा लिमिटेड एवं मेंटाज सर्विसेज एंड टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त सहयोग से स्थापित किया गया है।

उद्घाटन के बाद कार्यकारी अभियंता ने सौर ऊर्जा सेवा प्रदान कर रही कंपनियों के प्रतिनिधियों से विस्तृत जानकारी ली। विशेष रूप से जिले के टोले एवं गांवों पर चर्चा की, जहां भौगोलिक परिस्थितियों के कारण आज भी बिजली की सुविधा नहीं पहुंच सकी है।

अभियंता ने कहा कि अक्षय सौर ऊर्जा इन क्षेत्रों के लिए एक प्रभावी और व्यवहारिक समाधान है। इससे ना केवल घरों में रोशनी पहुंचेगी बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के अवसरों के साथ घरेलू बिजली की बचत होगी।

कार्यक्रम में जिला इंचार्ज नीलिमा भारती और बबलू महतो, निदेशक सर्वर खान, अजित कुमार, अजय कुमार, मो० मेराज, मंगेश चौधरी, राकेश रोशन शर्मा, उपेन्द्र महतो, मथुरा महतो, यशश्वी बैभव, दिलीप सिंह सहित अन्य सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

मोटरसाइकिल चोर गिरफ्तार आरोपी को भेजा गया जेल

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

गुवा। बड़ाजामदा थाना क्षेत्र में मोटरसाइकिल चोरी के मामले का पुलिस ने त्वरित खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, फुटबॉल मैदान निवासी संपूर्णा चौधरी के घर से बीते 30 जनवरी की रात अज्ञात चोर द्वारा मोटरसाइकिल की चोरी कर ली गई थी। काफी खोजबीन के बाद भी जब मोटरसाइकिल का कोई सुराग नहीं मिला, तब पीड़ित ने 3 फरवरी को बड़ाजामदा थाना में चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराई। प्राथमिकी दर्ज होते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। जांच के क्रम में 4 फरवरी (बुधवार) को पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के आरोपी 24 वर्षीय बलबीर सिंह उर्फ गोरा सिंह, पिता त्रिलोचन सिंह को बड़बिल न्यू मार्केट वार्ड संख्या 9 से चोरी की मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। थाना प्रभारी बालेश्वर उरांव ने बताया कि सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को गुरुवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्रवासियों में संतोष देखा जा रहा है।

नगरपालिका चुनाव : मतदान पदाधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

मतदान प्रक्रिया और दायित्वों की दी गई जानकारी

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पलामू। नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 के सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन को लेकर जीएलए कॉलेज स्थित ब्लॉक ॰एॅ एवं ब्लॉक ॰बी॰में मतदान पदाधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 2009 पीठासीन पदाधिकारी, प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ मतदान पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण सत्र में पीठासीन पदाधिकारी सहित सभी मतदान पदाधिकारियों को उनकी भूमिका के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गयी। पदाधिकारियों को मतदान दिवस पर शांतिपूर्ण मतदान कराने, मतदान प्रक्रिया के विभिन्न चरणों और प्रयुक्त किए जाने वाले प्रपत्रों के संबंध में बिंदुवार जानकारी दी गयी। इसके अलावे मतपेटी को खोलने एवं सील करने की प्रक्रिया का व्यवहारिक प्रदर्शन भी किया गया। सभी मतदान पदाधिकारियों को मतपेटी का हैंडहोल्ड कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम 54 मास्टर प्रशिक्षकों द्वारा संपन्न कराया गया। प्रशिक्षण सत्र का नियमित निरीक्षण भूमि सुधार उप समाहर्ता प्यारे लाल और जिला शिक्षा अधीक्षक संदीप कुमार ने किया। इस अवसर पर जिला प्रशिक्षक अमरेंद्र पाठक, श्यामलाल उरांव, अशोक सिंह, देवेंद्र मिंज, परियोजना पदाधिकारी विमलेश विश्वकर्मा एवं उपेंद्र कुमार, कार्यालय अधीक्षक राम लखन राम, तकनीकी विशेषज्ञ अल्तमस परवेज, जिला समन्वयक मुफ्ती अनवर और प्रशिक्षण समन्वयक अभय कुमार सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

अधिवक्ता रास्ता विवाद : वकील और स्वास्थ्य कर्मी हुए आमने-सामने

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

धनबाद। धनबाद सदर अस्पताल की बाउंड्री वॉल और कोर्ट परिसर के रास्ते को लेकर चल रहा विवाद गुरुवार को अचानक उग्र हो गया। बाउंड्री वॉल के क्षतिग्रस्त होने और कथित पत्थरबाजी की घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर तनाव की स्थिति बन गई, जिसके बाद प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा। स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों ने अधिवक्ताओं पर दीवार तोड़ने और पत्थरबाजी का आरोप लगाया है। वहीं बार एसोसिएशन ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे साजिश करार दिया है। घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम लोकेश बारंगे और डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर नौसाद आलम दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। लगातार बढ़ते विवाद और अधिवक्ताओं के आंदोलन को देखते हुए जिला प्रशासन ने कोर्ट परिसर में आवागमन सुगम बनाने के लिए छह फीट चौड़ा रास्ता देने का निर्णय लिया है। इस मुद्दे पर प्रशासन और बार एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के बीच वार्ता भी हुई। इस संबंध में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राधेश्याम गोस्वामी ने बताया कि प्रशासन के साथ सभी बिंदुओं पर चर्चा हो चुकी है। शुक्रवार को जनरल बॉडी मीटिंग आयोजित कर पेन डाउन हड़ताल समाप्त करने पर निर्णय लिया जाएगा। वहीं पत्थरबाजी और दीवार तोड़ने के आरोपों को लेकर दोनों पक्षों के बीच बयानबाजी तेज हो गई है। राधेश्याम गोस्वामी ने कहा की अधिवक्ताओं की ओर से किसी तरह की तोड़फोड़ या पत्थरबाजी नहीं हुई है। कुछ अज्ञात लोगों ने वकीलों के बीच घुसकर घटना को अंजाम दिया है।

संक्षिप्त

टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन और सेल के एमटीआई के बीच एमओयू

पूर्वी सिंहभूम। टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन (टीएसएएफ) ने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के मैनेजमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एमटीआई) के साथ गुरुवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। इस एमओयू के तहत सेल के कर्मचारियों के लिए आउटबाउंड लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम को आगे भी जारी रखने और इसे और अधिक सशक्त बनाने पर सहमति बनी है। टीएसएएफ वर्ष 2017 से सेल के साथ मिलकर कार्य कर रहा है और बीते आठ वर्षों में 100 से अधिक एडवेंचर आधारित एक्सपीरिएंशल लर्निंग प्रोग्राम सफलतापूर्वक संचालित कर चुका है। एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम में टाटा स्टील की ओर से मुख्य खेल अधिकारी मुकुल विनायक चौधरी तथा स्पोर्ट्स अकादमी और एडवेंचर प्रोग्राम के प्रमुख एवं टीएसएएफ के मैनेजिंग ट्रस्टी हेमंत गुप्ता उपस्थित थे।

नाबालिग से दुष्कर्म के दो दोषियों को सश्रम कारावास की सजा

कोडरमा। नाबालिग से पहले दोस्ती, फिर बहला फुसलाकर दुष्कर्म करने के मामले की सुनवाई करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम सह स्पेशल पोक्सो कोर्ट के न्यायाधीश गुलाम हैदर की अदालत ने गुरुवार को दो आरोपितों को सश्रम कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने पहले दोषी नीरज कुमार, (23) को 20 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही उसपर 20 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। जुमार्ने की राशि नहीं देने पर एक साल अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। वहीं अदालत ने एक अन्य दोषी अकरम खान उर्फ मुकेश चौधरी को 25 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही उसपर 25 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया। जुमार्ना की राशि नहीं देने पर एक साल अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। जुमार्ने की राशि पीड़िता को दी जाएगी। अदालत ने पीड़ित मुआवजा स्कीम के तहत मुआवजा दिलाने का भी निर्देश दिया। दोषी ने नाम बदलकर नाबालिग का फोटो वायरल करने की धमकी देकर पीडिता से कई बार दुष्कर्म किया। इस मामले में अदालत ने उसे दोषी पाया। उक्त मामला वर्ष 2024 का है। इसे लेकर नाबालिग की मां ने डोमचांच थाना मामला दर्ज कराया था।

कोयला कंपनियों को 183.85 अरब रुपए जमा करने का नोटिस

15 दिनों में राशि जमा नहीं करने पर किया जाएगा सर्टिफिकेट केस

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

धनबाद। जिला खनन विभाग ने भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल), ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) मुगमा, स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) चासनाला व टाटा स्टील लिमिटेड झरिया डिवीजन को राजस्व वसूली के लिए 183.85 अरब रुपए जमा करने का नोटिस भेजा है। नोटिस की तिथि से 15 दिन के अंदर रकम जमा करने का निर्देश दिया गया है। राशि जमा नहीं करने पर कंपनियों के विरुद्ध सर्टिफिकेट केस दायर किया जाएगा। जिला खनन पदाधिकारी रितेश राज तिग्गा ने बताया कि उपरोक्त खनन कंपनियों ने निर्धारित अनुमति से अधिक जगह से वर्ष 2000 से 2010 के बीच कोयले का उत्खनन किया। इसमें भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) की 46, ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल मुगमा) की 8, स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) चासनाला की 2 व टाटा स्टील लिमिटेड झरिया डिवीजन की 3 कोलियरियां शामिल हैं। श्री तिग्गा ने बताया कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के आलोक में इन कोयला कंपनियों से करीब 183.85 अरब रुपए की वसूली की जाएगी। इसमें बीसीसीएल को चांच विक्टोरिया, गोविंदपुर एरिया, कतरास एरिया, सिजुआ एरिया, बरोरा एरिया, ब्लाक टू एरिया, कुसुंडा एरिया, पीबी एरिया, बस्ताकोला एरिया, लोदना एरिया, ईस्टर्न झरिया और वेस्टर्न झरिया की कोलियरी के लिए 17,337.87 करोड़ रुपये का भुगतान करना है। टाटा स्टील लिमिटेड झरिया डिवीजन को 385.19 करोड़ रुपए, ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड मुगमा एरिया को 328.77 करोड़ रुपए तथा स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) चासनाला को 333.42 करोड़ रुपए का भुगतान करना है। राज्य सरकार ने आदेश जारी कर कोयला कंपनियों से रकम वसूली के लिए जिला खनन पदाधिकारी व सहायक खनन पदाधिकारी को अधिकृत किया है। खान व भूतत्व विभाग के सचिव अरवा राजकमल ने इस संदर्भ में अधिसूचना जारी की है। कोयला कंपनियों का पक्ष भी सुना गया है।

चौपारण पुलिस ने फिल्मी अंदाज में पुलिस वाहन समेत दो शराब तस्करों को दबोचा

चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ पुलिस ने ऐसा ऑपरेशन अंजाम दिया, जिसने तस्करों की नींद उड़ा दी। गुरुवार को हजारीबाग जिला अंतर्गत चौपारण थाना क्षेत्र में पुलिस और शराब तस्करों के बीच जो हुआ, वह किसी एक्शन फिल्म के सीन से कम नहीं था। इस पूरे साहसिक अभियान का नेतृत्व कर रहे थे चौपारण थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी, जिनकी सूझबूझ, तेज निर्णय क्षमता और निर्भीक नेतृत्व ने एक बड़ी शराब तस्करी को नाकाम कर दिया। पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग को मिली गुप्त सूचना पर थाना प्रभारी ने बिना समय गंवाए रणनीति बनाई और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरही को अवगत कराते हुए थाना गेट के समीप सघन वाहन जांच अभियान शुरू कराया। इसी दौरान बरही की ओर से तेज रफ्तार में आ रही हुंडई एक्सेंट (जेएच13डी-3969) को रोकने का इशारा किया गया, लेकिन चालक ने बैरिकेडिंग तोड़ते हुए वाहन को भगाना शुरू कर दिया। इसके बाद थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने साहसिक तरीके से तेज गति में पीछा शुरू किया। चतरा मोड़ पहुंचते ही पुलिस के दबाव में तस्करों को वाहन यूटर्न लेना पड़ा, लेकिन वे चौथी मोड़ होते हुए गांव की गलियों में घुस गए। भागने के दौरान तस्करों की कार ने टेंपो और मोटरसाइकिल को टक्कर मारते हुए दहशत फैलाई और कच्चे रास्ते से मनगढ़ की ओर भागने का प्रयास किया, लेकिन थाना प्रभारी की रणनीतिक घेराबंदी और ग्रामीणों के सहयोग से वाहन को आखिरकार रोक लिया गया।

निकाय चुनाव को लेकर हुई स्क्रूटनी में 22 उम्मीदवारों का नामांकन रद्द, 418 वैध

पूर्वी सिंहभूम। जिला में गुरुवार को नगरपालिकाचुनाव 2026 के तहत महापौर, अध्यक्ष और वार्ड सदस्यों के लिए दाखिल नाम निर्देशन पत्रों की स्क्रूटनी की गई। गुरुवार को संबंधित निवार्ची पदाधिकारियों के कार्यालयों में हुए स्क्रूटनी में नामांकन पत्रों की जांच की गई, जिसमें

कुल 22 उम्मीदवारों का नामांकन पत्र त्रुटि के कारण रद्द कर दिया गया। स्क्रूटनी में मानगो नगर निगम क्षेत्र में मेयर पद के लिए तीन उम्मीदवारों का नामांकन पत्र निरस्त किया गया, जबकि जुगसलाई नगर परिषद क्षेत्र में अध्यक्ष पद के लिए एक उम्मीदवार का नामांकन रद्द हुआ। वहीं वार्ड स्तर पर मानगो नगर निगम में छह, जुगसलाई नगर परिषद में पांच और चाकुलिया नगर पंचायत में तीन उम्मीदवारों की उम्मीदवारी नामांकन पत्रों में त्रुटि पाए जाने के कारण रद्द कर दी गई। मानगो नगर निगम में महापौर पद के लिए कुल 16 उम्मीदवारों ने नामांकन किया था, जिनमें से 13 उम्मीदवारों—सुधा गुप्ता, कुमकुम श्रीवास्तव, जेबा कादरी, शाइसता परवीन उर्फ जेबा खान, बनिता सहाय, राईमुनी सुंडी, इंदिरा सुंडी, संध्या सिंह, लक्की सिंह, पार्वती देवी, प्रतिभा रानी, सुशीला सिंह और सोनामुनी सोरेन के नामांकन पत्र वैध पाए गए। वहीं शबाना बानो, काकोली महतो और अनिता देवी का नामांकन पत्र अयोग्य घोषित किया गया। वहीं जुगसलाई नगर परिषद में अध्यक्ष पद के लिए कुल 10 उम्मीदवारों ने नामांकन किया था, जिनमें से नौ उम्मीदवारों का नामांकन पत्र सही पाया गया। इसमें आरती चौधरी का नामांकन पत्र रद्द कर दिया गया। चाकुलिया नगर पंचायत में अध्यक्ष पद के लिए नामांकन करने वाली सभी चार प्रत्याशियों का नामांकन वैध पाया गया। वार्ड चुनाव की बात करें तो मानगो नगर निगम के 1 से 36 वार्डों में कुल 281 उम्मीदवारों में से छह का नामांकन रद्द हुआ और 275 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र वैध पाए गए। जुगसलाई नगर परिषद के 1 से 22 वार्डों में कुल 97 उम्मीदवारों में से पांच का नामांकन रद्द कर 92 को वैध घोषित किया गया। चाकुलिया नगर पंचायत के 1 से 12 वार्डों में 42 उम्मीदवारों में से तीन का नामांकन पत्र त्रुटिपूर्ण पाया गया, जबकि 39 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र सही पाया गया। निर्वाचन विभाग के अनुसार नाम वापसी की प्रक्रिया शुक्रवार की सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक संपन्न होगी।

नगरपालिका चुनाव को लेकर मतदान पदाधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पलामू। नगरपालिका चुनाव के सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन को लेकर जीएलए कॉलेज स्थित ब्लॉक ए और ब्लॉक बी में गुरूवार को मतदान पदाधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कुल 2009 पीठासीन और मतदान पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। पीठासीन पदाधिकारी सहित सभी मतदान पदाधिकारियों को उनकी भूमिका के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गयी। मतदान दिवस पर शांतिपूर्ण मतदान कराने, मतदान प्रक्रिया के विभिन्न चरणों और प्रयुक्त किए जाने वाले प्रपत्रों के संबंध में बिंदुवार जानकारी दी गई। मतपेटी को खोलने और सील करने की प्रक्रिया का व्यवहारिक प्रदर्शन भी किया गया तथा सभी मतदान पदाधिकारियों को मतपेटी का हैंडहोल्ड कराया गया।

प्रेक्षकों ने की निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा, कोषांगों के कार्यों से हुए अवगत

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पलामू। नगरपालिका चुनाव को लेकर पलामू पहुंचे प्रेक्षकों ने गुरूवार को समाहरणालय सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त समीरा एस, पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन सहित जिले के सभी पांचों नगर निकाय के निवार्ची पदाधिकारी, विभिन्न कोषांगों के नोडल पदाधिकारियों के साथ बैठक कर निर्वाचन की अबतक की तैयारियों की समीक्षा की। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी नगर निकाय के संबंधित प्रेक्षक को एक-एक कर उनके क्षेत्र में अबतक किये गये कार्यों से अवगत कराया। सभी नगर निकाय क्षेत्र में पड़ने वाले मतदान केंद्र, बुरका क्लैड पोलिंग स्टेशन, मतदान केंद्र तक कर्मी के आवागमन की सुविधा सहित अन्य कार्यों से अवगत कराया। उन्होंने मतदान केंद्रों में मूलभूत सुविधा, मतदान केंद्र, वाहन की आवश्यकता, प्रशिक्षण कार्यक्रम, सामग्री, पोस्टल बैलेट, मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनीटरिंग के संबंध में जानकारी दी।

आरके अकादमी सोनुआ को पराजित कर क्वार्टर फाईनल में फ्रेंडस क्लब चाईबासा

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चाईबासा। ओम वर्मा की धमाकेदार बल्लेबाजी (101 नाबाद) की बदौलत फ्रेंडस क्लब चाईबासा ने आर० के० क्रिकेट अकादमी सोनुवा को एकतरफा मुकाबले में नौ विकेट से पराजित कर क्वार्टर फाईनल में प्रवेश किया।

चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए आज के मैच में टॉस सोनुवा के कप्तान ने जीता तथा पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए आर के अकादमी की पूरी टीम 22.2 ओवर में 144 रन बनाकर आल आउट हो गई। इस टीम की ओर से उद्घाटक बल्लेबाज इमरान अहमद ने पाँच चौके एवं छः छक्के की सहायता से मात्र 27 गेंदों पर 61 रन ठोके। परंतु बाद के बल्लेबाजों की असफलता ने टीम को बड़े स्कोर बनाने से रोक दिया। अन्य बल्लेबाजों में शेख समीरुद्दीन ने 23, राहुल ने 19, विकेटकीपर बल्लेबाज सोनु ने 12 तथा सुम्मा घोष ने 10 रन बनाए। फ्रेंड्स क्लब चाईबासा की ओर से गेंदबाजी करते हुए दशरथ प्रियदर्शनी ने मात्र 12 रन देकर चार खिलाड़ियों को चलता किया। देवराज एवं चंदन कुमार गोप ने तीन-तीन विकेट अपने नाम किए।

जीत के लिए निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी फ्रेंडस क्लब की टीम ने ओम वर्मा एवं देवराज की धुआँधार बल्लेबाजी की बदौलत मात्र 10.3 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 150 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। पहले ओवर में मात्र 6 रन के स्कोर पर शिवम पटेल (6रन) का विकेट गिरने के बाद बल्लेबाजी करने आए ओम वर्मा ने बल्लेबाजी का ऐसा समा बाँधा कि विपक्षी गेंदबाज किंकर्तव्यविमूढ हो गए। ओम वर्मा ने मात्र 26 गेंदों पर ग्यारह चौके एवं नौ छक्के की मदद से इस सत्र का सबसे तेज शतक (नाबाद 101 रन) जड़ा। मैदान का ऐसा कोई कोना नही बचा था जहाँ उसने शाट नहीं खेले। उसके कातिलाना बल्लेबाजी के कहर का आलम यह था कि उसने मैच के नौवें ओवर फेकने आए हिमांशु महतो के एक ओवर में लगातार पाँच छक्के जड़ कर 30 रन बटोर डाले।

नगर परिषद निर्वाचन : अध्यक्ष पद के 22 और वार्ड सदस्य के 90 प्रत्याशी मैदान में

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चतरा। नगर परिषद (आम) निर्वाचन नामांकन की अंतिम तिथि तक नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए कुल 22 प्रत्याशियों द्वारा 34 सेटों में नाम-निर्देशन पत्र दाखिल किए गए। जिनकी स्क्रूटनी के बाद सभी नाम-निर्देशन पत्र स्वीकृत पाए गए। इसके फलस्वरूप अध्यक्ष पद के लिए 22 प्रत्याशी चुनाव मैदान में रहेंगे। नाम-निर्देशन प्रक्रिया के अंतिम दिन तक वार्ड सदस्य पद के लिए नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 01 से 22 तक कुल 91 प्रत्याशियों की ओर से नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे। 5 फरवरी 2026 को हुई स्क्रूटनी के दौरान वार्ड संख्या 11 में कुमारी विनीता का नाम-निर्देशन पत्र त्रुटि पाए जाने के कारण अस्वीकृत किया गया। इस प्रकार वार्ड सदस्य पद के लिए कुल 90 प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे। निवार्ची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता अरविंद कुमार ने बताया कि नगर परिषद क्षेत्र में कुल 22 वार्ड हैं। जहां नगर परिषद अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षदों का प्रत्यक्ष निर्वाचन गैर-दलीय आधार पर संपन्न कराया जाएगा। नगर परिषद क्षेत्र में कुल 35,562 मतदाता पंजीकृत हैं। जिनमें 17,525 पुरुष तथा 18,037 महिला मतदाता शामिल हैं। निर्वाचन कार्य के सुचारु संचालन हेतु 22 वार्डों में कुल 42 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। जो 26 मतदान केंद्र भवनों में संचालित होंगे। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार अभ्यर्थिता वापस लेने की अंतिम तिथि 6 फरवरी 2026 निर्धारित है। निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन 7 फरवरी 2026 को किया जाएगा। मतदान 23 फरवरी 2026 (सोमवार) को प्रातः 7 बजे से अपराह्न 5 बजे तक कराया जाएगा, जबकि मतगणना 27 फरवरी 2026 (शुक्रवार) को प्रातः 8 बजे से प्रारंभ होगी। जिन मतदाताओं के पास मतदाता पहचान पत्र उपलब्ध नहीं है वे निर्वाचन आयोग द्वारा मान्य 12 वैकल्पिक दस्तावेजों जैसे आधार कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, बैंक, डाकघर पासबुक, एनपीआर कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, स्वास्थ्य बीमा कार्ड, पेंशन संबंधी दस्तावेज में से किसी एक के माध्यम से अपनी पहचान प्रमाणित कर मतदान कर सकते हैं।

पलामू पहुंचे प्रेक्षकों ने की निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा

पलामू जिले के विभिन्न कोषांगों के नोडल पदाधिकारियों ने लिया भाग

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पलामू। नगरपालिका आम चुनाव-2026 के सफल संचालन को लेकर पलामू पहुंचे प्रेक्षकों ने 5 फरवरी 2026 को समाहरणालय सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त समीरा एस,पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन सहित जिले के सभी पांचों नगर निकाय के निवार्ची पदाधिकारी, विभिन्न कोषांगों के नोडल पदाधिकारियों के साथ बैठक कर निर्वाचन की अबतक की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान सर्वप्रथम जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी नगर निकाय के संबंधित प्रेक्षक को एक-एक कर उनके क्षेत्र में अबतक किये गये कार्यों से अवगत कराया।इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी नगर निकाय क्षेत्र में पड़ने वाले मतदान केंद्र,मतदान केंद्र तक कर्मी के आवगमन की सुविधा सहित अन्य कार्यों से अवगत कराया।इसके अलावे उन्होंने मतदान केंद्रों में मूलभूत सुविधा, मतदान केंद्र, वाहन की आवश्यकता, प्रशिक्षण कार्यक्रम, सामग्री, पोस्टल बैलेट, मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनीटरिंग के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।बैठक में प्रेक्षकों को बताया गया कि जिले के पांचों नगर निकाय में कुल 103 वार्डों के लिये चुनाव कराया जाना है।

संपादकीय

कंटेंट क्रांति में गुणवत्ता की कसौटी

डिजिटल युग में कंटेंट क्रिएशन भारत की नई आर्थिक और सांस्कृतिक शक्ति के रूप में उभरा है। हालिया बजट में कंटेंट क्रिएटर्स को दिया गया प्रोत्साहन इस दिशा में एक सकारात्मक और दूरदर्शी कदम कहा जा सकता है। पंद्रह हजार सेकेंडरी स्कूलों और पांच सौ महाविद्यालयों में कंटेंट क्रिएटर लैब्स की स्थापना न सिर्फ तकनीकी दक्षता बढ़ाएगी, बल्कि भारत की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यटन विरासत के डिजिटल डॉक्युमेंटेशन को भी नई गति दे सकती है। यह पहल युवाओं के लिए रोजगार और अभिव्यक्ति के नए अवसर खोलने वाली है-इसमें कोई संदेह नहीं। लेकिन इसी उत्साह के बीच एक बेहद अहम और असहज सवाल खड़ा होता है-क्या कंटेंट की गुणवत्ता भी उसी अनुपात में सुधर रही है? सच यह है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आज उत्कृष्ट, शोधपरक और ज्ञानवर्धक कंटेंट मौजूद है, लेकिन उसके समानांतर एक बड़ा हिस्सा ऐसा भी फल-फूल रहा है जिसे शालीन शब्दों में भी शाब्दिक पोर्नोग्राफी कहा जा सकता है। अधिक व्यूज, लाइक्स और कमाई की होड़ ने कंटेंट के एक बड़े वर्ग को गाली-गलौज, अश्लील इशारों और स्त्री-पुरुष संबंधों की अभद्र प्रस्तुति तक ला खड़ा किया है। दुर्भाग्य की बात यह है कि ऐसे कंटेंट को हजारों-लाखों व्यूज मिलते हैं, जिससे यह प्रवृत्ति और मजबूत होती जाती है। यहीं असली चुनौती शुरू होती है-इस गंदगी पर काबू कैसे पाया जाए? जिन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर यह कंटेंट पनप रहा है, वे अब इतने विशाल और ताकतवर हो चुके हैं कि कई बार सरकारें भी उनके आगे असहाय दिखती हैं। यदि सरकारें नियमन की बात करें, तो तुरंत इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताकर पेश किया जाता है। यह तर्क कई बार सही आलोचना को बचाने के लिए नहीं, बल्कि अश्लील और आपत्तिजनक कंटेंट को ढाल देने के लिए इस्तेमाल होता है। यह मानना होगा कि सरकार के सामने यह एक जटिल संतुलन की चुनौती है-न तो रचनात्मक स्वतंत्रता का गला घोंटा जाए और न ही डिजिटल स्पेस को बेलगाम गंदगी के हवाले छोड़ दिया जाए। कंटेंट क्रिएशन का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सूचना, ज्ञान और सामाजिक संवेदनशीलता को आगे बढ़ाना भी होना चाहिए। हास्य, व्यंग्य और हल्के-फुल्के चुटकुलों में कोई बुराई नहीं, लेकिन जब कंटेंट खुलेआम अश्लील भाषा और स्तरहीन प्रस्तुति का सहारा ले, तो उसे रचनात्मकता कहना आत्महत्या होगा। आज रील्स और शॉर्ट वीडियो की दुनिया जिस तरह की सामग्री से भरी पड़ी है, वह समाज के सांस्कृतिक स्वास्थ्य पर भी सवाल उठाती है। यदि कंटेंट क्रांति को सचमुच राष्ट्रनिर्माण से जोड़ना है, तो गुणवत्ता को महज एक विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्य शर्त बनाना होगा। इसके लिए नीति, प्लेटफॉर्म की जिम्मेदारी और सामाजिक चेतना-तीनों का साझा प्रयास जरूरी है। वरना डर यह है कि डिजिटल मंचों पर शोर तो बढ़ेगा, लेकिन सार और संस्कार कहीं पीछे छूट जाएंगे।

नारी देह, नारी अधिकार : माहवारी पर सुप्रीम कोर्ट की दृष्टि

ललित गर्ग

भारत के सामाजिक विकास की यात्रा में महिलाओं की स्थिति हमेशा एक निर्णायक कसौटी रही है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति केवल आर्थिक आंकड़ों या बुनियादी ढाँचे से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से आँकी जाती है कि वह अपने समाज के आधे हिस्से-महिलाओं को कितना सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर देता है। इसी सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट ने 30 जनवरी 2026 को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए मासिक धर्म स्वास्थ्य को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार घोषित किया है। कोर्ट ने देश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में छात्राओं को मुफ्त और सुरक्षित बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। मासिक धर्म स्वच्छता को गरिमा और स्वास्थ्य के साथ जीने के मौलिक अधिकार का हिस्सा माना गया है। स्कूलों में साफ-सुथरे शौचालय और पानी की उचित व्यवस्था अनिवार्य है। इस निर्णय का उद्देश्य पीरियड्स के कारण लड़कियों की पढ़ाई में होने वाली बाधा को रोकना और उन्हें शर्मिंदगी से बचाना है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला महिलाओं और विशेषकर स्कूली लड़कियों की माहवारी से जुड़ी समस्या पर दिया गया ऐतिहासिक निर्णय, एक सशक्त और दूरदर्शी कदम है। कर्नाटक सरकार ने सरकारी और प्राइवेट क्षेत्र की महिला कर्मचारियों के लिए 12 दिन का सवेतन पीरियड लीव नीति को भी मंजूरी दी है। यह फैसला स्कूलों में मासिक धर्म प्रबंधन की कमी को दूर करने और छात्राओं के सम्मानजनक शिक्षा के अधिकार की सुरक्षा के लिए एक बड़ा कदम है। स्कूलों में अनिवार्य रूप से सेनेटरी पैड उपलब्ध कराने का निर्देश केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना को झकझोरने वाला संदेश है कि अब माहवारी जैसे विषय को चुप्पी, लज्जा और अज्ञान के अंधेरे में नहीं छोड़ा जा सकता।

विडंबना यह है कि जिस माहवारी को प्रकृति ने जीवन-चक्र का अनिवार्य और स्वस्थ हिस्सा बनाया है, उसे हमारे समाज ने सदियों से अपवित्रता, अशुद्धता और वर्जना से जोड़ दिया। परिणामस्वरूप, करोड़ों महिलाएँ और किशोरियाँ न केवल शारीरिक कष्ट झेलती हैं, बल्कि मानसिक पीड़ा, हीनभावना और सामाजिक बहिष्कार का भी सामना करती हैं। आज भी भारत के अनेक हिस्सों में माहवारी के दौरान लड़कियों को रसोई, पूजा, स्कूल और सामाजिक गतिविधियों से दूर रखा जाता है। यह व्यवहार केवल परंपरा नहीं, बल्कि स्त्री की गरिमा और अधिकारों का प्रत्यक्ष हनन है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी कि माहवारी स्वच्छता की कमी महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुँचाती है इस पूरे विमर्श को एक नई संवैधानिक दृष्टि देती है। संविधान द्वारा प्रदत्त जीवन और गरिमा के अधिकार को यदि वास्तविक अर्थों में लागू करना है, तो महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देनी ही होगी। स्कूलों में सेनेटरी पैड की अनिवार्य व्यवस्था इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कई अध्ययन बताते हैं कि स्वच्छता सुविधाओं के अभाव में बड़ी संख्या में लड़कियाँ किशोरावस्था में ही पढ़ाई छोड? को मजबूर हो जाती हैं।

> *विडंबना यह है कि जिस माहवारी को प्रकृति ने जीवन-चक्र का अनिवार्य और स्वस्थ हिस्सा बनाया है, उसे हमारे समाज ने सदियों से अपवित्रता, अशुद्धता और वर्जना से जोड़ दिया। परिणामस्वरूप, करोड़ों महिलाएँ और किशोरियाँ न केवल शारीरिक कष्ट झेलती हैं, बल्कि मानसिक पीड़ा, हीनभावना और सामाजिक बहिष्कार का भी सामना करती हैं। आज भी भारत के अनेक हिस्सों में माहवारी के दौरान लड़कियों को रसोई, पूजा, स्कूल और सामाजिक गतिविधियों से दूर रखा जाता है। यह व्यवहार केवल परंपरा नहीं, बल्कि स्त्री की गरिमा और अधिकारों का प्रत्यक्ष हनन है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी कि माहवारी स्वच्छता की कमी महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुँचाती है इस पूरे विमर्श को एक नई संवैधानिक दृष्टि देती है। संविधान द्वारा प्रदत्त जीवन और गरिमा के अधिकार को यदि वास्तविक अर्थों में लागू करना है, तो महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देनी ही होगी। स्कूलों में सेनेटरी पैड की अनिवार्य व्यवस्था इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कई अध्ययन बताते हैं कि स्वच्छता सुविधाओं के अभाव में बड़ी संख्या में लड़कियाँ किशोरावस्था में ही पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाती हैं। यह केवल शिक्षा का नुकसान नहीं, बल्कि पूरे समाज की बौद्धिक और नैतिक पूंजी की क्षति है। न्यायालय ने शिक्षा को एक मल्टीप्लायर राइट बताया जो अन्य मानवाधिकारों के उपयोग की कुंजी है। न्यायालय ने इस निर्णय को केवल आदर्शों की घोषणा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जमीन पर उतारने के लिए स्पष्ट और व्यावहारिक निर्देश दिए। कक्षा 6 से 12 तक की सभी छात्राओं को मुफ्त, उच्च गुणवत्ता वाले ऑक्सो-बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया। इन पैड्स का एएसटीएम डी-6954 जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होना अनिवार्य किया गया, ताकि स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण भी सुनिश्चित हो सके।*

यह केवल शिक्षा का नुकसान नहीं, बल्कि पूरे समाज की बौद्धिक और नैतिक पूंजी की क्षति है।

न्यायालय ने शिक्षा को एक मल्टीप्लायर राइट बताया जो अन्य मानवाधिकारों के उपयोग की कुंजी है। न्यायालय ने इस निर्णय को केवल आदर्शों की घोषणा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जमीन पर उतारने के लिए स्पष्ट और व्यावहारिक निर्देश दिए। कक्षा 6 से 12 तक की सभी छात्राओं को मुफ्त, उच्च गुणवत्ता वाले ऑक्सो-बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया। इन पैड्स का एएसटीएम डी-6954 जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होना अनिवार्य किया गया, ताकि स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण भी सुनिश्चित हो सके। साथ ही, पैड्स की सहज, सुरक्षित और गोपनीय उपलब्धता के लिए स्कूलों में वेंडिंग मशीन या नामित अधिकारी की व्यवस्था तय की गई, जिससे छात्राओं की झिझक और असहजता पूरी तरह दूर की जा सके। इसके साथ ही स्कूलों में मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रबंधन कॉर्नर स्थापित करने का आदेश दिया गया, जहाँ अतिरिक्त यूनिफॉर्म, स्पेयर इनरवियर, डिस्पोजेबल बैग और आवश्यक स्वच्छता सामग्री उपलब्ध होगी। दिव्यांग छात्राओं के लिए व्हीलचेयर-अनुकूल शौचालय और सहायक उपकरण जैसी विशेष सुविधाएँ अनिवार्य की गईं। निजी स्कूलों द्वारा निदेर्शों की अवहेलना पर मान्यता रद्द करने का प्रावधान रखकर जवाबदेही को मजबूत किया गया, ताकि यह फैसला केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि हर छात्रा के जीवन में वास्तविक बदलाव ला सके।

माहवारी स्वच्छता केवल पैड उपलब्ध कराने तक सीमित विषय नहीं है। इसके साथ जुड़ा है स्वच्छ शौचालय, साफ पानी, कचरा निस्तारण की व्यवस्था और सबसे महत्वपूर्णकृसही जानकारी। आज भी अनेक लड़कियाँ पहली माहवारी के समय भय, भ्रम और अपराधबोध से घिर जाती हैं क्योंकि उन्हें पहले से कोई वैज्ञानिक और संवेदनशील जानकारी नहीं दी जाती। स्कूलों में यदि स्वास्थ्य शिक्षा को गंभीरता से लागू किया जाए और माहवारी को एक सामान्य जैविक प्रक्रिया के रूप में समझाया जाए, तो यह डर और संकोच स्वतः समाप्त हो सकता है। यह भी सच है कि माहवारी को लेकर समाज में फैली चुप्पी पुरुषों की भूमिका को भी प्रश्नों के घेरे में लाती है। जब तक पुरुष-चाहे वे पिता हों, शिक्षक हों, प्रशासक हों या नीति-निमार्ता, इस विषय को केवल महिलाओं का मामला मानकर किनारे करते रहेंगे, तब तक वास्तविक बदलाव संभव नहीं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं कि उन्होंने समाज और खासकर पुरुषों को संवेदनशील बनने का अवसर दिया है। जागरूकता का अर्थ केवल महिलाओं को सशक्त बनाना नहीं, बल्कि पुरुषों को सहृदय और जिम्मेदार बनाना भी है।

ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में माहवारी से जुड़ी चुनौतियाँ और भी गंभीर हैं। वहाँ आज भी कपड़े, राख या अस्वच्छ साधनों का उपयोग आम है, जिससे संक्रमण और दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। सरकारी योजनाएँ और गैर-सरकारी प्रयास मौजूद हैं, परंतु उनकी पहुँच और प्रभावशीलता अभी भी सीमित है। सुप्रीम कोर्ट का निर्णय यदि ईमानदारी से लागू होता है, तो यह नीति और जमीन के बीच की खाई को पाटने में सहायक हो सकता है। यह भी विचारणीय है कि माहवारी स्वच्छता को केवल कल्याणकारी योजना न मानकर महिला अधिकारों के व्यापक ढाँचे में देखा जाए। स्वास्थ्य का अधिकार, शिक्षा का अधिकार और समानता का अधिकार-तीनों इस विषय से सीधे जुड़े हैं। एक ऐसी व्यवस्था जहाँ लड़की केवल इसलिए स्कूल न जा सके क्योंकि उसके पास सेनेटरी पैड नहीं हैं, वह व्यवस्था संविधान की आत्मा के विपरीत है। इसलिए यह फैसला सामाजिक न्याय की अवधारणा को भी मजबूती देता है। आज भारत नए प्रवेश के साथ आगे बढ़ने की बात करता है-डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रखता है।

- लेखक के निजी विचार हैं।

भारत ने बिछाई बड़ी कूटनीतिक बिसात

नीरज कुमार दुबे

इस यात्रा का पहला स्पष्ट लक्ष्य महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति शृंखलाओं को मजबूत करना है। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अब यह समझ चुकी हैं कि दुर्लभ खनिजों पर निर्भरता केवल आर्थिक विषय नहीं बल्कि सामरिक प्रश्न है। चीन जैसे प्रमुख आपूर्तिकताओं पर अत्यधिक निर्भरता कम करने की मुहिम में भारत को एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में देखा जा रहा है। भारत की खनिज क्षमता, विशाल बाजार और तकनीकी मांग उसे इस खेल का केन्द्रीय खिलाड़ी बनाती है। जयशंकर की यह यात्रा सात महीने बाद उनकी पहली द्विपक्षीय अमेरिका यात्रा है। पिछली यात्रा उस समय हुई थी जब अमेरिका ने भारत पर कड़े शुल्क नहीं लगाए थे। इन महीनों में बहुत कुछ बदल गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के बाद शुल्क को हथियार की तरह इस्तेमाल किया गया। भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क और रूस से तेल खरीद पर दंडात्मक शुल्क ने संबंधों में कड़वाहट घोली। अब संकेत मिल रहे हैं कि वाशिंगटन नरमी दिखा सकता है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि रूस से तेल खरीद घटने पर अतिरिक्त शुल्क हटाने का रास्ता है। साथ ही वेनेजुएला से तेल खरीद फिर शुरू करने की अनुमति का संदेश भी दिया गया है। यह सब केवल ऊर्जा नहीं, बल्कि वार्ता की मेज पर सौदेबाजी के पत्ते हैं।

दिलचस्प यह है कि इसी बीच भारत ने 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौता पूरा कर लिया। इसने अमेरिका को यह संदेश दिया कि नई दिल्ली विकल्प तलाशने में सक्षम है। अटलांटिक परिषद से जुड़े विशेषज्ञ मार्क लिंस्काट का आकलन है कि भारत यूरोप समझौता अमेरिका भारत व्यापार वार्ता को तेज कर सकता है। साफ है कि वाशिंगटन भारत को खोना नहीं चाहता। वैसे भी भारत और अमेरिका के शीर्ष नेतृत्व की हालिया बातचीत और सार्वजनिक बयानों से यह आभास भी मजबूत हो रहा है कि दोनों देश लंबित व्यापार समझौते को अब अधिक देर तक टालना नहीं चाहते। पिछले महीनों में फोन पर हुई वाताओं, मंत्रिस्तरीय संपर्क और समान हितों पर दिए गए जोर से यह संकेत मिलते हैं कि माहौल को जानबूझकर सकारात्मक बनाया जा रहा है। ऐसे में जयशंकर की अमेरिका यात्रा को केवल खनिज या सामरिक चर्चा तक सीमित नहीं देखा जा रहा, बल्कि इसे

संभावित व्यापार समझौते की राह साफ करने वाली पहल के रूप में भी समझा जा रहा है। कूटनीतिक गलियारों में यह धारणा बन रही है कि यदि इस यात्रा में मुख्य अड़चनों पर सहमति का रास्ता निकलता है तो यह आगे की औपचारिक वार्ता के लिए हरी झंडी जैसा होगा, जिसके बाद मोदी सरकार अंतिम राजनीतिक स्वीकृति देकर समझौते पर मुहर लगा सकती है। यानी यह दौरा भविष्य के बड़े आर्थिक फैसले की भूमिका भी लिख सकता है।

हम आपको यह भी बता दें कि अपनी यात्रा से पहले जयशंकर ने भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर से मुलाकात की। उनके साथ अमेरिकी संसद के सदस्य जिमी पैट्रोनिस, माइक रोजर्स और एडम स्मिथ भी मौजूद रहे। बातचीत में व्यापार, रक्षा सहयोग, महत्वपूर्ण खनिज, हिंद प्रशांत क्षेत्र और यूक्रेन संघर्ष जैसे विषय शामिल रहे। यह केवल शिष्टाचार भेंट नहीं बल्कि जमीन तैयार करने वाली बातचीत थी। गोर ने भारत को अमेरिका का अहम भागीदार बताया और साझा सामरिक हितों पर जोर दिया। साथ ही अमेरिकी संसदीय दल की जनवरी में नई दिल्ली यात्रा भी रक्षा तकनीक सहयोग, सह उत्पादन और सह विकास पर केंद्रित रही। संदेश साफ है कि रक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग संबंधों की रीढ़ बन सकता है। अब इस पूरे घटनाक्रम को भारत के केंद्रीय बजट की घोषणाओं से जोड़कर देखिये।

मोदी सरकार ने ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु जैसे खनिज संपन्न राज्यों में दुर्लभ खनिज गलियारे बनाने का प्रस्ताव रखा है। खनन, प्रसंस्करण, अनुसंधान और निर्माण को बढ़ावा देने की योजना सीधे उसी दिशा में जाती है जिस पर अमेरिका और उसके सहयोगी काम कर रहे हैं। सेमीकंडक्टर अभियान के लिए ये खनिज अनिवार्य हैं। बैटरी भंडारण के लिए लिथियम आयन कोश निर्माण, सौर कांच के लिए सोडियम एंटिमोनेट, परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के लिए आयातित सामान पर मूल शुल्क छूट, मिश्रित सीएनजी पर उत्पाद शुल्क गणना से जैव गैस को बाहर रखना और बैटरी भंडारण परियोजनाओं के लिए व्यवहार्यता अंतर सहायता को पांच गुना बढ़ाना दिखाता है कि भारत ऊर्जा और प्रौद्योगिकी की नई दौड़ के लिए तैयारी कर रहा है। 2030 तक पांच सौ गीगावाट गैर जीवाश्म ऊर्जा और 2047 तक सौ गीगावाट परमाणु ऊर्जा का लक्ष्य भारत की नई सामरिक दिशा है। निजी भागीदारी खोलने वाला परमाणु ऊर्जा कानून भी इसी कड़ी का हिस्सा है।

सच यह है कि दुनिया नए शीत युद्ध जैसे दौर में प्रवेश कर चुकी है जहां गोलियों से ज्यादा खनिज, चिप और ऊर्जा की आपूर्ति शृंखला ताकत तय करेगी। जयशंकर की यात्रा को केवल कूटनीतिक दौरा समझना भूल होगी। यह भारत की बहुस्तरीय चाल है। एक ओर अमेरिका से तनाव घटाना, दूसरी ओर अपने हितों पर अडिग रहना, और साथ साथ यूरोप, रूस तथा अन्य साझेदारों के साथ संतुलन बनाए रखना आसान नहीं। पर भारत अब रक्षात्मक नहीं, सौदेबाज की मुद्रा में दिख रहा है। अमेरिका को भी समझना होगा कि शुल्क की लाठी से साझेदारी नहीं चलती। यदि वह भारत को सचमुच चीन का विकल्प बनाना चाहता है तो भरोसा, प्रौद्योगिकी साझेदारी और बाजार पहुंच देनी होगी। भारत के लिए भी संदेश साफ है कि आत्मनिर्भर खनिज और सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र बनाए बिना कोई सामरिक स्वायत्तता संभव नहीं। बहरहाल, जयशंकर की कूटनीति की खासियत यही है कि वे मुस्कान के साथ कठोर संदेश देते हैं। अब देखना यह है कि वाशिंगटन इस संकेत को कितना समझता है। अभी जो तस्वीर उभर रही है वह बताती है कि नई दिल्ली ने खेल समझ लिया है और चाल चल दी है।

- लेखक के निजी विचार हैं।

आज का पंचांग

दैनिक पंचांग

6 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

(कुंडली: ११ राहु बुध शुक्र; १२ शनि; सूर्य मंगल; ९; ८; १० ; १; ७; ४; चंद्र ६; २; ३ गुरु; केतु ५)

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	07.05 बजे से
चंद्र	कन्या में	मीन	08.38 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	10.08 बजे से
बुध	कुंभ में	वृष	11.48 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	13.46 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कर्क	16.00 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	18.16 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	20.28 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	22.39 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		वृश्चिक	00.53 ब.से
		धनु	03.09 बजे से
		मकर	05.14 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 37 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
पक्ष कृष्ण
तिथि पंचमी 01.19 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र हस्त 00.24 बजे रात्र को समाप्त।
योग धृति 23.37 बजे को समाप्त।
करण कौलव 12.46 बजे तदनन्तर तैतिल 01.19 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 18.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 15° 41'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872612
जूलियन दिन 2461077.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सावान **तारीख** 17

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8760

1		■	2		3	■	4	5
	■	6		■	7	8	■	
9	10		■	11	■	12	13	
■		■	14		15	■		■
16				■	17			
■		■	18	19		■		■
20		21	■		■	22		23
	■	24	25	■	26		■	
27		■	28			■	29	

बाएँ से दाएँ

1. भीगा हुआ-2
2. गाने वाला-3
4. दिया, चिराग-2
6. केश-2
7. जिससे ताला खुलता है-2
9. सूरमा -3
12. नख-3
14. तेरह गुणा चार-3
16. एक जैसा तल-4
17. दरवाजे की आवाज-2,2
18. कड़ा, तेज-3
20. आँखों के ऊपर की परत-3
22. साधुवाद देना, वाह-वाह-3
24. पुत्र, एक रंग-2
26. तुम का आदर सूचित शब्द-2
27. पत्र-2
28. आश्चर्य-3
29. तट, किनारा-2

ऊपर से नीचे

1. छोटा गीत-3
2. मुँह के दोनों ओर का भाग-2
3. जो पका न हो-2
5. हवा, वायु-3
6. बच्चा, बालक-2
8. वीणा, एक वाद्य-2
10. जितेन्द्र व रेखा की एक फिल्म-2,3
11. मूल्य, दर-2
13. मारकाट-5
14. बच्चा-3
15. नाज, अदा-3
19. पंजाब की एक नदी-2
20. जांच-पड़ताल-3
21. हुनर-2
22. बददुआ-2
23. नगर-3
25. बेल, कोमल लम्बा पौधा-2
26. फूलों का प्राकृतिक रस-2

शब्द पहेली-8759 का हल

त	मा	शा	ई	■	ह	जा	म	त
ल	ता	■	मा	ज	रा	■	त	ह
वा	■	■	न	■	र	न	■	री
र	ह	न	■	न	त	म	स्त	क
■	■	शे	■	य	■	की	■	■
ना	मु	म	कि	न	■	न	मा	ज
वा	■	न	फा	■	स	■	■	रु
कि	म	■	य	म	न	■	द	र
फि	त	र	त	■	क	रा	मा	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

सुडोकू

सूडोकु नवताल- 7697

मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7696 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

'योगी दा' में बिना किसी

बॉडी डबल के सभी स्टंट मैंने खुद किए : साई धनशिका

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री साई धनशिका अपनी अपकमिंग फिल्म 'योगी दा' की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। साई फिल्म में एक्शन करती नजर आएंगी। उन्होंने बताया कि फिल्म 'योगी दा' में सभी स्टंट खुद किए हैं। उन्होंने बताया कि बिना किसी बॉडी डबल के एक्शन सीन पूरे किए महिलाएं चाहें तो पुरुषों जितने शानदार स्टंट कर सकती हैं।

एक इवेंट में साई धनशिका ने बताया, 'मैंने पहली बार 'पेरानमाई' में एक्शन किया था और वह अनुभव आज भी मेरी मदद करता है। 'योगी दा' में हर स्टंट सीन मैंने खुद किए हैं, बिना किसी बॉडी डबल के। अगर महिलाएं मन बना लें, तो वे पुरुषों की तरह ही अच्छे स्टंट कर सकती हैं।' उन्होंने फिल्म के संदेश पर जोर देते हुए कहा, 'आज महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। समाज अक्सर सोचता है कि एक बार अगर कोई महिला शारीरिक रूप से घायल हो जाए, तो वह फिर कभी खड़ी नहीं हो सकती। लेकिन 'योगी दा' दिखाती है कि वह इससे उबर सकती है और मजबूत होकर वापस आ सकती है। हमने यह फिल्म महिलाओं के लिए, उनकी पूरी क्षमता दिखाने के लिए बनाई है। साई धनशिका ने फिल्म के टाइटल की रोचक कहानी भी साझा की। उन्होंने कहा कि 'योगी दा' का नाम सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'कबाली' से प्रेरित है। 'मैंने 'कबाली' में रजनीकांत सर की बेटी का किरदार निभाया था, जिसका नाम 'योगी' था। इसी से 'योगी दा' की शुरुआत हुई। हमने 'कबाली' के लुक और एक्शन स्टाइल में समानताएं देखीं, इसलिए यह नाम चुना। 'कबाली' के लिए मैंने असल में अपने बाल कटवाए थे, लेकिन इस फिल्म के लिए विग का इस्तेमाल किया। 'कबाली' के बाद कई महिलाओं ने मेरे किरदार से प्रेरित होकर बाल कटवाए थे। तब मुझे एहसास हुआ कि एक फिल्म लोगों पर कितना गहरा असर डाल सकती है। एक्ट्रेस ने अपनी पूरी टीम को दिल से धन्यवाद देते हुए कहा, 'मेरी पूरी टीम को बहुत-बहुत शुक्रिया। यह आप सबके बिना संभव नहीं होता।

तापसी पन्नू एक बार फिर कोर्टरूम में, 'अस्सी' का ट्रेलर कैंपेन जयपुर पहुँचा

अस्सी का ट्रेलर जयपुर मीडिया के सामने लॉन्च, तापसी पन्नू ने शुरू किए ऑन-ग्राउंड प्रमोशन्स जयपुर। तापसी पन्नू एक बार फिर कोर्टरूम जॉनर में वापसी के लिए तैयार हैं। इस बार वह निर्देशक अनुभव सिन्हा के साथ आने वाली इन्वेस्टिगेटिव कोर्टरूम ड्रामा फिल्म अस्सी में नजर आएंगी। दमदार मोशन पोस्टर से मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, निर्माताओं ने फिल्म को सीधे दर्शकों तक ले जाने की शुरुआत कर दी है–और इसकी शुरुआत आज जयपुर में एक खास ऑन-ग्राउंड शोकेस से हुई। फिल्म की अनोखी प्रमोशनल स्ट्रेटेजी के तहत, तापसी पन्नू ने जयपुर मीडिया के साथ एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस की, वहीं टीम ने साथ ही बड़े पर्दे पर अस्सी का ट्रेलर भी दिखाया। अभिनेत्री ने मीडिया प्रतिनिधियों के साथ ट्रेलर देखा, पत्रकारों, फैंस और डिजिटल क्रिएटर्स से सीधे संवाद किया और फिल्म तथा उसके सशक्त विषय पर अपने विचार साझा किए। अस्सी के मोशन पोस्टर ने अपने सख्त टोन और तात्कालिक संदेश के कारण पहले ही काफी उत्सुकता पैदा कर दी थी, जिसने एक हार्ड-हिटिंग सिनेमैटिक अनुभव की मजबूत नींव रखी। जयपुर दौरे ने इस उत्साह को और बढ़ाया, जहां दर्शकों ने फिल्म के तीव्र कोर्टरूम माहौल और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी कहानी को सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। तेज रफ्तार इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर के रूप में पेश की जा रही अस्सी, एक बिल्कुल नए तरह के कोर्टरूम ड्रामा के जरिए आगे बढ़ती है, जो देश में रोज़ाना दर्ज होने वाले लगभग अस्सी यौन उत्पीड़न मामलों की भयावह सच्चाई से प्रेरित है। फिल्म को एक अर्जेंट वॉच के तौर पर पोज़िशन किया जा रहा है, जो मजबूत महिला नायिकाओं के नेतृत्व में सामाजिक रूप से प्रासंगिक कहानियों के लिए बढ़ती दर्शक रुचि को दर्शाता है। तापसी पन्नू के साथ फिल्म में कनी कुसरुति, रेवती, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा और मोहम्मद ज़ीशान अय्यूब भी अहम भूमिकाओं में हैं। वहीं नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक और सीमा पाहवा की विशेष प्रस्तुतियाँ फिल्म की रोमांचक गहराई को और बढ़ाती हैं।

अनुपम खेर गुरु से मिलकर हुए भावुक, कहा -

अब मुझे बेटा कहने वाले बहुत कम हैं

दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर इन दिनों गुरुग्राम में फिल्म 'खोसला का घोसला 2' की शूटिंग कर रहे हैं। इस बीच, उन्होंने अपने कॉलेज के समय के म्यूजिक टीचर प्रोफेसर सोम दत्त बट्टू से मुलाकात की। इस मुलाकात का किस्सा अभिनेता ने फैंस के साथ शेयर किया। अभिनेता ने बताया कि वे गुरुग्राम में फिल्म 'खोसला का घोसला 2' की शूटिंग कर रहे थे, तभी उनके टीचर प्रोफेसर सोम दत्त बट्टू को इसकी खबर मिली, तो टीचर ने मिलने की इच्छा जताई, जिसके बाद अभिनेता ने मुलाकात की। अभिनेता ने वीडियो शेयर कर लिखा, '53 साल बाद मुलाकात, प्रोफेसर सोम दत्त बट्टू 1972-73 में शिमला में मेरे म्यूजिक टीचर हुआ करते थे। उन्होंने हमारे कॉलेज के नाटकों के लिए संगीत भी तैयार किया था। जब मैं गुरुग्राम में फिल्म 'खोसला का घोसला 2' की शूटिंग कर रहा था, तब किसी तरह उनसे मुलाकात हो गई। अभिनेता ने आगे लिखा, 'उनका आशीर्वाद पाकर दिल बहुत खुश हो गया। वे मुझे बार-बार 'बेटा' कहकर बुला रहे थे। इस उम्र में मुझे 'बेटा' कहने वाले बहुत कम लोग हैं, मां के अलावा। अभिनेता ने आखिरी में लिखा, भारत सरकार ने उन्हें 2024 में पद्म श्री से सम्मानित किया। सच कहूं तो उस जमाने में स्कूल और कॉलेज के शिक्षक सिर्फ विषय ही नहीं पढ़ाते थे, बल्कि जिंदगी और उसके सबक भी सिखाते थे। सर, आपके प्यार, ज्ञान और सीख के लिए दिल से धन्यवाद। फिल्म 'खोसला का घोसला-2' साल 2006 में इसी नाम से बनी सुपरहिट फिल्म का सीक्वल है। कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'खोसला का घोसला' मध्यमवर्गीय परिवार के जमीन हड़पने के भू-माफिया से लोहा लेने की कहानी है। इस फिल्म का निर्देशन दिबाकर बनर्जी ने किया था। फिल्म में अनुपम खेर, बोमन ईरानी, रणवीर शौरी और विनय पाठक जैसे कलाकार शामिल थे। अब सीक्वल में पुराने कलाकारों की वापसी के साथ कुछ नए कलाकार भी दिखेंगे। वहीं, फैंस भी फिल्म 'खोसला का घोसला' के सीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

मैं फेल हो सकती हूं, मगर

हार नहीं मानूंगी : पायल राजपूत

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की उभरती एक्ट्रेस पायल राजपूत ने अपनी मेहनत और संघर्ष की कहानी के साथ अपने मजबूत इरादे को जाहिर किया। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि वह कभी हार नहीं मानेंगी। पायल ने स्पष्ट किया कि इंडस्ट्री में कुछ लोग उन्हें एक्टिंग छोड़ने के लिए मजबूर करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे दृढ़ हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, 'वे चाहते हैं कि मैं छोड़ दूं, और मैं खुद से सवाल करती हूं कि क्या मुझे ऐसा करना चाहिए। लेकिन फिर मैं पिछले 12 सालों में की गई कड़ी मेहनत के बारे में सोचती हूं। इसलिए मैं खुद से कहती हूं नहीं, मैं फेल हो सकती हूं, लेकिन हार नहीं मानूंगी।' नेपोटिज्म जैसे गंभीर मुद्दों पर पायल अक्सर अपने राय रखती रहती हैं। इससे पहले भी उन्होंने विचार व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया और फिल्म इंडस्ट्री में भाई-भतीजावाद और फेवरेटिज्म पर खुलकर बात की थी। उन्होंने लिखा था कि एक्टर बनना सबसे मुश्किल करियर में से एक है। हर दिन अनिश्चितता के साथ शुरू होता है, जहां टैलेंट से ज्यादा विशेषाधिकार और कनेक्शन हावी हो जाते हैं। पायल ने बताया था कि कई बार उन्हें शक होता है कि उनकी मेहनत और लगन ऐसी दुनिया में नोटिस होगी भी या नहीं। मौके अक्सर मशहूर सरनेम या पावरफुल एजेंट वाले लोगों के पास चले जाते हैं। फिर भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और टैलेंट पर भरोसा रखा। फिलहाल पायल कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। वह तेलुगू फिल्म 'वेंकटलक्ष्मी' में नजर आने वाली हैं, जिसे मशहूर डायरेक्टर मुनि बना रहे हैं। मेकर्स इस फिल्म को तेलुगू, तमिल और हिंदी में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। इसके अलावा, पायल के पास एक और तमिल फिल्म है। अनटाइटल्ड फिल्म एक बड़े बजट का प्रोजेक्ट है, जिसे जाने-माने डायरेक्टर आर.एस. दुरई सेंथिलकुमार डायरेक्ट कर रहे हैं। शूटिंग का पहला फेज चेन्नई में पूरा हो चुका है।

जानकारी के अनुसार यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक रोमांचक एक्शन-ड्रामा है। संगीत जिब्रान दे रहे हैं, सिनेमैटोग्राफी एस. वेंकटेश की है, एडिटिंग प्रदीप कर रहे हैं और आर्ट डायरेक्शन दुरईराज संभाल रहे हैं।

अर्चना पूरन सिंह ने झेला पहला बच्चा खोने का दर्द, इस करीबी शख्स को बताया जिम्मेदार

अर्चना पूरन सिंह ने हाल ही में अपनी जिंदगी में हुए बड़े हादसे के बारे में बात की है। उन्होंने बताया कि इस हादसे का जिम्मेदार उनका करीबी शख्स है। अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह अपने व्लॉग 'प्यार दोस्ती है' में अपनी जिंदगी से जुड़े कई खुलासे करने को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने अपने व्लॉग में बताया कि उन्होंने शादी के चार साल के अंदर ही कंसीव कर लिया था। हालांकि उनका मिसकैरेज हो गया। उन्होंने बताया कि उनके पति परमीत सेठी की लापरवाही की वजह से उन्हें दर्द झेलना पड़ा। इस बात को परमीत सेठी ने भी माना। अर्चना पूरन सिंह ने अपना पहला बच्चा खोने के बारे में याद करते हुए बताया 'मैंने कंसीव कर लिया था लेकिन मैं वो प्रेग्नेंसी सस्टेन नहीं कर पाई थी। उस वक्त मैं एक फिल्म पर काम कर रही थी और मेरा मिसकैरेज हो गया था। मैं चाहती थी कि मेरे बच्चे हों। मैं मिसकैरेज से अंदर तक टूट गई थी। अर्चना की इस बात पर उनके पति परमीत ने कहा 'आपका दर्द देखकर मुझे लगा था कि हमें बच्चों की जरूरत नहीं है। मैं बस हम दोनों के साथ ही बहुत खुश था।' इस पर अर्चना ने बताया 'परमीत ने मुझसे कहा कि उनका रिश्ता अपने आप में पूरा है।' फिर परमीत ने कहा 'हम बहुत क्लोज थे और हमारे बीच किसी तीसरे की जगह नहीं थे।' अर्चना ने इस पर जवाब दिया कि वह परमीत की इस बात से सहमत नहीं थी।

फिल्म 'वाराणसी' को हां करने से पहले प्रियंका चोपड़ा ने रखी थी ये शर्त

महेश बाबू हुए थे हैरान

फिल्म 'वाराणसी' में काम करने से पहले प्रियंका चोपड़ा ने निर्देशक से एक शर्त रखी थी। इस शर्त को सुनकर महेश बाबू हैरान हो गए थे। प्रियंका चोपड़ा अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चा में हैं। वह सात साल बाद इंडियन सिनेमा में वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

हाल ही में प्रियंका चोपड़ा ने बताया कि एसएस राजामौली को फिल्म के लिए हां कहने से पहले उनकी एक शर्त थी। महेश बाबू ने इस शर्त पर रिएक्शन दिया है।

प्रियंका चोपड़ा की शर्त

सिनेमा ब्लेंड से बातचीत में प्रियंका चोपड़ा ने बताया कि उन्होंने एसएस राजामौली से वाराणसी में उन्हें डांस करवाने की रिक्वेस्ट की थी। उन्होंने कहा 'तो, मैंने लगभग छह साल से कोई भारतीय फिल्म नहीं की है। तो जब राजामौली ने मुझे कॉल किया और वह बोले, 'क्या तुम्हें पता है कि यह फीमेल कैरेक्टर सच में बहुत कूल है? तुम्हें यह करना ही होगा,' इस पर मैंने कहा कि मेरी एक रिक्वेस्ट है। क्या आप मुझसे डांस करवाएंगे? क्योंकि मैंने लंबे समय से डांस नहीं किया है। हालांकि, मुझे इसके बारे में पूछना ही नहीं चाहिए था, क्योंकि फिल्म में डांस है। इस पर महेश बाबू ने कहा, 'यह तुम्हारी वजह से है। तुम्हारी वजह से मुझे भी डांस करना पड़ेगा।'

महेश बाबू क्या बोले?

फिल्म में डांस को लेकर महेश बाबू ने कहा 'यह जबरदस्त है। मुझे लगता है कि हमने फिल्म के लिए एक गाना पहले ही शूट कर लिया है। वह हमारे दिमाग में बार-बार बजता रहता है। प्रियंका इसे हर वक्त गाती रहती हैं। फिल्म में गाना इसलिए लिया गया क्योंकि वह डांस करना चाहती थीं।'

कब रिलीज होगी 'वाराणसी'?

आपको बता दें कि फिल्म 'वाराणसी' एक एक्शन-एडवेंचर फिल्म है। निर्देशक एसएस राजामौली ने बताय है कि फिल्म के एक सीक्वेंस में महेश बाबू भगवान राम का रोल निभाते नजर आएंगे। यह फिल्म अप्रैल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसमें प्रियंका चोपड़ा के अलावा महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन होंगे।

पांचवें दिन 'मर्दानी 2' का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाई 'मर्दानी 3', बॉक्स ऑफिस पर 'बॉर्डर 2' ने बनाई मौजूदगी

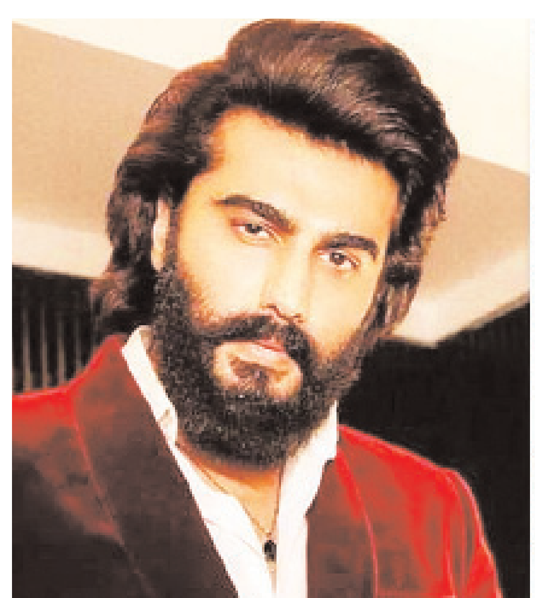

मां मोना कपूर को याद कर इमोशनल हुए अर्जुन, कहा -

'जिंदगी बहुत बेरहम है'

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर ने अपने जीवन के सबसे भावुक भरे पलों को साझा किया। मंगलवार को उन्होंने अपनी मां मोना कपूर की जयंती पर दिल छू लेने वाला पोस्ट इंस्टाग्राम पर साझा किया। इस पोस्ट में अर्जुन ने बताया कि हाल के दिनों में जिंदगी उनके लिए थोड़ी कठिन रही है, लेकिन उनकी मां की सिखाई हुई सीखें उन्हें हर मुश्किल का सामना करने की ताकत देती हैं। अर्जुन कपूर अक्सर सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करते रहते हैं। इस बीच उन्होंने अपनी मां की एक तस्वीर साझा की और साथ ही एक लंबा कैप्शन लिखा। उन्होंने लिखा, ''जन्मदिन मुबारक हो मां, आज आपके जन्मदिन पर मुझे आपकी बहुत याद आ रही है। जिंदगी बहुत बेरहम हो गई है, लेकिन मैं हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हूं।'' उन्होंने कहा, ''यह सब मैंने आपसे सीखा है कि जीवन में कठिनाइयों का सामना साहस, गरिमा और आत्मविश्वास के साथ करना चाहिए। चाहे कितनी भी मुश्किलें आएं, हमेशा उनसे निपटने को तैयार रहना चाहिए। अर्जुन ने कैप्शन में आगे लिखा, ''क्योंकि आपने मुझे सिखाया कि जिंदगी में मुश्किलों का सामना साहस के साथ करें, और हर हाल में सम्मान बनाए रखें... हम साथ में इसे पार करेंगे, आप और मैं। आपका प्यार करने वाला बेटा अर्जुन। अर्जुन की मां, मोना शौरी कपूर, का निधन 2012 में हुआ था। उनका देहांत 48 साल की उम्र में कैंसर और हाई ब्लड प्रेशर जैसी गंभीर बीमारियों के चलते मल्टीपल ऑर्गन फेलियर के कारण हुआ था। अर्जुन कपूर के इस पोस्ट पर फैंस ने कमेंट्स किए। यूजर्स ने कमेंट्स पर इमोशनल स्माइली, हार्ट इमोजी और प्यार भरे संदेश साझा किए। एक यूजर ने लिखा, 'अर्जुन, आपकी मां यकीनन आप पर बहुत गर्व करती होंगी। दूसरे यूजर ने लिखा, 'मां के बिना जिंदगी अधूरी लगती है, लेकिन आपके पोस्ट से लगा है कि उनकी शिक्षा और प्यार हमेशा हमारे साथ रहते हैं।'

युवाओं के साथ काम कर खुद को जवान महसूस करता हूं : अनिल कपूर

नेटफ्लिक्स के कार्यक्रम में वेब सीरीज 'फैमिली बिजनेस' की स्टार कास्ट ने शिरकत की। इस दौरान अभिनेता विजय वर्मा और अनिल कपूर ने फिल्म के कलाकारों और टीम की तारीफ की। अभिनेता विजय वर्मा ने कार्यक्रम के दौरान अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत खास है। मुझे अपने फेवरेट डायरेक्टर हंसल मेहता के साथ पहली बार काम करने का मौका मिला है। हंसल ने कमाल का काम किया है। उनका काम करने का तरीका बिल्कुल लेटेस्ट है। इस सीरीज में मेरा किरदार बेहद शानदार है। इसमें मैंने पहली बार विक्रम के साथ काम किया है और अनिल तो एवरग्रीन है ही। हमेशा उदार, सबसे डैशिंग, सबसे शानदार और सबसे कम उम्र के एक्टर जिनके साथ मैंने काम किया।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में अपराध चरम पर : तेजस्वी यादव

पटना। बिहार विधानसभा में गुरूवार को प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कानून-व्यवस्था सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला। सदन में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा में भाग लेते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि राज्य में कानून और व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रही। आपराधिक घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। हालांकि , अपने भाषण के दौरान तेजस्वी यादव थोड़े असहज थे। पैर में चोट होने के कारण उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार से बैठकर बोलने की अनुमति ली थी। उन्होंने सरकार को हर मुद्दे पर घेरा। तेजस्वी यादव ने अपनी बात की शुरूआत करते हुए कहा कि सरकार की दो पहचान हैं। पहली झूठी वाहवाही और दूसरी पूरी लापरवाही। उन्होंने कहा कि सरकार की नींद बेटियों की चीख से भी नहीं टूटती।सदन में अपराध के आंकड़े पढ़ते हुए उन्होंने सवाल किया कि आखिर कानून का राज कहां है? उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने लोकतंत्र को गनतंत्र बना दिया है। तेजस्वी ने कहा कि चुनाव में लोक हारा और तंत्र जीता। जैसे-तैसे ये लोग सरकार में आए हैं। प्रशासन के दम पर चुनाव जीता गया। उन्होंने कहा कि 20 सालों से सत्ता में रहने के बावजूद इन लोगों ने कोई ठोस काम नहीं किया। 10 लाख नौकरियां देने का काम महागठबंधन सरकार ने किया था और यह उनका वादा था। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आपका समय है, हमारा दौर आएगा। इसके बाद उन्होंने शायरी के जरिए सरकार को चेताते हुए कहा कि कुछ तालाब खुद को समंदर समझ बैठे हैं, सही वक्त पर हदों का एहसास करवा देंगे। तेजस्वी ने सवाल किया कि अगर बिहार इतना विकास कर रहा है, तो बताइए बिहार नंबर वन किस चीज में है। उन्होंने खुद ही जवाब दिया कि बिहार सबसे ज्यादा गरीब है। शिक्षा में फिसड्डी है। लोग तबाह हो गए हैं। भ्रष्टाचार में अव्वल है। अपराधियों का बोलबाला है। तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार है। डबल डिप्टी सीएम हैं। डबल डिजिट में सांसद हैं। 20 साल से यही सरकार है। इसके बावजूद 1961 जैसा ही बिहार आज भी खड़ा है। भाजपा को आरक्षण और लोकतंत्र विरोधी बताते हुए उन्होंने कहा कि बजट में सरकार ने उन्हीं वादों की नकल की है, जो पहले महागठबंधन ने किए थे। तेजस्वी यादव ने कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण में वही बातें दोहराई गईं। मुख्यमंत्री ताली बजाने को कह रहे थे, लेकिन असल में सदन उनके काम पर ताली बजा रहा था। कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर तेजस्वी ने कहा कि बिहार में अपराध चरम पर है। आए दिन हत्याएं हो रही हैं। नीट छात्रा से दुष्कर्म, खगड़िया और मुजफ्फरपुर में अपहरण के बाद हत्या जैसी घटनाएं सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि इसे जंगलराज कहा जाता है, लेकिन जंगलराज कहने से जानवर भी नाराज हो जाएंगे। थाना खामोश है। प्रशासन बेहोश है। सरकार मदहोश है। उन्होंने विशेष राज्य के दर्जे की मांग भी उठाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सड़क पर उतरें, हम साथ खड़े रहेंगे।

खोदावन्दपुर केविके में कद्दू वर्गीय सब्जी उत्पादन तकनीक विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

खोदावंदपुर/बेगूसराय। कृषि विज्ञान केंद्र खोदावंदपुर, बेगूसराय में कद्दू वर्गीय सब्जी उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुवार को किया गया. इसके अलावे कृषि प्रसार कार्यकताओं एवं कृषि इनपुट डीलर्स के लिए डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन सर्विसेज फॉर इनपुट कोर्स के द्वितीय बैच का उद्घाटन भी किया गया, जिसमें 40 प्रशिक्षणार्थियों को अगले एक वर्ष तक संस्थान में तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा. कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान डॉ राम पाल ने बताया कि यह दोनों कार्यक्रम किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने, उनकी उत्पादकता बढ़ाने तथा आय में वृद्धि करने की दिशा में एक प्रयास है. उन्होंने बताया कि डी ए इ एस आई कोर्स मुख्य रूप से कृषि इनपुट डीलर्स के लिए डिजाइन किया गया है. यह उन्हें पैरा-एक्सटेंशन प्रोफेशनल के रूप में विकसित करता है, ताकि वे किसानों को वैज्ञानिक एवं विश्वसनीय सलाह दे सकें. इस कोर्स में मिट्टी स्वास्थ्य प्रबंधन, बीज उत्पादन, सिंचाई तकनीक, फसल प्रबंधन आदि विषय शामिल हैं. उन्होंने बताया कि तकनीकी सत्रों के लिए विशेषज्ञ अतिथियों को आमंत्रित किया गया था, जिनमें कृषि विज्ञान केंद्र खगड़िया के विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ जितेंद्र कुमार तथा सब्जी उत्पादन तकनीक से डॉ रूपम रानी शामिल हुयी. इन विशेषज्ञों ने प्रशिक्षणार्थियों को उन्नत कृषि पद्धतियों, फसल प्रबंधन तथा कद्दू वर्गीय सब्जियों जैसे कद्दू, लौकी, तोरी आदि की आधुनिक उत्पादन तकनीकों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की. इस अवसर पर विशेष रूप से समेकित पोषण प्रबंधन तथा नेचुरल फॉर्मिंग पर जोर दिया गया. समेकित पोषण प्रबंधन में जैविक, अकार्बनिक एवं जैव उर्वरकों का संतुलित उपयोग करके मिट्टी की उर्वरता बनाये रखी जाती है, जबकि नेचुरल फॉर्मिंग प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित न्यूनतम बाहरी इनपुट वाली कृषि पद्धति है, जो मिट्टी स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण एवं सतत उत्पादन को बढ़ावा देती है। तीन दिवसीय प्रशिक्षण में कद्दू वर्गीय सब्जियों के लिए इन पद्धतियों का अनुप्रयोग, जैसे बीज उपचार, जीवामृत, मुल्चिंग एवं जैविक खाद का उपयोग पर चर्चा की गयी।

बिहार विधानमंडल बजट सत्र : पूरा देश जानता है जंगलराज का युवराज कौन है : विजय सिन्हा

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा में बजट सत्र के दौरान गुरुवार को सदन में उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि हम तेजस्वी यादव के दुख को समझते हैं, इसलिए उन्हें बैठकर बोलने के लिए कहा। तेजस्वी कह रहे थे कि गलत हुआ, लेकिन गलत करने का ठेका तो इन लोगों के पास है। पूरा देश जानता है जंगलराज का युवराज कौन है। लोकतंत्र को परिवारतंत्र बनाने वाले और जानवरों का चारा चुराने वाले उपदेश ना दें। विजय सिन्हा ने तेजस्वी पर व्यक्तिगत हमला करते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष को पहले अपने घर की बेटियों की इज्जत करना सीखनी चाहिए और बिहार की चिंता छोड़ देनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य की जिम्मेदारी के लिए डबल इंजन की सरकार जिम्मेदार है। उनके इस बयान ने सदन में राजनीतिक गर्माहट बढ़ा दी और विपक्षी दलों के सदस्य तीखी प्रतिक्रिया देने लगे।

इस पर राजद के विधायक भाई वीरेंद्र ने सिन्हा की बातों पर टोकना शुरू कर दिया। वीरेंद्र ने कहा कि यह अस्वीकार्य है और उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को लेकर कुछ गलत शब्दों का जिक्र किया उसके बाद दोनों नेताओं के बीच तकरार बढ़ गई, जिससे माहौल और तनावपूर्ण हो गया।

सदन की कार्यवाही को नियंत्रित करने के लिए स्पीकर ने तुरंत हस्तक्षेप किया और दोनों पक्षों से शांत रहने की अपील की। स्पीकर ने कहा कि सदन में सभी नेताओं को सम्मानपूर्वक अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन व्यक्तिगत आरोप और अपमानजनक टिप्पणियां स्वीकार्य नहीं हैं। उन्होंने कहा कि विधायकों को अपने व्यवहार में संयम दिखाना होगा और विधानसभा की गरिमा को बनाए रखना होगा।

बिहार विस में बजट सत्र के दौरान नीतीश-तेजस्वी में हुई नोक-झोंक

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा में गुरुवार को राज्यपाल के अभिभाषण धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान गुरुवार को बिहार विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को आड़े हाथों लिया। उनके बोलने के दौरान विपक्ष के बार बार के टोका टोकी पर नीतीश ने तेजस्वी यादव को कहा, अरे तुम बच्चा है। तुम्हारा बाप मेरे समय का ना है। बैठो बैठो। अरे उसकी शादी भी बाद में हुआ था। चलो बैठो हल्ला मत करो। मुख्यमंत्री ने चर्चा के दौरान तेजस्वी यादव की ओर इशारा करते हुए कहा कि इसको हम ही ने मौका दिया था। उस समय इधर-उधर नहीं करता था, लेकिन पैसा कमाने लगा। 2024 और 2025 के बजट में बिहार के लिए की गई घोषणा का मुख्यमंत्री ने जिक्र किया और कहा कि इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी का हम नमन करते हैं। तेजस्वी यादव के टोका-टोकी करने पर नीतीश कुमार ने कहा तुम अभी बच्चा हो, तुम्हारा बाप मेरे साथ काम करता था। नीतीश कुमार ने विपक्ष की ओर इशारा करते हुए कहा कि हम लोग काम कर रहे हैं तो सबका फायदा होगा, आप लोग का फायदा नहीं होगा क्या? मुख्यमंत्री ने धन्यवाद प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पास कराने का अनुरोध किया। राज्यपाल के अभिभाषण का धन्यवाद प्रस्ताव विधानसभा से पास हो गया है।

विधानसभा के बजट सत्र में नीतीश ने गिनाई सरकार की उपलब्धि, कहा -

2005 से पहले का हाल सभी जानते हैं

एजेंसी

पटना। बिहार विधानमंडल में बजट सत्र के तीसरे दिन विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि वर्ष 2005 से पहले क्या हाल था, सभी जानते हैं। जब से हमको सत्ता मिली है विकास के काम में लगे हैं। शाम 5 बजे के बाद घर से बाहर लोग नहीं निकलते थे शाम के बाद कोई बाहर नहीं जाता था। कितना हिंदू-मुस्लिम का झगड़ा होता था।

नीतीश कुमार ने कहा कि पढ़ाई का हाल बहुत ही बुरा था। 2005 से पहले स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से चौपट थी। इलाज का इंतजाम ही नहीं था। बिजली की स्थिति इतनी खराब थी कि लगता ही नहीं था कि कब आती है और कब जाती है। हमारी सरकार आने के बाद हर क्षेत्र में विकास हुआ है और आगे भी जारी रहेगा। अब कोई डर का माहौल नहीं है, शांति का माहौल है। नीतीश कुमार ने कहा कि हमारी सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में सबसे अधिक काम किया है। लड़की-लड़कियों के लिए पोशाक की योजना चलाई गई। साल 2023 से 2,58,000 सरकारी शिक्षकों की बहाली की गई। नियोजित शिक्षकों को सरकारी शिक्षक बनने के लिए पांच मौका देने की घोषणा की गई। अब तक चार मौका दिया जा चुका है। 2006 से 03 लाख नियोजित शिक्षक बने। मामूली परीक्षा लेकर नियोजित शिक्षकों को सरकारी शिक्षक बनाया जा रहा है। अब तक 2.66 लाख शिक्षक पास हो चुके हैं। अब 73,000 शिक्षक बच गए हैं, उन्हें एक मौका और मिलेगा। अब सरकारी शिक्षकों की संख्या पूरे राज्य में 5,24,000 हो गई है।

मुख्यमंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री और राजद प्रमुख लालू यादव पर तंज कसते हुए कहा कि हम लोगों की जब सरकार बनी, उससे पहले स्वास्थ्य व्यवस्था की स्थिति बहुत खराब थी। अस्पतालों में एक-दो मरीज ही आते थे। अब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में हर महीने औसतन 11,600 मरीज आते हैं। इन लोगों ने कोई काम नहीं किया था। खुद चले गए तो पत्नी को मुख्यमंत्री बना दिया। हम लोग जब सत्ता में आए तो मुफ्त में दवा की भी व्यवस्था करवाये। प्रदेश में 12 मेडिकल कॉलेज अभी काम कर रहे हैं। 27 मेडिकल कॉलेज और बनाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पटना मेडिकल अस्पताल को 5000 बेड का अस्पताल बना रहे हैं। कल भी जाकर देखे हैं और जल्दी से पूरा करने के लिए अधिकारियों को कहा है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि 10 लाख नौकरी और 40 लाख रोजगार यानी कि दोनों मिलकर 50 लाख नौकरी-रोजगार दिया जा चुका है। अगले 5 साल में एक करोड़ नौकरी और रोजगार दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा केंद्र सरकार का बिहार के विकास में पूरा सहयोग मिल रहा है।

सार्वजनिक जगहों पर नहीं बजेंगे अश्लील और दोहरे अर्थ के गाने : सम्राट चौधरी

एजेंसी

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अश्लील और दोहरे अर्थ वाले गानों के प्रसारण पर रोक लगाने के लिए सभी जिलों में विशेष अभियान चलाने और ऐसे मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट और सख्त लहजे में कहा है की सार्वजनिक स्थानों, समारोहों और वाहनों में इस तरह के गानों का प्रसारण किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री ने निर्देश जारी करते हुए गुरुवार को कहा कि दोहरे अर्थ वाले और अश्लील गाने समाज के लिए गंभीर समस्या बन चुके हैं। इस तरह के गाने बच्चों की सोच पर भी गलत असर डालते हैं। यह एक गंभीर सामाजिक समस्या है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। सार्वजनिक स्थानों और वाहनों में ऐसे गानों के प्रसारण से महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा प्रभावित होती है तथा वे असहज महसूस करती हैं।

सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह गंभीर है। इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन को निर्देश दिया गया है कि वह अश्लील और दोहरे अर्थ वाले गानों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करे। होली पर्व पर भी सभी जिलों में विशेष अभियान चलाए जाएंगे।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 296, 79 और अन्य संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। जरूरत पड़ने पर साउंड सिस्टम जब्त करने और आयोजकों और वाहन चालकों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने साफ कहा कि समाज में स्वस्थ और सुरक्षित माहौल बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है। महिलाओं की गरिमा और बच्चों के भविष्य से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

हथियार के साथ रंगदारी करना पड़ा महंगा, दो युवक गिरफ्तार

बक्सर। राजपुर थाना क्षेत्र के चौसा-नुआँव मुख्य पथ पर हथियार के बल पर रंगदारी करने की योजना बना रहे बाइक सवार दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस संबंध में पुलिस ने बताया कि बीते 4 फरवरी को गुप्त सूचना मिली थी कि दो युवक एक बाइक से रोइनी भान डेरा गांव की ओर आ रहे हैं। सूचना मिलते ही एसडीपीओ गौरव पांडेय के नेतृत्व में एसआईटी टीम का गठन किया गया और मुख्य पथ पर सघन वाहन जांच शुरू की गई। इसी दौरान पीले रंग की रीडर मोटरसाइकिल को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक भागने लगा। पुलिस ने खदेड़कर दोनों को पकड़ लिया। तलाशी में एक देशी कट्टा बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान राजपुर थाना क्षेत्र के डिहरी निवासी सत्यम राय और राजा बाबू शर्मा के रूप में हुई। पूछताछ में उन्होंने हथियार से लोगों को डराने की बात स्वीकार की।

राजस्व कर्मचारियों ने दिया शांतिपूर्ण धरना 17 सूत्री मांगों को लेकर उठी आवाज

बक्सर। बिहार राज्य राजस्व एवं भूमि सुधार कर्मचारी संघ (गोप गुट) के आवाहन पर जिले के सभी राजस्व कर्मचारियों ने एकदिवसीय धरना प्रदर्शन किया। यह धरना बाजार समिति स्थित गृहरक्षा वाहिनी के प्रांगण में आयोजित किया गया। धरना में जिला अध्यक्ष राहुल सिंह सहित जिले के सभी अंचलों से राजस्व कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कर्मचारियों ने 17 सूत्री मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध दर्ज कराया। धरना के दौरान प्रमुख मांगों में ग्रेड पे 1900 के स्थान पर 2800 किए जाने की मांग प्रमुख रही। इसके अलावा कर्मचारियों पर गलत कारणों से की जा रही बेवजह की कार्रवाई का विरोध किया गया। कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया कि उनसे छुट्टी के दिन भी कार्य कराया जाता है तथा सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक बिना किसी मूलभूत सुविधा के काम लिया जा रहा है। धरना के माध्यम से कर्मचारियों ने सरकार और प्रशासन से मांगों पर शीघ्र विचार करने की अपील की।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थित में हुई मौत परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

पूर्वी चंपारण। जिले के घोड़ासहन थाना क्षेत्र के निमोईया गांव में दहेज के लिए एक विवाहिता की गला घोंटकर हत्या का आरोप लगाया गया है। मायके पक्ष ने रागिनी कुमारी (22) के ससुराल वालों पर बाइक और सोने की चेन न मिलने पर हत्या करने का आरोप लगाया है।मृतका भोला साह की पत्नी रागिनी कुमारी है। मृतका के पिता मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बासमनपुर गांव निवासी परमेश्वर साह ने बताया कि उन्होंने साल 2024 में अपनी बेटी रागिनी की शादी भोला साह से की थी। शादी के बाद रागिनी को एक बेटा भी हुआ। हालांकि, विवाह के कुछ समय बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा लगातार दहेज की मांग की जाने लगी थी। परमेश्वर साह का आरोप है कि ससुराल वाले बाइक और सोने की चेन की मांग को लेकर रागिनी को प्रताड़ित करते थे। 14 जनवरी को रागिनी मायके से ससुराल गई थी। गुरुवार सुबह अचानक उन्हें सूचना मिली कि उनकी बेटी की मौत हो गई है। जब परिजन निमोईया गांव स्थित ससुराल पहुंचे, तो उन्होंने रागिनी का शव बेड पर पड़ा देखा, जबकि घर के सभी सदस्य फरार थे। मृतका के पिता ने बताया कि जब उन्होंने रागिनी के चेहरे से कपड़ा हटाया, तो उसके गले पर गहरे निशान दिखाई दिए, जिससे गला घोंटकर हत्या किए जाने की आशंका और बढ़ गई। इसके बाद तत्काल घोड़ासहन थाना पुलिस को सूचना दी गई। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि महिला की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। परिजनों की ओर से आवेदन मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस फिलहाल मामले की जांच में जुटी है और फरार ससुराल पक्ष की तलाश कर रही है।

सुरक्षा मानकों को नजरअंदाज कर सड़क का निर्माण, प्रशासन को वीडियो भेज शिकायत

अररिया। बिहार में अररिया जिले के फारबिसगंज शहर के मुख्य सड़क मार्ग सदर रोड के निर्माण कार्य में सुरक्षा मानकों को नजरअंदाज किया जा रहा है। निर्माण कार्य करा रही एजेंसी की ओर से बरती जाने वाली लापरवाही को लेकर स्थानीय निवासी प्रमोद पांडिया ने डीएम अररिया को मेल के माध्यम से शिकायत कर हस्तक्षेप की मांग की है। प्रमोद पांडिया ने डीएम को कई बिंदुओं पर ध्यान आकृष्ट करते हुए बताया कि निर्माण स्थल पर किसी तरह का सूचना बोर्ड या साइन बोर्ड नहीं है। डायवर्सन नहीं होने के कारण स्कूली बच्चों और एम्बुलेंस जैसी आपातकालीन सेवा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।रात में सड़क पर पड़े पत्थर और गड्ढे बड़े हादसों को आमंत्रित कर रहा है। प्रमोद पांडिया ने साक्ष्य के तौर पर डीएम को वीडियो सौंपा है और हस्तक्षेप करते हुए तत्काल संवेदक को सूचना बोर्ड और डायवर्सन की व्यवस्था सुदृढ़ कराने की मांग की गई है।उन्होंने सुरक्षित,सुंदर और स्वच्छ फारबिसगंज की कल्पना को साकार करने के लिए सोशल मीडिया पर भी लामबद्ध होने की गुहार लगाई है।

बिहार में रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए वित्त वर्ष 2025-26 में 1,828 करोड़ का आवंटन

छपरा जंक्शन समेत बिहार के स्टेशनों के पुनर्विकास पर संसद में सांसद रूडी ने उठाया मुद्दा

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत छपरा सहित बिहार के 98 स्टेशन

छपरा, सोनपुर, दिघवारा, एकमा और मशरख स्टेशनों पर कार्य प्रगति पर

यात्री सुविधाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण पर विशेष जोर

प्रातः नागपुरी संवाददाता

छपरा। सारण सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी द्वारा लोकसभा में पूछे गए तारांकित प्रश्न के उत्तर में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बिहार के रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की प्रगति पर विस्तृत जानकारी दी।

रेल मंत्री ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में बिहार के चार रेलवे जोनों के लिए 1,828 करोड़ का आवंटन किया गया है, जिसमें से दिसंबर 2025 तक 1,451 करोड़ व्यय हो चुके हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत बिहार के 98 स्टेशन चयनित हैं, जिनमें सारण जिले के

छपरा जंक्शन, सोनपुर, दिघवारा, एकमा और मशरख स्टेशन शामिल हैं। मंत्री ने सदन को अवगत कराया कि छपरा जंक्शन पर प्रतीक्षालय, शौचालय, प्लेटफॉर्म शेल्टर, ऊपरी पैदल पुल, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग, इलेक्ट्रॉनिक सूचना बोर्ड, लिफ्ट, प्लेटफॉर्म विस्तार एवं सतह सुधार जैसे कई कार्य पूरे किए जा चुके हैं।

साथ ही दूसरे प्रवेश द्वार के विकास, पार्सल कार्यालय व गोदाम उन्नयन तथा यंत्रीकृत लॉन्ड्री क्षमता विस्तार के कार्य प्रगति पर हैं। सदन के बाहर मीडियाकर्मियों से बातचीत में सांसद श्री रूडी ने बताया कि छपरा रेल व्यावसायिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में मंडल की कुल आय 1,321.99 करोड़ रही, जिसमें लगभग 38 प्रतिशत (502.36 करोड़) माल यातायात से तथा 55 प्रतिशत (727.09 करोड़) यात्री यातायात से प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि स्टेशन पुनर्विकास से न केवल यात्री सुविधाओं का विस्तार होगा, बल्कि सारण जिले की आर्थिक गतिविधियों और रेलवे राजस्व में भी निरंतर प्रयास वृद्धि होगी।

दक्षिण अमेरिका की सबसे ऊंची चोटी फतह करने के लिए दिल्ली से पर्वतारोही रवाना

रक्षा मंत्री ने साउथ ब्लॉक से इस संयुक्त अभियान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण अमेरिका की सबसे ऊंची चोटी और एशिया के बाहर का सबसे ऊंचा पर्वत फतह करने के लिए गुरुवार को नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक से एक दल रवाना हुआ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अर्जेंटीना के माउंट एकोनकागुआ के लिए इस संयुक्त अभियान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह यात्रा 6 फरवरी को शुरू होगी और इस माह के अंत तक समाप्त होने की उम्मीद है। उत्तरकाशी के नेहरू पर्वतारोहण संस्थान (एनआईएम) और पहलगाम के जवाहर पर्वतारोहण एवं शीतकालीन खेल संस्थान (जेआईएम एंड डब्ल्यूएस) की ओर से यह संयुक्त अभियान संचालित किया जा रहा है। नई दिल्ली से रवाना हुआ छह सदस्यीय दल 6,961 मीटर की

ऊंचाई वाला यह पर्वत फतह करने के लिए निकला है। इस टीम में कर्नल हेम चंद्र सिंह, कैप्टन जी संतोष कुमार, दीप बहादुर साही, विनोद गुसैन, नायब सिपाही भूपिंदर सिंह और हवलदार रमेश कुमार हैं।

रक्षा मंत्री ने टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस दुर्गम शिखर पर चढ़ाई करना केवल शारीरिक सहनशक्ति की परीक्षा नहीं है, बल्कि नेतृत्व, टीम वर्क और मानसिक दृढ़ता की सच्ची परीक्षा है, जो देश के सर्वश्रेष्ठ पर्वतारोहियों की पहचान है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह सदस्य दक्षिण अमेरिका के सर्वोच्च शिखर और एशिया के बाहर सबसे ऊंचे पर्वत पर चढ़ाई को सफलतापूर्वक पूरा करेंगे और देश को गौरवान्वित करेंगे। उन्होंने कहा कि एकोनकागुआ पर्वत पर प्राप्त ज्ञान, अनुभव और आत्मविश्वास देश भर के युवाओं, सशस्त्र बलों के कर्मियों और साहसिक गतिविधियों के शौकीनों के सुरक्षित, सशक्त और अधिक प्रभावी प्रशिक्षण में प्रत्यक्ष रूप से योगदान देगा। यह अभियान वैश्विक स्तर पर साहसिक गतिविधियों और पर्वतीय अन्वेषण में भारत की बढ़ती उपस्थिति का प्रतीक भी है।

अजित पवार की अस्थियां गंगा में विसर्जित, एनसीपी युवा विंग ने शुरू की अस्थि कलश यात्रा

हरिद्वार। पिछले दिनों विमान हादसे में दिवंगत महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की अस्थियां गुरुवार को गंगा में विधिविधान के साथ प्रवाहित कर दी गईं। पवार की पार्टी राष्ट्रवादी युवा कांग्रेस ने उनकी अस्थि कलश के साथ एक यात्रा भी शुरू की है। आज सवेरे राष्ट्रवादी युवा कांग्रेस के अध्यक्ष धीरज शर्मा महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की अस्थियां लेकर हरिद्वार के वीआईपी घाट पहुंचे। पवार के पुरोहित अभिषेक झा ने पूरे विधिविधान के साथ अजीत पवार की अस्थियों का विसर्जन कराया। इस मौके पर राष्ट्रवादी युवा कांग्रेस के अध्यक्ष धीरज शर्मा ने बताया कि राष्ट्रवादी युवा कांग्रेस दिवंगत नेता अजीत दादा की याद में एक भव्य श्रद्धांजलि अस्थिकलश यात्रा निकालेगी। उन्होंने बताया कि इस यात्रा का विधिवत शुभारंभ आज धर्मनगरी हरिद्वार में गंगा तट पर हिंदू रीति-रिवाजों के साथ किया गया। उन्होंने बताया कि यह यात्रा हरिद्वार से शुरू होकर काशी, मध्य प्रदेश में नर्मदा नदी, गुजरात में साबरमती, और जम्मू-कश्मीर में चेनाब नदी तक जाएगी। इस यात्रा का विस्तार दक्षिण भारत के रामेश्वरम और कन्याकुमारी तक होगा, जहां विभिन्न पवित्र नदियों में उनकी अस्थियों को प्रवाहित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अजीत दादा की विचारधारा को मानने वाले लोग पूरे हिंदुस्तान में हैं। हम इस यात्रा के माध्यम से हर उस कार्यकर्ता और प्रशंसक को उनके अंतिम दर्शन का अवसर देना चाहते हैं, जो उनसे जुड़ाव महसूस करता है। इस मौके पर धीरज शर्मा और तीर्थ पुरोहित उज्जवल पंडित के अलावा पूर्व मेयर हरिद्वार मनोज गर्ग, डॉ बृजेश यादव, डॉ विमल शर्मा, सौरभ आहूजा, युवराज सिंह, अंकित चौधरी आदि सहित बड़ी संख्या में एनसीपी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यूपी में अब चाइनीज मांझे से मौत मानी जाएगी हत्या, सीएम ने अपनाया सख्त रुख

लखनऊ। यूपी में चाइनीज मांझे से मौत को अब हत्या माना जाएगा। प्रदेश में लगातार हो रहे हादसों पर सीएम योगी ने सख्ती दिखाई है। इसके इस्तेमाल और बिक्री पर रोक को लेकर सख्त रुख अपनाया गया है।

सीएम ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रदेशभर में विशेष अभियान चलाकर ऐसे मांझे की बिक्री, भंडारण और सप्लाई करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम योगी ने कहा कि चाइनीज मांझे से होने वाली मौतों को गंभीर अपराध माना जाएगा और जरूरत पड़ने पर ऐसे मामलों को हत्या की श्रेणी में दर्ज किया जा सकता है। इसके साथ ही अधिकारियों को जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं, ताकि लोग इस खतरनाक मांझे के इस्तेमाल से बचें और सुरक्षित विकल्प अपनाएं। उन्होंने पुलिस प्रमुखों को स्पष्ट निर्देश दिए कि अवैध मांझे की सप्लाई चेन की पहचान कर बड़े स्तर पर छापेमारी की जाए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। बता दें 4 फरवरी को लखनऊ में एमआर बाइक से जा रहे थे। तभी उनके गले में चाइनीज मांझा फंस गया। खून से लथपथ होकर वह बाइक समेत गिर गए और करीब 10 मिनट तक तड़पते रहे। राहगीरों ने उन्हें ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। चाइनीज मांझा बेहद खतरनाक होता है जिसे देखते हुए सरकार ने अब सख्त रुख अपनाया और इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगी।

सरकार बनते ही मणिपुर में बवाल, कुकी समूहों ने दी चेतावनी

इंफाल। मणिपुर में नई सरकार के गठन के साथ ही राज्य में एक बार फिर तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई है। लंबे समय से जारी राष्ट्रपति शासन के हटने और भाजपा नेता युमनाम खेमचंद सिंह के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद कुकी समुदाय के संगठनों ने तीखा विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। नई सरकार का गठन और नेतृत्व बुधवार को भाजपा विधायक युमनाम खेमचंद सिंह ने मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। गौरतलब है कि एन. बीरेन सिंह के इस्तीफे और राज्य में महीनों तक चली

जातीय हिंसा के बाद राष्ट्रपति शासन लागू था, जिसे अब हटा लिया गया है। सरकार में संतुलन बनाने के लिए दो उपमुख्यमंत्री बनाए गए हैं: नेमचा किपजेन: भाजपा विधायक (कुकी समुदाय से)। एल. दिखो: नगा पीपुल्स फ्रंटके विधायक कुकी संगठनों का कड़ा विरोध और चेतावनी : नई सरकार के गठन, विशेष रूप से कुकी विधायकों की भागीदारी को लेकर कुकी समुदाय के संगठनों में भारी आक्रोश है। चुराचांदपुर स्थित जनजातीय संगठन ज्वाइंट फोरम ऑफ सेवनइ ने शुक्रवार सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक कुकी-जो बहुल इलाकों में पूर्ण बंद का आह्वान किया है। संगठन ने मांग की है कि कुकी समुदाय के लिए एक अलग प्रशासन की व्यवस्था की जाए। कुकी जो काउंसिल और कई उग्रवादी समूहों ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि समुदाय का कोई भी विधायक अगर अपनी मर्जी से सरकार में शामिल होता है, तो वह उसकी व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी। संगठनों ने चेतावनी दी है कि इस एकतरफा निर्णयइ के बाद पैदा होने वाले किसी भी परिणाम के लिए वे जिम्मेदार नहीं होंगे। सरकार के शपथ ग्रहण के तुरंत बाद कांगपोकपी जिले के लीमाखोंग जैसे इलाकों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर टायर जलाकर और बांस लगाकर रास्ता जाम कर दिया। विशेष रूप से नेमचा किपजेन के उपमुख्यमंत्री बनने का विरोध किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प पर हमले की कोशिश करने वाले शख्स को उम्रकैद

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की हत्या की कोशिश के मामले में दोषी ठहराए गए रयान राउथ को फेडरल कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, सजा बुधवार (स्थानीय समय) को सुनाई गई। यह घटना 15 सितंबर 2024 को हुई थी, जब ट्रम्प राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रचार कर रहे थे। राउथ एके-47 जैसी सोवियत शैली की राइफल और बॉडी आर्मर के साथ ट्रम्प के गोल्फ कोर्स के पास झाड़ी में पास छिपा था। एक सीक्रेट सर्विस एजेंट ने राइफल की नली और आरोपी का चेहरा देखा और गोली चलाई, जिसके बाद राउथ मौके से भाग गया। बाद में उसकी गाड़ी की नंबर प्लेट के आधार पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। अदालत ने रयान राउथ को सितंबर 2024 में पांच आरोपों में दोषी ठहराया था। इनमें घटना के समय राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ट्रम्प की हत्या की कोशिश का मामला भी शामिल है। यह फैसला अमेरिकी जिला जज एलीन कैनन ने सुनाया। अदालत की कार्यवाही के दौरान जज कैनन ने कहा कि आरोपी ने रयान का इरादा साफ तौर पर ट्रम्प की हत्या करना था और अपने मंसूबे को अंजाम देने के बेहद करीब पहुंच गया था। उम्रकैद के अलावा राउथ को कई अन्य सजाएं भी दी गईं, जो साथ-साथ चलेंगी। इनमें हिंसक अपराध के दौरान हथियार रखने पर 84 महीने, एक फेडरल अधिकारी पर हमला करने के लिए 240 महीने, सजायाफ्ता अपराधी होने के बावजूद हथियार रखने पर 18 महीने और सीरियल नंबर मिटे हथियार के कब्जे के लिए 60 महीने की सजा शामिल है।

जमात-ए-इस्लामी के बदले तेवर, चुनावी घोषणापत्र में भारत से अच्छे रिश्तों का वादा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में इसी महीने 12 फरवरी को चुनाव हैं। ऐसे में देश के अंदर प्रमुख राजनीतिक दल जमात-ए इस्लामी एक अहम ताकत के रूप में उभरती नजर आ रही है। भारत विरोधी गुट के रूप में पहचान जाने वाले जमात ने अपना बुधवार (04 फरवरी) को घोषणा पत्र जारी किया, जिसमें उन्होंने भारत के साथ अच्छे रिश्तों पर जोर दिया। बांग्लादेश की प्रमुख इस्लामी पार्टी जमात-ए-इस्लामी ने चुनावों से पहले 41 सूत्रीय घोषणापत्र जारी किया, जिसमें न्याय और आर्थिक क्षेत्रों में सुधारों के साथ-साथ मंत्रिमंडल में महिलाओं को शामिल करने का वादा किया गया है। जमात के प्रमुख शफीकुर रहमान ने घोषणापत्र जारी किया, जिसमें पार्टी के सत्ता में आने पर 'राजकब्जा में पर्याप्त संख्या में महिलाओं को शामिल करने' का वादा किया गया।, हालांकि पार्टी ने कोई भी महिला उम्मीदवार को चुनावी मैदान में नहीं उतार है। इस्लामिक कंजर्वेटिव पार्टी जमात-ए-इस्लामी ने अपने घोषणापत्र में भारत सहित पड़ोसी देशों के साथ रचनात्मक और सहयोगात्मक रिश्ते बनाए रखने का वादा किया है। पार्टी के बयान के अनुसार ये संबंध आपसी सम्मान और निष्पक्षता के आधारित होंगे। घोषणापत्र में दावा किया गया कि भारत, श्रीलंका, भूटान, नेपाल, म्यांमार, मालदीव और थाइलैंड के साथ शांतिपूर्ण, मित्रतापूर्ण और सहयोगी संबंध स्थापित किए जाएंगे। पार्टी ने जोर दिया कि क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और साझा समृद्धि के लिए पड़ोसियों के साथ संवाद और सहयोग को प्राथमिकता दी जाएगी।

ऊर्जा सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता, किसी भी नए विकल्पों के मूल्यांकन के लिए तैयार : भारत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने कहा है कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों को देखते हुए उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता अपने 140 करोड़ लोगों की ऊर्जा सुरक्षा है। वह वेनेजुएला समेत किसी भी नए आपूर्ति विकल्प के वाणिज्यिक लाभों का मूल्यांकन करने के लिए तैयार है। भारत ने दोहराया कि वह ऊर्जा आपूर्ति में विविधता लाने का पक्षधर है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को यहां साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में एक बार फिर ऊर्जा जरूरतों और लाभकारी मूल्यों को निर्णय का आधार बताया। उन्होंने दोहराया कि भारत आपूर्ति में विविधता लाने का पक्षधर है। भारत की इस टिप्पणी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान से जोड़कर देखा जा रहा है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि भारत रूसी तेल खरीदी बंद करने पर सहमत हो गया है। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका के बीच हाल ही में व्यापार समझौता सम्पन्न हुआ है। समझौते के बाद अमेरिका ने भारतीय समानों पर लग रहा अतिरिक्त टैरिफ हटा लिया है। वहीं ट्रम्प ने दावा किया है कि भारत

रूस से तेल खरीदी नहीं करेगा और वेनेजुएला को प्राथमिकता देगा।

जायसवाल ने भारत अमेरिकी समझौते से जुड़े कई प्रश्नों के उत्तर दिए। प्रवक्ता ने राष्ट्रपति ट्रंप के दावे पर कहा, ऊर्जा आपूर्ति के संबंध में सरकार ने कई मौकों पर सार्वजनिक रूप से बयान दिया है। सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता 140 करोड़ भारतीयों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है। भारत की रणनीति रही है कि अपने इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बाजार स्थितियों और बदलते वैश्विक घटनाक्रम के अनुरूप ऊर्जा स्त्रोतों में विविधता लाए। भारत के सभी कदम इसी बात को ध्यान में रखकर उठाए गए हैं और भविष्य में भी उठाए जाएंगे। ट्रम्प के वेनेजुएला से तेल खरीद से संबंधित दावों पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि वेनेजुएला भारत का ऊर्जा क्षेत्र, व्यापार और निवेश को लेकर लंबे समय से सहयोगी रहा है। वेनेजुएला भारत का 2019-20 तक तेल खरीद का सबसे बड़ा स्त्रोत रहा है। बाद में प्रतिबंधों के चलते हमने तेल खरीद रोक दी थी। वहीं भारतीय तेल कंपनियों का वेनेजुएला की राष्ट्रीय तेल कंपनियों के साथ सहयोग पहले से रहा है। ऊर्जा सुरक्षा को लेकर भारत वेनेजुएला सहित किसी भी नए कच्चे तेल आपूर्तिकर्ता से जुड़े विकल्पों के वाणिज्यिक फायदों को जानने के लिए तैयार है। इसके अलावा, भारत अमेरिकी व्यापार समझौते से जुड़े कई प्रश्नों के उत्तर में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने वाणिज्य मंत्रालय और वाणिज्य मंत्री के बयानों पर गौर फरमाने के लिए कहा।

रूस गैरकानूनी तरीके से पावर ग्रिड को बना रहा निशाना

कीव। हाल के दिनों में रूस ने यूक्रेन के उर्जा ठिकानों पर हमले किए हैं। जिसके बाद यूक्रेन ने भी आरोप लगाया है कि रूसी मिसाइलें और ड्रोन गैरकानूनी तरीके से उनके उर्जा ठिकानों को निशाना बना रहे हैं। यूक्रेन का आरोप है कि उनके ऊर्जा ठिकानों, पावर ग्रिड पर हमले के चलते देश की अब तक की सबसे ठंडी सर्दियों में से एक में लोग अंधेरे और ठंड में रहने को मजबूर हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को कहा, सर्दियों के सबसे ठंडे दिनों का फायदा उठाकर लोगों को डराना रूस के लिए कूटनीति से ज्यादा जरूरी है। वहीं रूस का कहना है कि उसके हमले सैन्य अभियान का एक वैध हिस्सा हैं। तो क्या युद्ध के दौरान ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमले की अनुमति है? संयुक्त राष्ट्र विशेष न्यायालय के पूर्व मुख्य अभियोजक डेविड क्रेन ने बताया कि युद्ध के दौरान पक्ष कानूनी रूप से पावर ग्रिड को निशाना बना सकते हैं, लेकिन हमला सीधे तौर पर एक वैध सैन्य लक्ष्य को प्रभावित करने वाला होना चाहिए।

अमेरिकी कानून का सामना कर रहे मादुरो की बढ़ी मुश्किलें

एजेंसी

वाशिंगटन। अर्जेंटीना के एक जज ने बुधवार को अमेरिका से वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सौंपने की औपचारिक मांग की है। फिलहाल वह न्यूयॉर्क की एक जेल में बंद हैं और उन पर नशीले पदार्थों की तस्करी के आरोप हैं। गौरतलब है कि अमेरिकी सेना ने एक विशेष ऑपरेशन में पिछले महीने मादुरो को पकड़ा था। मामले में अर्जेंटीना के संघीय जज ने एक वारंट पर हस्ताक्षर किए हैं। इस काराकास में मादुरो पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपने शासन के दौरान प्रदर्शनकारियों और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ हिंसा करवाई। इसमें लोगों को प्रताड़ित करना और जबरन गायब करना शामिल है। मामलों में नागरिकों को बनाया गया है वादी : इस मामलों में उन वेनेजुएला के नागरिकों को वादी बनाया गया है जिन्होंने सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंटों के हाथों भयानक यातनाएं झेली हैं। यह कानूनी लड़ाई साल 2023 में ब्यूनस आयर्स में मानवाधिकार संगठनों

ने शुरू की थी। यहां की अदालतें पहले भी देश के बाहर मानवाधिकार हनन के मामलों की जांच करती रही हैं। तीन जनवरी को अमेरिकी सेना ने मादुरो को सत्ता से हटाया था, जिसके बाद अर्जेंटीना के सरकारी वकीलों ने जज रामोस से इस प्रत्यर्पण अनुरोध को आगे बढ़ाने का आग्रह किया था।

अर्जेंटीना ने 1997 की प्रत्यर्पण संधि का हवाला देते हुए यह मांग की है। हालांकि, इसकी संभावना कम है कि ट्रंप प्रशासन इस पर तुरंत अमल करेगा। इसका मुख्य कारण अमेरिका में मादुरो पर चल रहा मुकदमा है। मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोर्स अभी ब्रुकलिन की जेल में हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने 25 वर्षों तक ड्रग कार्टेल के साथ मिलकर अमेरिका में हजारों टन ड्रग भेजने में मदद की। राजनीतिक समीकरणों की बात करें तो अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली खुद को डोनाल्ड ट्रंप का करीबी सहयोगी मानते हैं और उन्होंने मादुरो की गिरफ्तारी का स्वागत किया था। मानवाधिकार संगठनों ने इस प्रत्यर्पण अनुरोध को ऐतिहासिक बताया है। 'अर्जेंटीना फोरम फॉर द डिफेंस ऑफ डेमोक्रेसीइ ने कहा कि यह उन पीड़ितों की जीत है जिन्होंने ताकतवर लोगों के खिलाफ बोलने की हिम्मत दिखाई।

अमेरिका में टैक्सी चलाने को मजबूर पाकिस्तान के पूर्व डिप्टी स्पीकर कासिम खान

वाशिंगटन। पाकिस्तान नेशनल असेंबली के पूर्व डिप्टी स्पीकर कासिम खान सूरी इन दिनों गुजर-बसर करने के लिए अमेरिका में टैक्सी चलाने को मजबूर हैं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) अमेरिका द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी सरकार द्वारा उनकी संपत्ति और बैंक खाते जब्त किए जाने के बाद वह अब अमेरिका में ड्राइविंग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यहां ड्राइवर के रूप में काम करते हुए मुझे वित्तीय चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन ईमानदारी से जीविका कमाने पर मुझे गर्व है। जारी वीडियो में बताया गया है कि कासिम खान सूरी को पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का समर्थन करने के कारण दर्जनों फर्जी मामलों में फंसा दिया गया। उनकी संपत्ति और बैंक खातों की जब्ती कर ली गई। साथ ही पाकिस्तान से जबरन खदेड़ दिया गया। कासिम खान ने कहा कि यह वह कीमत है जो कई लोगों ने केवल इमरान खान के साथ लोकतंत्र, कानून के शासन और पाकिस्तान के लोगों के सम्मान के लिए खड़े होने के कारण चुकाई है।

श्रीलंका में पवित्र देवनीमोरी अवशेषों की प्रदर्शनी, प्रधानमंत्री मोदी ने जताया आभार

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके को कोलंबो स्थित पवित्र गंगारामय मंदिर में भगवान बुद्ध के पवित्र देवनीमोरी अवशेषों की प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अलग-अलग पोस्ट में कहा कि अप्रैल 2025 में अपनी श्रीलंका यात्रा के दौरान यह निर्णय लिया गया था कि इन पूजनीय अवशेषों को श्रीलंका लाया जाएगा, ताकि वहां के लोग उन्हें नजदीक से देख सकें और श्रद्धा अर्पित कर सकें। यह कदम भारत और श्रीलंका के बीच गहरे सभ्यतागत और आध्यात्मिक संबंधों का प्रतीक है,

जो सदियों से साझा विरासत और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से पोषित होते आए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पवित्र देवनीमोरी अवशेषों का श्रीलंका आगमन दोनों देशों के बीच स्थायी आध्यात्मिक बंधन का प्रमाण है। भगवान बुद्ध का शाश्वत संदेशकरुणा, शांति और सद्भाव मानवता को मार्गदर्शन देता रहेगा और सीमाओं से परे एकता और समझ को बढ़ावा देगा। प्रधानमंत्री ने अपने पोस्ट में लिखा कि दोनों राष्ट्र गहरे सभ्यतागत और आध्यात्मिक बंधनों से जुड़े हैं। भगवान बुद्ध का शाश्वत संदेश करुणा, शांति और सद्भाव का मार्ग दिखाता रहे। इससे पहले बुधवार को श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने एक्स पोस्ट साझा कर भगवान बुद्ध से जुड़े अवशेषों को प्रदर्शनी के लिए कोलंबो लाए जाने का मार्ग सुगम बनाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और भारत सरकार का आभार व्यक्त किया था।

इमरान खान के बेटे को पाकिस्तान आने ही नहीं दे रही शरीफ सरकार

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बीते 2 साल से भी ज्यादा समय से जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटों ने शहबाज शरीफ सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इमरान खान के बेटे कासिम ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तानी अधिकारी जानबूझकर उनके और उनके भाई के वीजा प्रोसेस में देरी कर रहे हैं ताकि वे पाकिस्तान ना आ पाएं। कासिम के आरोप हैं कि उन्हें अपने पिता से मिलने नहीं दिया जा रहा है। इससे पहले इमरान खान के स्वास्थ्य में तेजी से गिरावट की खबरें सामने आई थीं।

बता दें कि कासिम और उनके बड़े भाई सुलेमान फिलहाल अपनी मां

जेमिमा गोल्डस्मिथ के साथ लंदन में रहते हैं। बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, कासिम ने अपनी व्यथा सुनाई। उन्होंने पोस्ट में लिखा, मैं और मेरा भाई अपने पिता से मिलने के लिए पाकिस्तान जाने की कोशिश कर रहे हैं। 914 दिनों से उन्हें एकांत कारावास में रखा गया है, जबकि उनका स्वास्थ्य बिगड़ रहा है। उन्हें सही चिकित्सा देखभाल से भी वंचित किया जा रहा है।

कासिम ने कहा है कि सरकार जानबूझकर उनके वीजा को प्रोसेस नहीं कर रही है। उन्होंने लिखा, एक कैदी को इलाज से वंचित करना क्रूरता है। बच्चों को अपने पिता से मिलने के अधिकार से वंचित करना सजा हैइ कासिम ने अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप की अपील करते हुए लिखा, मैं अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों और सरकारों से अपील करता हूं कि इससे पहले कि बहुत बड़ा नुकसान हो जाएं, आवाज उठाएं और कार्रवाई करें। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक बीते दिनों इमरान खान की सेहत बिगड़ने के बाद उन्हें पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ले जाया गया था।

आरसीबी ने तोड़ा दिल्ली का दिल, दूसरी बार जीता डब्ल्यूपीएल का खिताब

मंधाना-वोल की ऐतिहासिक साझेदारी से आरसीबी की टीम दूसरी बार बनी चैंपियन

203 रन के बावजूद डीसी का खिताबी इंतजार जारी

एजेंसी

वडोदरा। कहानी बदलनी थी, लेकिन अंजाम वही रहा। महिला प्रीमियर लीग यानी डब्ल्यूपीएल 2026 के फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने 203 रन का विशाल स्कोर खड़ा करने के बावजूद एक बार फिर खिताब गंवा दिया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने ऐतिहासिक रन चेज करते हुए 19.4 ओवर में 204/4 रन बनाकर खिताब अपने नाम किया। यह डीसी की लगातार चौथी फाइनल हार है, जबकि आरसीबी ने दूसरी बार डब्ल्यूपीएल ट्रॉफी जीती। फाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए डीसी की शुरूआत बेहद धीमी रही। पावरप्ले के पहले तीन ओवरों में टीम सिर्फ 9 रन ही जोड़ सकी। लिजेल ली को लॉरेन बेल के खिलाफ रन बनाने में खासी दिक्कत हुई। इसके बाद सायली सतघरे के ओवर में ली ने लगातार दो छक्के जड़कर पारी को रफ्तार दी। शेफाली वर्मा ने सीमित गेंदों में दो चौके लगाए लेकिन उसी ओवर में आउट हो गईं। इसके बावजूद लिजेल ली ने श्रीयंका पाटिल के ओवर में 19 रन बटोरकर डीसी को मजबूती दी। ली 37 रन बनाकर आउट हुईं, लेकिन तब तक लय डीसी के पक्ष में आ चुकी थी।

इसके बाद जेमिमा रोड्रिग्स ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए सिर्फ 32 गेंदों में अर्धशतक जड़ा और टीम को 94/2 तक पहुंचाया। उनके आउट होने के बावजूद डीसी की रफ्तार नहीं थमी। अंतिम ओवरों में चिनेल हेनरी ने विस्फोटक बल्लेबाजी की। एक ओवर में 4,4,4,4,6 लगाकर उन्होंने मैच का रुख ही बदल दिया। लॉरा वोलवार्ट की अहम बाउंड्री के साथ डीसी ने स्कोर 203/4 तक पहुंचाया। इस मैदान पर डब्ल्यूपीएल 2026 में इससे पहले 160 से ज्यादा का स्कोर कभी चेज नहीं हुआ था और टूर्नामेंट के इतिहास में भी सिर्फ एक बार 200+ लक्ष्य हासिल किया गया था। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरूआत भी सहज नहीं रही। ग्रेस हैरिस ने दो चौके जरूर लगाए, लेकिन चिनेल हेनरी ने उन्हें जल्दी आउट कर दबाव बना दिया। कप्तान स्मृति मंधाना शुरूआती ओवरों में ज्यादा स्ट्राइक पर नहीं रहीं, लेकिन जॉर्जिया वोल ने लगातार बाउंड्री लगाकर रनरेट को गिरने नहीं दिया।

ईशा ने एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में दूसरा गोल्ड जीता

10 मीटर एयर पिस्टल सम्राट को ब्रॉन्ज, पहले दिन भारत ने 9 मेडल जीते

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईशा सिंह ने एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में दूसरा गोल्ड जीत लिया है। नई दिल्ली के डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में विमेंस 10 मीटर एयर पिस्टल में ईशा ने 239.8 का स्कोर किया। वहीं मेंस 10 मीटर एयर पिस्टल में सम्राट राणा को ब्रॉन्ज मेडल मिला।

19वें शॉट में बढ़त बनाई- बुधवार को खेले गए फाइनल में ईशा ने शुरुआती पांच शॉट के बाद सातवें स्थान से वापसी करते हुए 19वें शॉट के बाद निर्णायक बढ़त बनाई। चीनी ताइपे की चेंग येन चिंग को सिल्वर और यू वी एन को ब्रॉन्ज मिला।

सम्राट राणा को ब्रॉन्ज- पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में भारत के सम्राट राणा ने 220.3 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। इस इवेंट में उज्बेकिस्तान के विलामदिर स्वेशिनकोव ने गोल्ड (242.0) और कजाखस्तान के वैलीरी राखीमजान ने सिल्वर जीता।

मनु भाकर को टीम इवेंट में गोल्ड- टीम इवेंट में भी भारत ने शानदार खेल दिखाया। विमेंस एयर पिस्टल टीम में ईशा सिंह, मनु भाकर और सुरुचि सिंह की तिकड़ी ने 1726 अंकों के साथ गोल्ड जीता, जो वियतनाम से 13 अंक अधिक रहा। पुरुष टीम में सम्राट राणा, श्रवण कुमार और वरुण तोमर को सिल्वर मिला।

जोनाथन को गोल्ड- जूनियर वर्ग में जोनाथन गेविन एंटोनी ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में 240.9 के स्कोर के साथ व्यक्तिगत स्वर्ण जीता और चिराग शर्मा और प्रियांशु यादव के साथ टीम गोल्ड भी हासिल किया। दिन के आखिरी इवेंट, पुरुष यूथ 10 मीटर एयर पिस्टल में भारत ने 1-2 फिनिश किया। धैर्य पराशर ने गोल्ड और मंदीप चौहान ने सिल्वर जीता, जबकि दोनों ने गिरीश गुप्ता के साथ मिलकर टीम गोल्ड भी अपने नाम किया।

रणजी ट्रॉफी

मुंबई को बड़ा झटका, सरफराज खान अस्पताल में भर्ती

मुंबई (एजेंसी)। कर्नाटक के खिलाफ रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल से पहले मुंबई को एक बड़ा झटका लगा है, क्योंकि मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज सरफराज खान बुखार के कारण अस्पताल में भर्ती हो गए हैं और वह इस अहम नॉकआउट मुकाबले से बाहर हो गए हैं। सरफराज को बुधवार को तेज बुखार की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। टीम सूत्रों ने बताया कि उनकी हालत स्थिर है, लेकिन ठीक होने में कुछ दिन लगेंगे जिससे क्वार्टर फाइनल में उनके खेलने की संभावना

बहुत कम है। यह 28 वर्षीय क्रिकेटर इस रणजी सीजन में मुंबई के सबसे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक रहे हैं, उन्होंने मिडिल ऑर्डर में काफी रन बनाए हैं और बल्लेबाजी लाइनअप को स्थिरता दी है। उम्मीद है कि उनकी गैरमौजूदगी से मजबूत कर्नाटक टीम के खिलाफ मुंबई की बल्लेबाजी कमजोर होगी। मुंबई शुक्रवार से बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में शुरू होने वाले क्वार्टर फाइनल में कर्नाटक का सामना करेगा। टीम मैनेजमेंट ने अभी तक किसी रिप्लेसमेंट खिलाड़ी का नाम नहीं बताया है, हालांकि टीम में लौटने वाले सीनियर खिलाड़ियों से अतिरिक्त जिम्मेदारी उठाने की उम्मीद है। कई अनुभवी खिलाड़ियों वाली कर्नाटक की टीम मुंबई की इस परेशानी का फायदा उठाने की कोशिश करेगी.

भारत-इंग्लैंड के बीच फाइनल आज

अंडर-19 वर्ल्ड कप - भारत का सामना अपराजेय इंग्लैंड से, गेंदबाज से बचने की जरूरत

हरारे (एजेंसी)। छठा खिताब जीतने की कोशिश में जुटी भारत की अंडर 19 क्रिकेट टीम जब आईसीसी अंडर 19 विश्व कप के फाइनल में शुक्रवार को इंग्लैंड से खेलेगी तो उसकी उम्मीदें शानदार फॉर्म में चल रहे अपने बल्लेबाजों पर टिकी होंगी। अफगानिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने जीत दर्ज की जिसमें कप्तान आयुष म्हात्रे और सलामी बल्लेबाज आरोन जॉर्ज ने यादगार पारियां खेली। इस जीत से पांच बार की चैम्पियन भारतीय टीम का हौसला बढ़ा है जिसने पिछली बार 2022 में खिताब जीता था।

वैभव सूर्यवंशी पर रहेगी नजरें

भारत ने अमेरिका के खिलाफ पहले ग्रुप मैच से ही बेहतरीन खेल दिखाया है। सेमीफाइनल में 300 से अधिक के लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान को हराकर भारतीय टीम ने अपराजेय रिकॉर्ड कायम रखा। अब उसका सामना एक और अपराजेय टीम इंग्लैंड से होना है। भारत को बखूबी पता है कि गत चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया को हराकर इंग्लैंड के हौसले बुलंद है और उसे हराना आसान नहीं होगा। भारत को एक ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन करना होगा और नजरें वैभव सूर्यवंशी पर भी लगी होंगी जिनके बल्ले से हो रही आतिशबाजी का जवाब तलाशने के लिए विरोधी गेंदबाज जूझते नजर आए हैं। अगले महीने 15 वर्ष के हो रहे सूर्यवंशी तीन अर्धशतक और एक शतक लगा चुके हैं। इंग्लैंड के सामने उन्हें हालांकि संयम से खेलना होगा क्योंकि मैन्नी लुम्सडेन की अगुवाई में उसके पास मजबूत तेज गेंदबाजी आक्रमण है।

भारत को मैन्नी लुसडेन से बचना होगा

ऐसे में स्पिनर कनिष्क चौहान और खिलन पटेल की भूमिका अहम हो जाएगा हालांकि टीम संयोजन पिच की स्थिति पर निर्भर करेगा। टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले शीर्ष पांच गेंदबाजों में कोई भारतीय नहीं है। इंग्लैंड के मैन्नी लुम्सडेन 15 विकेट लेकर शीर्ष पर है। लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने एक ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया है। इंग्लैंड के लिए बेन मायेस ने एक शतक और दो अर्धशतक समेत 399 रन बनाए हैं। कप्तान थॉमस रियू भी अच्छे फॉर्म में हैं और सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक समेत 299 रन बना चुके हैं।

आरोन का शतक, अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया

दुबई (एजेंसी)। भारत ने 10वीं बार अंडर-19 वर्ल्डकप के फाइनल में जगह बना ली है। बुधवार को टीम ने दूसरे सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया। 6 फरवरी को टीम इंडिया का फाइनल मैच इंग्लैंड के साथ होगा। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर रही अफगानिस्तान ने 50 ओवर में 4 विकेट खोकर 310 रन बनाए हैं। टीम से फैजल शिनोजादा (110 रन) और उजैरुल्लाह नियाजई (नाबाद 101 रन) ने शतकीय पारियां खेलीं। भारत से दीपेश देवेन्द्रन और कनिष्क चौहान ने दो-दो विकेट झटके। 311 रन के जवाब में भारतीय टीम ने ओपनर आरोन जॉर्ज (115 रन) के शतक की बदौलत 41.1 ओवर में 3 विकेट पर जीत हासिल कर ली। टीम से वैभव सूर्यवंशी (68 रन) और कप्तान आयुष म्हात्रे (62 रन) ने फिफ्टी लगाई। भारत ने टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे बड़ा रन चेज किया है। इतना ही नहीं, भारत ने यूथ वनडे में सबसे बड़ा टारगेट चेज किया है। इस मुकाबले में 620 रन बने। जोकि भारत और अफगानितान की टीमों के बीच यूथ वनडे मैच में सबसे ज्यादा हैं। पिछला रिकॉर्ड 521 रनों का था, जोकि 5 साल पहले 27 दिसंबर 2021 को आईसीसी के दुबई मैदान पर बना था।

टी20 वर्ल्ड कप

भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने पर पीएम शरीफ की बांग्लादेश ने की सराहना

ढाका (एजेंसी)। आगामी टी20 वर्ल्ड कप को लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में राजनीतिक और कूटनीतिक तनाव बढ़ता दिख रहा है। इसी बीच बांग्लादेश के युवा एवं खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के रुख की खुलकर सराहना की है। नजरुल ने कहा कि भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने का पाकिस्तान का फैसला बांग्लादेश के प्रति एकजुटता दर्शाता है, जिसे टूर्नामेंट से बाहर किए जाने के बाद समर्थन की जरूरत थी। इस बयान ने पूरे मामले को और चर्चा में ला दिया है। गुरुवार को आसिफ नजरुल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए पाकिस्तान के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि यह कदम बांग्लादेश को टी-20 वर्ल्ड कप से हटाए जाने के विरोध में उठाया गया है। नजरुल ने पोस्ट में पाकिस्तान का धन्यवाद करते हुए इसे खेल भावना और आपसी समर्थन का उदाहरण बताया।

शहबाज शरीफ के बयान का हवाला

नज़रुल ने इस्लामाबाद में हुई पाकिस्तान कैबिनेट की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ की टिप्पणियों का भी ज़िक्र किया। शरीफ़ ने कहा था कि भारत के खिलाफ़ मैच न खेलने का फैसला राजनीति से प्रेरित नहीं है, बल्कि बांग्लादेश के साथ एकजुटता दिखाने के लिए लिया गया है। उनके मुताबिक, खेल के मैदान में राजनीति नहीं होनी चाहिए और यह निर्णय सोच-समझकर लिया गया है।

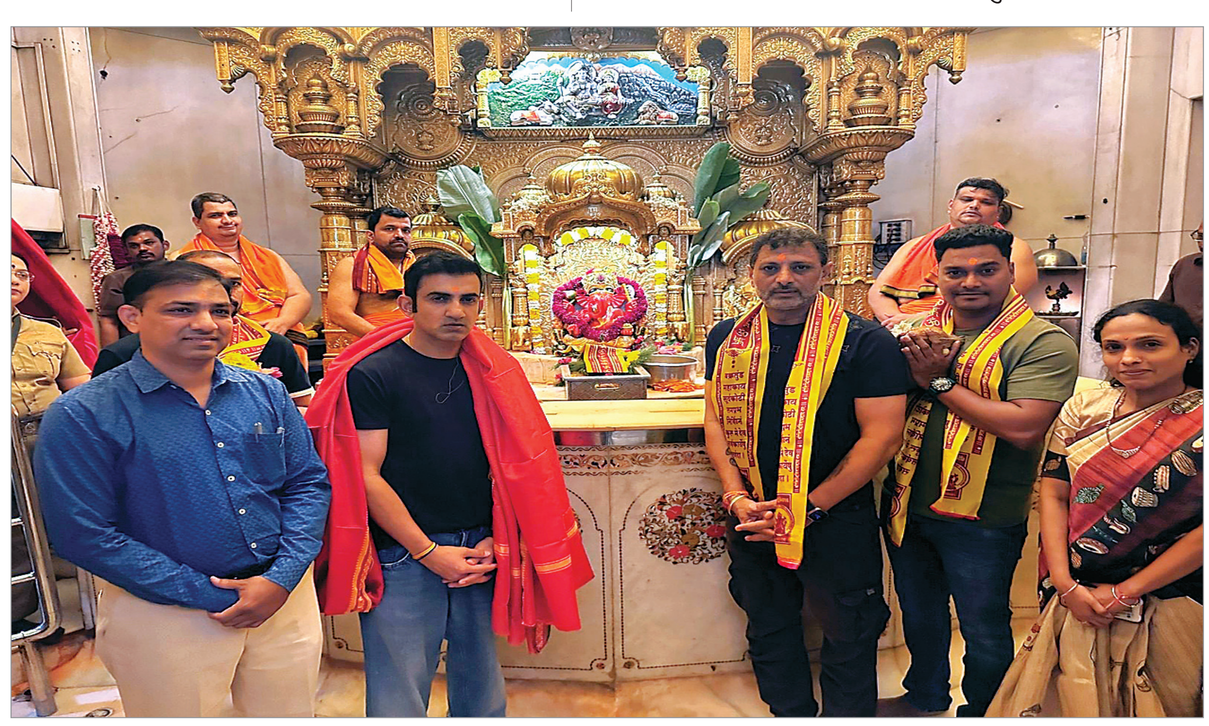

भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने सिद्धिविनायक मंदिर में किया विघ्नहर्ता का दर्शन

एजेंसी

मुंबई। टी20 वर्ल्ड कप शुरू होने से दो दिन पहले भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने गुरुवार को मुंबई स्थित सिद्धिविनायक मंदिर में भगवान गणेश का दर्शन किया। यह जानकारी सिद्धिविनायक मंदिर के सूत्रों ने दी। भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर आज सुबह मुंबई में दादर में स्थित सिद्धिविनायक मंदिर में पहुंचे और आरती में हिस्सा लिया। इसके बाद गंभीर ने भगवान का गणेश का दर्शन किया और टीम के लिए आशीर्वाद मांगा। सात फरवरी से टी 20 वर्ल्ड कप शुरू होने जा रहा है। उल्लेखनीय है कि गौतम गंभीर 2024 में भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच नियुक्त हुए थे, जिसके बाद उनकी कोचिंग में भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी (2025) खिताब जीता। पिछले साल हुए एशिया कप में भी भारत चैंपियन बना, इसके अलावा टी20 में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया। गंभीर ने आज सिद्धिविनायक मंदिर में भगवान गणेश से टीम इंडिया के सफल होने की कामना की है।

ईशान को बैटर्स रैंकिंग में 32 स्थान का फायदा

दुबई (एजेंसी)। भारतीय बैटर ईशान किशन को आईसीसी रैंकिंग में 32 स्थान का फायदा हुआ है। बुधवार को जारी प्लेयर्स रैंकिंग में ईशान 584 रेटिंग पॉइंट्स के साथ 32वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में पाकिस्तान के सईम अयूब ने पहला स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने जिम्बाब्वे के अनुभवी खिलाड़ी सिकंदर रजा को पीछे छोड़ा।

भारत के शिवम दुबे को भी ऑलराउंडर्स में दो स्थान का फायदा हुआ। वे अब 186 रेटिंग पॉइंट्स के साथ 11वें से नौवें पायदान पर पहुंच गए हैं।

अभिषेक शर्मा टॉप पर काबिज

टी-20 बल्लेबाजों की टॉप-10 रैंकिंग में भारत के अभिषेक शर्मा पहले स्थान पर बने हुए हैं। इंग्लैंड के जोस बटलर, श्रीलंका के पथुम निसांका, भारत के सूर्यकुमार यादव और न्यूजीलैंड के टिम साइफर्ट को एक-एक स्थान का फायदा हुआ है। वहीं चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ एक भी मैच नहीं खेलने वाले तिलक वर्मा को एक स्थान का नुकसान उठाना पड़ा है।

● ऑलराउंडर्स में पाकिस्तान के सईम अयूब नंबर-1, शिवम दुबे टॉप-10 में आए

विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। वे पांच मैचों की सीरीज में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। ईशान ने चार मैचों में कुल 215 रन बनाए।

नवाज को 8 स्थान का फायदा- पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद टी-20 गेंदबाजों की रैंकिंग में दो स्थान की बढ़त के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। वह अब भारत के वरुण चक्रवर्ती से सिर्फ 28 रेटिंग पॉइंट्स पीछे हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों में उन्होंने छह विकेट चटकाए।

वहीं बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज ने भी बड़ी छलांग लगाई है। वे आठ स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। सीरीज के आखिरी मैच में उनके पांच विकेट काफी अहम साबित हुए।

अयूब ने सीरीज में 119 रन बनाए

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज में सईम अयूब ने 119 रन बनाने के साथ तीन विकेट भी लिए। इसी प्रदर्शन के दम पर उन्होंने एक स्थान की बढ़त हासिल की और ऑलराउंडर्स रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंच गए।

उनके बाद 289 रेटिंग पॉइंट्स के साथ सिकंदर रजा दूसरे नंबर पर हैं। भारत के हार्दिक पांड्या 247 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद हैं। पाकिस्तान के मोहम्मद नवाज चौथे और वेस्टइंडीज के रोस्टन चेज पांचवें स्थान पर हैं।

झुनझुनवाला की शेयर होल्डिंग

भारत-अमेरिका डील से हुआ 858 करोड़ का फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की घोषणा के बाद भारतीय शेयर बाजार में तेजी देखी गई है। मंगलवार को निफ्टी 50 सूचकांक 26,341 के स्तर के करीब पहुंच गया, जो लगभग एक नया शिखर है। बुधवार को भी भारतीय सूचकांक ऊंचे स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। इस सकारात्मक रुझान के दो दिनों में दिग्गज निवेशक रेखा झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो में भी बड़ी बढ़त दर्ज हुई है। इन दो दिनों में, रेखा झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो की एक प्रमुख कंपनी टाइटन कंपनी के शेयर एनएसई पर 3,953.20 रुपये से बढ़कर 4,135.10 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गए, जिससे दो सत्रों में 181.90 रुपये की बढ़त दर्ज हुई। टाइटन के शेयर में इस वृद्धि के चलते रेखा झुनझुनवाला की कुल संपत्ति में लगभग 858 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। टाइटन कंपनी लिमिटेड के अक्टूबर से दिसंबर 2025 तक के शेयर होल्डिंग पैटर्न के अनुसार, रेखा झुनझुनवाला निजी हैसियत से कंपनी के 4,71,84,470 शेयर (कुल चुकता पूंजी का 5.31 प्रतिशत) रखती हैं। शेयर की कीमत में 181.90 रुपये प्रति शेयर की वृद्धि के साथ, उनकी कुल संपत्ति में 858 करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। दिलचस्प बात यह है कि भारतीय जीवन बीमा निगम के पास भी टाइटन कंपनी के 2,23,24,301 शेयर हैं। शेयर की कीमत में हुई 181.90 रुपये प्रति शेयर की बढ़त से एलआईसी के पोर्टफोलियो में भी लगभग 406 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है।

टेक शेयरों की पिटाई ने अरबपतियों की दौलत घटाई

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले दो दिन से दुनिया भर में टेक शेयरों की पिटाई के चलते कई अरबपतियों की दौलत में भारी कमी देखी जा रही है। दुनिया के टॉप 10 अमीरों में अब केवल छह लोग ही टेक इंडस्ट्रीज से रह गए हैं। स्टीव बाल्मर और जेनसेन हुआंग ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के टॉप-10 से बाहर गए हैं। वहीं, अब लैरी एलिसन की संपत्ति 200 अरब डॉलर से भी कम रह गई है। बुधवार को भी वॉल स्ट्रीट में टेक शेयरों में जबरदस्त गिरावट देखी गई। टेक शेयरों वाला नैस्डैक 1.51 प्रतिशत गिरकर 22,904.58 पर बंद हुआ। एनवीडिया के शेयर की कीमत 3.41 प्रतिशत गिर गई। अल्फाबेट के शेयर 2.16 प्रतिशत गिर गए। टेस्ला के शेयर की कीमत में 3.78 प्रतिशत की गिरावट आई। अन्य कंपनियों के शेयर भी टूटे। इस गिरावट के चलते टेस्ला के सीईओ एलन मस्क को 11.4 अरब डॉलर की चोट पहुंची। अब उनकी संपत्ति 668 अरब डॉलर रह गई है। गूगल के सह-संस्थापकों लैरी पेज को 5.55 अरब डॉलर और सर्गेई ब्रिन को 5.12 अरब डॉलर का झटका लगा। जेफ बेजोस को 5.09 और मार्क जुकरबर्ग को 7.80 अरब डॉलर की चोट पहुंची। लैरी एलिसन को 8.62 अरब डॉलर का झटका लगा। इस गिरावट के पीछे मुख्य वजह ऐन्थ्रोपिक नामक कंपनी द्वारा अपडेट किए गए एआई चैटबॉट को माना जा रहा है। निवेशकों को डर है कि यह एआई टूल आईटी सर्विस कंपनियों के मेन बिजनेस को नुकसान पहुंचा सकता है। हालांकि, ऐन्थ्रोपिक ने चिंताओं को कम करने की कोशिश करते हुए स्पष्ट किया कि उसका प्लगइन कानूनी सलाह नहीं देता है। कंपनी ने कहा कि कानूनी निर्णयों के लिए एआई द्वारा जेनरेट किए गए विश्लेषण की समीक्षा लाइसेंस प्राप्त वकीलों द्वारा की जानी चाहिए। कानूनी टूल के साथ-साथ, कंपनी ने बिक्री और ग्राहक सहायता सहित पेशेवर कार्यों को ऑटोमेटिक करने के लिए कई ओपन-सोर्स उत्पाद भी घोषित किए।

न चमका सोना, न चला बाजार.... मार्केट ने निवेशकों की उड़ा दी नींद

सेंसेक्स-निफ्टी की तेज गिरावट से हड़कंप – ग्लोबल बाजारों से मिले नकारात्मक संकेत

एजेंसी

नई दिल्ली । गुरुवार की सुबह निवेशकों के लिए दोहरा झटका लेकर आई। एक तरफ कमोडिटी मार्केट में सोना-चांदी की कीमतें औंधे मुंह गिर पड़ीं, तो दूसरी ओर शेयर बाजार में भी खुलते ही बिकवाली का तूफान देखने को मिला। दो दिन की तेजी के बाद अचानक सेंसेक्स और निफ्टी की रफ्तार थम गई और दोनों प्रमुख सूचकांक भरभराकर टूट गए। बाजार में मची इस भगदड़ ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। शेयर बाजार में कारोबार की शुरुआत ही कमजोर रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स अपने पिछले बंद 83,817.69 के मुकाबले 83,757.54 पर खुला, लेकिन कुछ ही मिनटों में गिरावट तेज हो गई। देखते ही देखते सेंसेक्स 500 अंकों से ज्यादा लुढ़ककर 83,313 के स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह एनएसई का निफ्टी भी दबाव में दिखा। 25,776 के पिछले बंद के मुकाबले 25,755.90 पर खुलने के बाद निफ्टी अचानक 164 अंक टूटकर 25,612.90 के स्तर पर आ गया। भारतीय बाजारों पर विदेशी संकेतों का भी साफ असर पड़ा। गिफ्ट निफ्टी पहले ही 100 अंकों से ज्यादा गिरावट का इशारा कर रहा था। एशियाई बाजारों में भी कमजोरी देखने को मिली। जापान का निक्केई 500 अंक से ज्यादा टूटा, हांगकांग का हैंग सेंग 350 अंक और दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स करीब 180 अंकों की गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आया। वैश्विक स्तर पर बने निगेटिव सेंटिमेंट ने घरेलू निवेशकों का मनोबल कमजोर कर दिया। बाजार में आई अचानक गिरावट का असर लगभग सभी सेक्टरों पर पड़ा। लार्जकैप शेयरों में इंडिगो, बीईएल और इटरनल करीब 2 से 2.30 फीसदी तक टूट गए। मिडकैप सेगमेंट में टी इंडिया में 8 फीसदी, डिक्सॉन में 5 फीसदी और यूपीएल में 3 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई। स्मॉलकैप शेयरों में भी भारी बिकवाली रही और रेडिंग्टन, टिमकेन तथा एसकेएफ जैसे शेयर 4 से 5 फीसदी तक टूट गए। इसके अलावा रिलायंस, बजाज फाइनेंस, अडानी पोर्ट्स, टाटा स्टील और एचडीएफसी बैंक जैसे दिग्गज शेयर भी रेड जोन में कारोबार करते नजर आए।

गोल्ड-सिल्वर से कोहराम

शेयर बाजार के साथ-साथ कमोडिटी मार्केट में भी गुरुवार को भारी उथल-पुथल रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना और चांदी की कीमतें खुलते ही क्रैश हो गईं। 5 मार्च एक्सपायरी वाली 1 किलो चांदी की कीमत पिछले बंद के मुकाबले 24,000 रुपये से ज्यादा टूट गई। वहीं 2 अप्रैल एक्सपायरी वाला सोना भी करीब 2,400 रुपये सस्ता हो गया। एक साथ शेयर बाजार और कमोडिटी मार्केट में आई इस बड़ी गिरावट ने निवेशकों को सतर्क कर दिया है। विशेषज्ञों के मुताबिक, वैश्विक संकेत, मुनाफावसूली और अनिश्चित आर्थिक माहौल के चलते फिलहाल बाजार में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है।

भारत-जीसीसी की एफटीए पर बातचीत शुरू करने के लिए नियम-शर्तों पर हुए हस्ताक्षर

भारत-खाड़ी सहयोग परिषद देशों ने मुक्त व्यापार समझौता के लिए शुरूआती शर्तों पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी

नई दिल्ली। यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ व्यापार समझौता के बाद भारत पश्चिमी एशियाई देशों के समूह खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर आगे बढ़ रहा है। भारत-जीसीसी ने मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने के लिए संदर्भ की शर्तें (टीओआर) पर गुरुवार को हस्ताक्षर कर दिए हैं। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पश्चिमी एशियाई देशों के समूह खाड़ी सहयोग परिषद के साथ वार्ता को लेकर नियम एवं शर्तों पर हस्ताक्षर समारोह की अध्यक्षता की। टीओआर में नियम एवं शर्तों में प्रस्तावित व्यापार समझौते का दायरा और तौर-तरीके बताए गए हैं। गोयल ने बताया कि हमारे मुख्य वार्ताकार द्वारा भारत और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के बीच एफटीए के लिए संदर्भ की शर्तों पर हस्ताक्षर होते देखकर बहुत खुशी हुई। उन्होंने कहा कि यह समझौता दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि करीब एक करोड़ भारतीय जीसीसी क्षेत्र में रह रहे हैं और काम कर रहे हैं। वाणिज्य मंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 6 देशों वाले सीजीसी (बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात) के साथ हमारे संबंध एक रणनीतिक साझेदारी में बदल गए हैं और नए और बड़े आयामों तक पहुंच गए हैं। भारत ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ एक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) मई, 2022 में पहले ही लागू किया था। इसके बाद भारत और ओमान ने 18 दिसंबर, 2025 को मस्कट में एक व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर हस्ताक्षर किए थे। अब जीसीसी के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर एक तरह से बातचीत फिर से शुरू हो रही है। उल्लेखनीय है कि जीसीसी, खाड़ी क्षेत्र के छह देशों सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, कुवैत, ओमान और बहरीन का समूह है। इससे पहले दो दौर की बातचीत 2006 और 2008 में हुई थी। जीसीसी द्वारा सभी देशों और आर्थिक समूहों के साथ वार्ता स्थगित करने के कारण तीसरे दौर की वार्ता नहीं हो पाई थी।

जनवरी 2026 में किआ की कुल 27,603 यूनिट्स की बिक्री दर्ज

एजेंसी

नई दिल्ली। कैलेंडर ईयर 2026 की शुरुआत किआ इंडिया ने जनवरी 2026 में कुल 27,603 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो जनवरी 2025 की तुलना में 10.3फीसदी की साल-दर-साल वृद्धि को दर्शाती है। कंपनी ने नए साल की शुरुआत बेहद मजबूत प्रदर्शन के साथ की है। इससे भी अधिक प्रभावशाली बात यह है कि दिसंबर 2025 की 18,659 यूनिट्स के मुकाबले कंपनी ने 47.9 फीसदी की महीने-दर-महीने तेज ग्रोथ हासिल की है। यह आंकड़े बताते हैं कि किआ की कंपनी के प्रमुख मॉडल लगातार बाजार में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उपभोक्ताओं का विश्वास किआ ब्रांड पर बढ़ रहा है। किआ की नई सेल्टोस ने कंपनी की बिक्री में सबसे ज्यादा योगदान दिया है। एसयूवी सेगमेंट में इसकी मजबूत पकड़ और ग्राहक-केन्द्रित फीचर्स ने इसे जनवरी में कंपनी का सबसे प्रमुख ग्रोथ ड्राइवर बनाया। वहीं, सोनेट कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में लगातार बेहतर प्रदर्शन करती रही है। पावरट्रेन विकल्पों की विविधता, फीचर-लोडेड वैरिएंट्स और शहरी व अर्ध-शहरी बाजारों में बढ़ती लोकप्रियता ने इसे किआ का स्थायी वॉल्यूम ड्राइवर बना दिया है। किआ की मल्टी-व्हीकल रणनीति भी सफल होती नजर आ रही है। कैरेंस क्लैविस और क्लैविस ईवी ने कंपनी की पोर्टफोलियो विविधता को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। कैरेंस लाइनअप ने रिक्रिएशन व्हीकल सेगमेंट में किआ की उपस्थिति को और मजबूती दी है, वहीं क्लैविस ईवी भारतीय बाजार में किआ की इलेक्ट्रिक पेशकश के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रही है। कनेक्टेड फीचर्स, आराम और बेहतर ड्राइविंग अनुभव के कारण क्लैविस ईवी की मांग में लगातार वृद्धि देखी जा रही है, जो ईवी सेगमेंट में तेजी से बढ़ती ग्राहक अपेक्षाओं को भी प्रतिबिंबित करती है। किआ इंडिया के सीनियर वाइस-प्रेसिडेंट, सेल्स एंड मार्केटिंग, अतुल सूद ने कहा कि वर्ष 2026 की शानदार शुरुआत कंपनी पर उपभोक्ताओं के भरोसे को दर्शाती है।

रॉयल एनफील्ड ने बिक्री में किया 1 मिलियन यूनिट्स का आंकड़ा पार

नई दिल्ली। जनवरी 2026 में रॉयल एनफील्ड ने दमदार प्रदर्शन करते हुए मजबूत ग्रोथ दर्ज की है। कंपनी ने वैश्विक स्तर पर 1 मिलियन यानी 10 लाख मोटरसाइकिलों की बिक्री का महत्वपूर्ण आंकड़ा पार कर लिया है। वहीं एक्सपोर्ट में भी 1 लाख यूनिट्स का स्तर छू लिया है। रॉयल एनफील्ड का 350सीसी और इससे ऊपर के इंजन वाला व्यापक पोर्टफोलियो लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहा है। हाल ही में पेश की गई नई गोअन क्लासिक 350 ने भी कंपनी की पकड़ को मजबूती दी है। वहीं डिजिटल स्पेस में कंपनी ने फ्लिप्टन इंडिया के साथ साझेदारी करते हुए बीजीएमआई के वर्चुअल वर्ल्ड में अपनी लोकप्रिय मोटरसाइकिल बुलेट 350 और कॉन्टिनेंटल जीटी 650 को शामिल किया है, जिससे युवा वर्ग के बीच इसकी ब्रांड वैल्यू और बढ़ी है। जनवरी 2026 में रॉयल एनफील्ड की कुल बिक्री 1,04,322 यूनिट्स रही, जो जनवरी 2025 की 91,132 यूनिट्स की तुलना में 14.47फीसदी अधिक है। महीने-दर-महीने आधार पर यह आंकड़ा दिसंबर 2025 की 1,03,574 यूनिट्स से हल्की बढ़त के साथ ऊपर रहा। सब 350सीसी सेगमेंट ने कंपनी को सबसे ज्यादा वॉल्यूम दिया, जिसमें 92,998 यूनिट्स की बिक्री के साथ 18फीसदी सालाना बढ़ोतरी दर्ज हुई। हालांकि इस सेगमेंट में महीने-दर-महीने 2.60 फीसदी की मामूली गिरावट देखी गई। बड़े 350सीसी से ऊपर वाले सेगमेंट में 11,324 यूनिट्स बिके, जो सालाना आधार पर 8.06 फीसदी अधिक रहे, जबकि दिसंबर की तुलना में लगभग 40 फीसदी की बड़ी बढ़त दर्ज की गई। घरेलू बाजार में कंपनी ने जनवरी 2026 में 93,781 यूनिट्स बेचीं, जो जनवरी 2025 की तुलना में 15.70 फीसदी की मजबूत वृद्धि है। एक्सपोर्ट में भी 10,541 यूनिट्स के साथ साल-दर-साल 4.57फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

टीवी और केबल कंपनियों के लिए ट्राई जारी किए नए नियम, ऑडिट प्रक्रिया होगी आसान

एजेंसी

नई दिल्ली। दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने गुरुवार को दूरसंचार (प्रसारण और केबल) सेवाएं अंतर्संबंध (पता योग्य प्रणालियां) (सातवां संशोधन) नियम, 2026 जारी किए। इन नियमों का उद्देश्य ऑडिट प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और सरल बनाना है। संचार मंत्रालय के मुताबिक अब हर वितरक (डिस्ट्रिब्यूटर) को हर साल 30 सितंबर तक ऑडिट रिपोर्ट प्रसारक को सौंपनी होगी। पहले यह प्रक्रिया कैलेंडर वर्ष पर आधारित थी, लेकिन अब इसे वित्तीय वर्ष के आधार पर किया जाएगा। यानी ऑडिट अप्रैल से मार्च तक की अवधि के हिसाब से होगा। नए नियमों में प्रसारकों को भी ज्यादा अधिकार दिए गए हैं। वह चाहें तो ऑडिट के दौरान अपने प्रतिनिधि भेज सकते हैं ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रहे। अगर रिपोर्ट में कोई कमी या गड़बड़ी मिलती है तो प्रसारक ऑडिटर से जवाब मांग सकते हैं। अगर जवाब संतोषजनक न हो तो वे ट्राई की अनुमति लेकर अपने खर्च पर अलग से ऑडिट करा सकते हैं। ट्राई ने बताया कि इन नियमों में छोटे वितरकों को राहत दी गई है। छोटे वितरकों के 20 हजार से कम ग्राहक हैं, उनके लिए हर साल ऑडिट करना अनिवार्य नहीं होगा।हालांकि, अगर प्रसारक चाहें तो ऐसे वितरकों का ऑडिट अपने खर्च पर करा सकते हैं। अवसंरचना साझाकरण से जुड़े नियम के तहत अब अलग-अलग कंपनियों के लिए अलग सिस्टम इंस्टेंस बनाने होंगे ताकि डेटा का सही मिलान हो सके। इसके अलावा पे चैनलों पर नेटवर्क लोगो वॉटरमार्किंग अनिवार्य होगी। इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदाता को चैनल पर लोगो लगाना होगा और सेवा लेने वाली कंपनी को भी अपने नेटवर्क का लोगो दिखाना होगा लेकिन दर्शकों के अनुभव को ध्यान में रखते हुए स्क्रीन पर अधिकतम दो लोगो ही दिखेंगे।

फ्रैक्टल एनालिटिक्स का आईपीओ नौ फरवरी को खुलेगा

मूल्य दायरा 857-900 रुपये प्रति शेयर तय

एजेंसी

नई दिल्ली। कृत्रिम मेधा (एआई) समाधान प्रदाता फ्रैक्टल एनालिटिक्स ने अपने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 857-900 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी ने कहा कि आईपीओ सार्वजनिक निवेशकों के लिए 9 फरवरी से खुलकर 11 फरवरी तक उपलब्ध रहेगा। बड़े निवेशक (एंकर) 6 फरवरी को बोली लगा सकेंगे। कंपनी के आईपीओ में कुल 2,833.9 करोड़ रुपए का निर्गम शामिल है, जिसमें 1,023.5 करोड़ नए शेयर और 1,810.4 करोड़ रुपए की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। इससे यह स्पष्ट होता है कि आईपीओ का बड़ा हिस्सा मौजूदा शेयरधारकों द्वारा बेचे जाने वाले शेयरों से बनता है। फ्रैक्टल एनालिटिक्स ने पहले अगस्त में आईपीओ के माध्यम से 4,900 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखा था। हालांकि, अब तय किया गया आईपीओ का आकार पहले की अपेक्षा कम है। कंपनी ने बताया कि आईपीओ से जुटाई गई राशि का इस्तेमाल फ्रैक्टल यूएसए में निवेश, कर्ज का पुनर्भुगतान, लैपटॉप और नए कार्यालय की खरीद, अनुसंधान एवं विकास, बिक्री और विपणन समर्थन, अधिग्रहण और अन्य रणनीतिक पहलों के लिए किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए भी धन का उपयोग किया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि आईपीओ में ओएफएस का बड़ा हिस्सा मौजूदा शेयरधारकों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से है, जबकि नई पूंजी कंपनी के विस्तार और अनुसंधान में निवेश के लिए इस्तेमाल होगी। निवेशकों के लिए यह एआई क्षेत्र में संभावनाओं वाले प्लेटफॉर्म में हिस्सेदारी का अवसर प्रदान करता है।

आय फाइनेंस का 1,010 करोड़ का आईपीओ नौ फरवरी को खुलेगा

नई दिल्ली। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) आय फाइनेंस का 1,010 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 9 फरवरी से खुलने जा रहा है। कंपनी का उद्देश्य भविष्य में कारोबार वृद्धि और परिसंपत्ति विस्तार के लिए अपने पूंजी आधार को मजबूत करना है। आईपीओ का मूल्य दायरा 122 से 129 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। यह 11 फरवरी को बंद हो जाएगा। बड़े निवेशक या एंकर निवेशक 6 फरवरी को बोली लगा पाएंगे। कुल आईपीओ में 710 करोड़ रुपये के नए शेयर और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 300 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश शामिल है। आय फाइनेंस के शेयर 16 फरवरी को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे।

100 रुपये तक जा सकता है यह शेयर मजबूत तिमाही नतीजे से एक्सपर्ट बुलिश

नई दिल्ली, एजेंसी। शानदार तिमाही नतीजे के बाद बाजार में लिस्टेड रेस्टोरेंट ब्रांड्स एशिया के शेयर को लेकर एक्सपर्ट बुलिश नजर आ रहे हैं। सप्ताह के तीसरे दिन बुधवार को शेयर मामूली बढ़त के साथ 63.40 रुपये पर बंद हुआ। हालांकि, एक्सपर्ट का कहना है कि शेयर में 55 प्रतिशत से ज्यादा उछाल आने वाला है। एलारा कैपिटल ने रेस्टोरेंट ब्रांड्स एशिया शेयर के लिए टारगेट प्राइस 100 रुपये तय किया है। यह वर्तमान कीमत से 55 प्रतिशत से ज्यादा है। ब्रोकरेज एलारा कैपिटल के मुताबिक कंपनी ने दिसंबर तिमाही में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया, जिसमें ऑपरेटिंग लीवरेज का मजबूत असर दिखा। कंपनी का सेम-स्टोर सेल्स ग्रोथ (एसएसजी) 4.5 प्रतिशत रहा। यह पिछले 10 तिमाहियों का उच्चतम स्तर है। कंपनी ने 31 दिसंबर को खत्म हुए तीन महीनों में 43.54 करोड़ रुपये का नेट लॉस बताया जबकि एक साल पहले यह लॉस 50.4 करोड़ रुपये था।

कंपनी के मुताबिक भारत में सरकार की कंजम्पशन टैक्स कटौती से खरीदारों के पास खर्च करने के लिए ज्यादा पैसे बच रहे हैं। हालांकि, पश्चिमी फास्ट-फूड कंज्यूमर-फेसिंग बिजनेस में डिमांड धीरे-धीरे बेहतर हो रही है क्योंकि महंगाई कंट्रोल में है और ब्रांड्स को लोकल डाइनर्स और क्लाउड किचन से कड़ी टक्कर मिल रही है, जिससे उन्हें ज्यादा डिस्काउंट देने पड़ रहे हैं। जैसे-जैसे ग्राहक ज्यादा सेलेक्टिव हो रहे हैं, रेस्टोरेंट ब्रांड्स एशिया का मकसद कीमतों को सही रखकर उन्हें वापस लाना है इन कोशिशों से बर्गर किंग को सेम-स्टोर सेल्स में 4.5 प्रतिशत की ग्रोथ हासिल करने में मदद मिली, जो कम से कम 12 महीनों में खुले स्टोर्स की सेल्स को दिखाता है, जो पिछले क्वार्टर की 2.8 प्रतिशत ग्रोथ से ज्यादा तेज है। रेस्टोरेंट ब्रांड्स एशिया का ऑपरेशन से कुल रेवेन्यू, जो इंडोनेशिया में भी रेस्टोरेंट चलाता है, लगभग 12 प्रतिशत बढ़कर 715 करोड़ रुपये हो गया। पिछले महीने, कंपनी ने कहा कि रियल एस्टेट से लेकर रेस्टोरेंट ग्रुप इंस्पिरा ग्लोबल फर्म में कंट्रोलिंग हिस्सेदारी के लिए 3416 करोड़ रुपये तक का निवेश करेगा, क्योंकि प्राइवेट इक्विटी फर्म एवरस्टोन अपनी हिस्सेदारी बेच रही है।

रीतु बसंत

रामदेव बड़ाईक, रांची

बापक बेटा
कहऽथों बात एगो,
अनइत मजेदार ,
रहैं जर-जिमीदार घरे, एगो
मतवार।

मुसकी-मुसकी बोलैं,
रहैं दिलदार ,
इलाका जानत रहैं, उनकर
बेवहार।

सुपट बिचार उनकर,
सुन्दर संस्कार,
करैं सुइत-उइठ सबके,जय-
जोहार।

करैं बड़ाईक रामदेव से,
अगम पेयार,
भल! बापक बेटा!! रहैं
होसियार।

बढ़ते जाथे लोक भवन उद्यान आवेक वालामन कर संख्या

37 हजार से बेसी अदमीमन करलयं भरमन आउर परिदरसन

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार कर निरदेस में लोक भवन उद्यान के आम नागरिकमन कर घुरेक आउर परिदरसन ले 2 फरवरी से खोलल जाए हे। 8 फरवरी, 2026 तक उद्यान कर भरमन कइर सकयंना। दिन ब दिन हियां आवेक वालामन कर संख्या बढ़ते जाथे। बिफे के 37,976 झन लोक भवन उद्यान कर भरमन आउर परिदरसन करलयं। उद्यान घुरेक कर बेरा बिहाने 10 बजे से दूपहर 3 बजे तक आहे। उद्यान घुरेक ले इच्छुक बेक्ति लोक भवन कर गेट संख्या 2 से सुरछा जांच कर बाद दूपहर 1 बजे तक आए सकयंना। लोक भवन उद्यान में बिभिन्न किसिम कर फूल लागल आहे। ई देखेक में ढेइरे आकरसक लागेला। कतई किसिम कर फव्वारा भी आहे। ई सउब के लुभायला। इकर अलावा औसधीय गुन से भरपूर कतई किसिम कर गछ भी आहे।

बीआईटी लालपुर में कला संस्कृति समारोह कर सुभारंभ

छात्र आपन कौसल बिकास कर करत हयं बेहतरीन परदरसन

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। बीआईटी लालपुर में चाइर दिनक औरोरा 26 में कला संस्कृति समारोह कर सुभारंभ बिफे के भेलक। सुपरिडेंट ऑफ पुलिस (एटीएस) ऋषभ कुमार झा फीता काइट के आउर बैलून उड़ाय के इकर उद्घाटन करलयं। ई अवसर में सिछकमन कर मामला कर डीन डॉ अशोक शरण, सेंटर कर प्रभारी डॉ विजय कुमार झा, कंप्यूटर बिभाग कर अध्यछ डॉ अविजीत मुस्तफी, डॉ वंदना भट्टाचार्य कर संगे छात्रमन कर मौजूदगी रहे।

दुई दिन तक चलेक वाला ई कार्जकरम में सउब संकाय कर बिद्यार्थीमन के एगो मंच प्रदान करल जाए हे, जहां ऊमन आपन हुनर के दिखाय सकयंना। छात्र आपन कौसल बिकास कर बेहतरीन परदरसन करत हयं। एक दने कचौड़ी चाट मसाला तो दूसर दने झारखंडी जायके वाला बारा धुस्का, पिज्जा बर्गर से लेइ के पानी पुरी कर स्टॉल लगाय के आपन बेवहार आउर प्रबंधन कर बारीकीमन कर परदरसन करत हयं।

खेल मैदान में छोड़ीमन आउर छोड़ामन कर बाहुबल कर परदरसन देखल जाए सकेला। हियां कबड्डी कर फाइनल मुकाबला कइल खेलल जाई। कार्जकरम में मुध गोतिया नसामुक्त जुवामन कर फौज ठड़ा करेक ले छात्रमन के आह्वान करलयं। ऊ नसा करेक वाला जुवामन के तत्काल ड्रग्स आउर सराब से दूरी बनाय के एहे किसिम कर कला संस्कृति आउर खेल से जुड़ेक कर बात कहलयं। ऊ भविस में एहे किसिम कर आउर कार्जकरम करेक कर बात कहलयं।

डीन डॉ अशोक शरण कहलयं कि औरोरा कर ई मंच में ठड़ा होते हे ऊ उमंग जोस के महसूस करत ही, जे कॉलेज कर दिन कर याइद करात हे। केंद्र कर निदेसक डॉ विजय कुमार झा चाइर दिनक औरोरा 26 कर हर कार्जकरम कर बारे में जानकारी देलयं। ऊ कहलयं कि बिद्यार्थीमन के ई किसिम कर हर कार्जकरम में भागीदारी सुनिश्चित करेक चाही, ताकि आवेक वाला भविस कर उलझन के आप सांत आउर खुसी से सुलझाय सकयं।

डॉ अविजीत मुस्तफी आउर डॉ श्रीमती वंदना भट्टाचार्य कब्बडी कर मैदान में उपस्थित होए के प्रतिभागीमन कर हौसला बढ़ालयं। ई किसिम कर अवसर से आपन के जोड़े राखेक कर बात कहलयं। कार्जकरम संयोजक डॉ आशुतोष मिश्रा औरोरा कर संचालन में सहायक सउब जुवामन के धन्यवाद देलयं। डॉ अभय रंजन, डॉ प्रदीप मुंडा, डॉ मानसी, श्रीमती अमृता प्रियम, डॉ अनीश हैदर, डॉ सोमनाथ संगे सउब बिभागमन कर सिछक आउर छात्र उद्घाटन समारोह में मौजूद रहयं।

डालसा आउर लोक अदालत कर जानकारी देलयं पीएलवी

डोर-टू-डोर जागरुकता कार्जकरम कर आयोजन करल गेलक

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। अनगड़ा परखंड कर चतरा पंचायत भवन आउर चतरा गांव में डालसा कर पीएलवी ने डोर-टू-डोर जागरुकता कार्जकरम कर आयोजन करल गेलक। ई अवसर में पीएलवी बेबी सिन्हा, मालती कुमारी, सुनीता कुमारी, मीना श्रीवास्तव आउर अन्य उपस्थित रहयं। न्यायामूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यछ, झालसा सुजीत नारायण प्रसाद कर दिसा निरदेस, झालसा कर सदस्य सचिव कुमारी रंजना अस्थाना आउर न्यायायुक्त-सह-अध्यछ अनिल कुमार मिश्रा-1 कर मार्गदरसन आउर डालसा सचिव कर देखरेख में ई कार्जकरम भेलक। पीएलवी बेबी सिन्हा छउवामन से संबंधित जे.जे एक्ट, पोक्सो एक्ट इत्यादि कर जानकारी देलयं। कहलयं कि नसा नी करु। नसा से धन आउर स्वस्थ दुईयों उपरे बुरा असर पड़ेला। ऊ बाल बिहा कर रोकथाम कर बारे में बतालयं। बाल बिवाह अधिनियम-2006 कानून कर जानकारी देलयं।

सुनीता कुमारी मोटर वाहन दुर्घटना में मिलेक वाला मुआवजा कर जानकारी देलयं। पीड़ित इया पीड़िता मुआवजा ले डालसा कार्जालय में आवेदन देइ सकयंना। पीड़िता अगर महिला आहे, तो केस लड़ेक ले डालसा कर दन से निःसुल्क अधिवक्ता भी देवल जायेला। मीना श्रीवास्तव दहेज प्रथा कानून कर बारे में बिस्तार से बतालयं। कहलयं कि दहेज लेवेक कर देवेक कानूनन अपराध आहे। इकर में सजा भी होवेला। पीएलवी मालती कुमारी कर द्वारा एमएसीटी एक्ट-1988 कर बारे में जानकारी देल गेलक। पीएलवी बेबी सिन्हा प्रोजेक्ट तृप्ती कर बारे में जानकारी देलयं। डालसा कर सउब पीएलवी कर द्वारा 14 मार्च के आयोजित होवेक वाला रास्ट्रीय लोक अदालत कर जानकारी देल गेलक। सउब पीएलवी कहलयं कि उक्त तिथि के व्यवहार न्यायालय, रांची में लगेक वाला रास्ट्रीय लोक अदालत कर दिन आपन वाद कर निःसुल्क निस्तारन करा सकयंना। मौका में आवल अदमीमन कर बीच पम्पलेट आउर लिफलेट बांटल गेलक।

फरके फरके चुलहा

संतोष महली, ईटा, लोहरदगा

फरके फरके चुलहा
आंगना होवथे छोट,
नावां तुर कर करथैं
नइ जानब कइसन खोज।
फरके फरके चुलहा
आंगना होवथे छोट।

आजा आजी कर सिरातेहे
बिरान होइ जाथे गांव -
गांजार,
काका काकी,मोसा
मोसी,मामा मामी
कर चलते,बाचल है एखनो
ले पेयार।

बोरा,पिढ़ा,पटिया बइठ
लेथड़ाय
खात रही संगे - संगे
चेगड़ाय,
टेबुल कुरसी बइढ़ गेलक कोज
खाते हे लागेला कखन होती
सोझ।

फरके फरके चुलहा
आंगना होवथे छोट,
नावां तुर कर करथैं
नइ जानब कइसन खोज।
फरके फरके चुलहा
आंगना होवथे छोट।

मुद्रक व प्रकाशक नीलम सिंह द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक** : रतनलाल अग्रवाल, **एग्जीक्यूटिव एडिटर** : शिव कुमार सिंह, **स्टेट ब्यूरो हेड** : कुमार राजेश। **फोन नंबर** : 8210640230, 9934166306, **ई-मेल आईडी** : jharkhandwanitaudyog@gmail.com